हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

एपीके के जरिए 4 लाख रुपए की ठगी कर ली

ग्वालियर। वॉशिंग मशीन ठीक कराने के लिए इंटरनेट पर नंबर तलाशना एक बेकरी संचालक को भारी पड़ गया। ठग ने कस्टमर केयर कर्मचारी बनकर एपीके फाइल भेजी और उनके खाते से 4 लाख रुपए निकाल लिए। मुरार थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। अशोक कॉलोनी निवासी सतीश कुमार माहौर बेकरी संचालक हैं।

मुख्यमंत्री ने 1.25 करोड़ से अधिक लाड़ली बहनों को जारी किए 1836 करोड़ रुपए

5 लाख स्व-सहायता समूह की 62 लाख बहनें हुईं आत्मनिर्भर

सीएम ने कहा कि बहनों को आर्थिक रूप से सशक्त करने के लिए सरकार के खजाने में कोई कमी नहीं है। राज्य सरकार बहनों के कल्याण के लिए हर कदम पर साथ खड़ी है

महिलाएं कपास आधारित उद्योग में काम करेंगी तो उन्हें 5 हजार महीना अलग से मिलेंगे

लाड़ली बहनों के खाते में राशि अंतरित करते हुए सीएम डॉ. मोहन यादव

हरिभूमि न्यूज ▸▸ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शनिवार को सिंगल क्लिक से प्रदेश की 1.25 करोड़ से अधिक लाड़ली बहनों के खातों में 1836 करोड़ रुपए अंतरित किए। इस योजना में अब तक लाड़ली बहनों को 52,304 करोड़ रुपए की राशि दी गई है। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने कहा कि महा-शिवरात्रि के पावन पर्व पर लाड़ली बहनों को 1500 रुपए सम्मान राशि की अद्भुत सौगात मिल रही है। बहनों को आर्थिक रूप से सशक्त करने के लिए सरकार के खजाने में कोई कमी नहीं है। राज्य सरकार बहनों के कल्याण के लिए हर कदम पर साथ खड़ी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को खंडवा जिले के पंधाना में लाड़ली बहनों को योजना की 33 वीं किस्त की सौगात देने के बाद जनसमूह को ▸▸ शेष पेज 4 पर

- ***खंडवा में 255 करोड़ के विकास कार्यों का भूमि-पूजन और 352.41 करोड़ के 11 विकास कार्यों का लोकार्पण***
- ***खंडवा में नगर निगम की नई सीवरेज परियोजना, 3 करोड़ रुपए की लागत से बनेगा पंधाना बस स्टैंड***

खेती में महिलाओं की भागीदारी से सशक्त होगी अर्थव्यवस्था

डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार ने वर्ष 2026 को कृषक कल्याण वर्ष घोषित किया है। खेती में महिलाओं की भागीदारी जितनी मजबूत होगी, गांव, किसान परिवार और प्रदेश की अर्थव्यवस्था उतनी ही सशक्त होगी। उन्होंने कहा कि पीएम आवास योजना के लिए फिर से सर्वे कराया जा रहा है, जिससे वंचित पात्र हितग्राहियों को भी पक्के मकान मिल पाएं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि निमाड़ की कनेक्टिविटी इंदौर और दिल्ली-मुंबई से बढ़ जाएगी। औद्योगिक विकास के साथ निमाड़ अंचल भी समृद्ध होगा। बाबा ममलेश्वर धाम (ओंकारेश्वर) को विकसित करने के लिए 300 करोड़ लागत से विकास कार्य किए जा रहे हैं। यहां एकात्म धाम, स्टैच्यू ऑफ वननेस, संत सिंगाजी धाम के विकास कार्यों के पूर्ण होने पर निमाड़ अंचल धार्मिक पर्यटन का अद्भुत केंद्र बनकर उभरेगा।

608 करोड़ से अधिक के 13 विकास कार्यों का भूमि-पूजन और लोकार्पण

डॉ. यादव ने खंडवा के चहुंमुखी विकास के लिए 608 करोड़ रुपए से अधिक के 13 विकास कार्यों का भूमि-पूजन और लोकार्पण किया। इसमें 255 करोड़ रुपए लागत के विकास कार्यों का भूमि-पूजन एवं 353.82 करोड़ लागत के 11 विकास कार्यों का लोकार्पण शामिल हैं। खंडवा जिले में 301 करोड़ लागत की निर्मित भाम सिंचाई परियोजना, आयुष्मान आरोग्य मंदिर, प्रयोगशाला और पंधाना के नवीन शासकीय सांदीपनि विद्यालय का शुभारंभ भी किया।

हितग्राही परिवार की बेटियों के लिए नि:शुल्क कोचिंग

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार पात्र हितग्राही परिवार की बेटियों के लिए नि:शुल्क कोचिंग की व्यवस्था करा रही है, जिससे वे पढ़-लिखकर प्रदेश और परिवार का नाम रोशन करें। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री उज्जवला गैस योजना में प्रदेश की 25 लाख बहनों को 111 करोड़ की राशि भी निरंतर भेजी जा रही है। प्रधानमंत्री मातृ वंदना ▸▸ शेष पेज 4 पर

एआई इमेज

5 महीने बाद फिर आमने-सामने होंगे भारत और पाक

आज संडे सनसनी... दबदबा कायम रखने के लिए उतरेगी 'टीम इंडिया'

- ***कोलंबो के प्रेमदासा स्टेडियम में शाम 7 बजे से शुरू होगा मैच***
- ***अब तक 8 मुकाबले, 7 भारत ने तो 1 मैच पाकिस्तान ने जीता***

सूर्यकुमार यादव

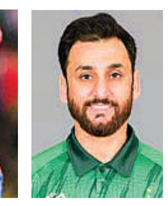

सलमान अली आगा

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

भारत और पाकिस्तान की टीमें 5 महीने बाद एक बार फिर क्रिकेट के मैदान पर आमने-सामने होंगी। यह टी-20 विश्व कप का सबसे चर्चित मुकाबला होगा जिसे देखने के लिए दोनों देशों के क्रिकेट प्रशंसक काफी उत्सुक हैं। पाकिस्तान ने मैच के बहिष्कार के अपने फैसले पर यू-टर्न लेकर प्रेमादासा स्टेडियम पर यह मैच खेलने का फैसला लिया।

टी-20 विश्व कप में भारत और पाकिस्तान के बीच अब तक 8 बार मुकाबले खेले जा चुके हैं। 7 बार टीम इंडिया ने मैच जीता है, जबकि एक बार पाकिस्तान की टीम जीत हासिल करने ▸▸ शेष पेज 4 पर

लाइव स्ट्रीमिंग जियो हॉटस्टार एप पर

- भारत और पाकिस्तान के बीच टी20 विश्व कप का मैच भारतीय समयानुसार शाम 7:00 बजे से शुरू होगा। टॉस इससे आधे घंटे पहले यानी शाम 6:30 बजे होगा।
- टी20 विश्व कप के प्रसारण अधिकार स्टार स्पोर्ट्स के पास है और दर्शक इसके मुकाबले स्टार स्पोर्ट्स के चैनलों पर देख सकेंगे। इसके अलावा मैच की लाइव स्ट्रीमिंग जियोहॉटस्टार एप पर होगी।

मनीष सिंह ने सीएम डॉ. यादव से मुलाकात की

आईएएस मनीष सिंह को जनसंपर्क आयुक्त पद की बड़ी जवाबदारी मिली

हरिभूमि न्यूज ▸▸ भोपाल

मप्र में एक दिन पहले रात दो बजे हुए आईएएस अफसरों के तबादले में परिवहन विभाग के सचिव व एमडी सड़क परिवहन निगम 2009 बैच के आईएएस मनीष सिंह को जनसंपर्क विभाग में आयुक्त पद की बड़ी जवाबदारी मिली है। उन्हें मप्र माध्यम का एमडी (अतिरिक्त प्रभार) भी बनाया गया है। उनके पास वर्तमान दायित्यों में ▸▸ शेष पेज 4 पर

सिंह ने पदभार संभाला

एआई के डर से आईटी सेक्टर में 4.5 लाख करोड़ स्वाह हुए

नई दिल्ली। एआई के डर से भारत के आईटी सेक्टर में 4.5 लाख करोड़ रुपए स्वाह हो गए हैं। टीसीएस और इंफोसिस जैसी कंपनियां इस गिरावट का शिकार हुई हैं। अब इस गिरावट के बीच दिग्गज अमेरिकी वित्तीय स्थान जेपी मॉर्गन ने भारत की आईटी कंपनियों और उनके कारोबार के बारे में बड़ी टिप्पणी की है। भारतीय शेयर बाजार के इतिहास में फरवरी 2026 को शायद ब्लैक फरवरी के रूप में याद किया जाए। यह वह महीना है जब भारतीय अर्थव्यवस्था की सबसे मजबूत कंपनियों खासकर आईटी कंपनियों ने एक अभूतपूर्व झटके का सामना किया। जिन कंपनियों ने कभी भारतीय बाजार को बुलंदियों पर पहुंचाने में सबसे ज्यादा योगदान दिया था, अब बाजार उन्हीं कंपनियों के लिए जैसे बेरहम हो गया है। मात्र कुछ हफ्तों में ही देश की आईटी सेक्टर की कंपनियों से 50 बिलियन डॉलर मतलब करीब 4.5 लाख करोड़ रुपए का मार्केट कैप हवा हो गया है। बाजार में आई गिरावट को सामान्य समझना किसी बेवकूफी से कम नहीं होगा।। इसके केंद्र में है एंथ्रोपिक का नया एआई टूल और निवेशकों का यह डर कि भारतीय आईटी कंपनियों का दशकों ▸▸ शेष पेज 4 पर

टीसीएस और इंफोसिस जैसी कंपनियां इस गिरावट की शिकार

खबर संक्षेप

ऊर्जा में ही समस्याओं का समाधान छिपा

भोपाल। आपका का जीवन उसकी ऊर्जा, भवन की ऊर्जा और ब्रह्मांडीय ऊर्जा से संचालित हैं। अतः आपकी ऊर्जा में ही समस्याओं का समाधान छिपा है। लोगों की ऊर्जा, ऑरा स्कैनर और डाउजिंग टूल से स्कैन कर सकते हैं। भवन की ऊर्जा, वास्तु के नियमों से जान सकते हैं। यह

कहना है वास्तुविद एस्ट्रोलॉजी, न्यूमरोलॉजी, ऑरा एनालिसिस एक्सपर्ट सत्येंद्र सिंह का। उन्होंने कहा कि ब्रह्मांडीय ऊर्जा को जन्म पत्रिका और न्यूमरोलॉजी रिपोर्ट से जाना जा सकता हैं। सम्पूर्ण ऊर्जा एनालिसिस कर जीवन की प्रॉब्लम के मूल कारण का निवारण किया जाए तो जीवन सुख समृद्धि स्वास्थ्य से भरपूर हो सकता हैं। सत्येंद्र सिंह ने बताया कि ऊर्जा आधारित पद्धति से सही उपचार करने पर जीवन की समस्याओं का समाधान किया जा सकता हैं।

एमवीएम में दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में विद्वानों ने रखे विचार

भोपाल। राजधानी स्थित शासकीय मोतीलाल विज्ञान महाविद्यालय (एमवीएम) में खनिज संसाधन, औद्योगीकरण एवं पर्यावरणीय विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इसकी शुरुआत 13 फरवरी को हुई। संगोष्ठी का आयोजन एमवीएम व भूगर्भशास्त्र के पूर्व विद्यार्थियों द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। दूसरे दिन शनिवार को पहले तकनीकी सत्र में डॉ डीसी गुप्ता (पूर्व कुलगुरु, बीयू), डॉ एएन सिंह (पूर्व निदेशक, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण), डॉ सीपी श्रीवास्तव (पूर्वनिदेशक, सेंट्रल ग्राउंड वॉटर बोर्ड) एवं डॉ ज्योति स्वरूप (प्राध्यापक, मैनिट) ने व्याख्यान दिए। द्वितीय तकनीकी सत्र में शोधार्थियों ने विभिन्न विषयों में अपने शोध पत्र प्रस्तुत किए। शोधार्थी जितेंद्र कुमार नरवरिया को शोध पत्र प्रस्तुत करने पर सर्वश्रेष्ठ पुरस्कार मिला। इसके बाद समापन सत्र में प्राचार्य डॉ गीता मोदी, डॉ संतोष कुमार भदौरिया (प्राचार्य, शासकीय महाविद्यालय मंडीदीप), डॉ वीके पाराशर, डॉ आरएस रघुवंशी (विभागाध्यक्ष भूगर्भशास्त्र), डॉ प्रदीप बागड़े ने प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र बांटे।

भोले की भक्ति में रमेगा शहर, शिव का होगा अभिषेक, राजधानी में 20 जगहों से निकलेगी शिव बारात

व्यतिपात योग, वरियान योग, ध्रुव योग, मकर राशि के चंद्रमा की मौजूदगी में आज धूमधाम से मनाई जाएगी महाशिवरात्रि

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

महाशिवरात्रि के अवसर पर रविवार को अनेक दिव्य योग बन रहे हैं। महाशिवरात्रि हिंदू धर्म के पवित्र त्योहारों में से एक है। यह महादेव और मां पार्वती के विवाह के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। इस शुभ दिन पर शिवभक्त व्रत और विधि पूर्वक भगवान शिव की आराधना करते हैं।

इस साल 15 फरवरी को महाशिवरात्रि का पर्व मनाया जाएगा। धार्मिक ग्रंथों के अनुसार महाशिवरात्रि का पर्व भगवान शिव और माता पार्वती के विवाह दिवस के रूप में मनाया जाता है। मां चामुंडा दरबार के पुजारी पंड़ति रामजीवन दुबे ने बताया कि इस साल महाशिवरात्रि पर व्यतिपात योग, वरियान योग, ध्रुव योग और मकर राशि के चंद्रमा की मौजूदगी रहेगी। महाशिवरात्रि के अवसर पर राजधानी भोपाल में 20 से अधिक जगहों पर शिव बारात निकाली जाएगी।

महाशिवरात्रि पर्व को लेकर उत्साहित महिला श्रद्धालु।

चतुर्दशी तिथि प्रारम्भ

15 फरवरी शाम 05:04 बजे से शुरू होगा, जिसका समापन 16 फरवरी शाम 05:34 बजे होगा।

महाशिवरात्रि पूजा का शुभ मुहूर्त

पुजारी पंडित रामजीवन दुबे ने बताया कि महाशिवरात्रि का पूजा का सबसे शुभ मुहुर्त रविवार सुबह 06:30 बजे से 09:30 बजे तक रहेगा। तो वहीं 07:00 बजे से शाम 07:48 बजे तक सर्वार्थ सिद्धि योग रहेगा। यह योग 12 घंटे से अधिक समय तक प्रभावी होगा। ज्योतिष शास्त्र में सर्वार्थ सिद्धि योग को अत्यंत कल्याणकारी माना गया है।

रजत रथ पर नदी सवार बटेश्वर की निकलेगी बारात

श्री बड़वाले महादेव मंदिर सेवा समिति एवं ट्रस्ट के द्वारा कल महाशिवरात्रि पर्व पर आयोजित बाबा बटेश्वर की भव्य बारात सुबह 10 बजे हजारों भक्तो की अगुवाई में निकाली जाएगी। मंदिर समिति के संजय अग्रवाल एवं प्रमोद नेमा ने बताया कि शिव बारात में भगवान राधा कृष्ण द्वारा भोलेनाथ का पूजन, राम दरबार, माता अनुसुइया, ब्रह्मा, विष्णु, महेश, प्रदोष श्रृंगार एवं पहाड़ पर भूतेश्वर की झांकी आकर्षण का केंद्र रहेगी। बारात के दूसरे भाग में बटेश्वर भक्त मंडल एवं महिला मंडल का डमरू मंजीरा दल, आदिवासी नृत्य दल, बैंड, ओम नमः शिवाय मंडल का अखंड जाप और सबसे पीछे रजत रथ पर नंदी सवार दूल्हा बने बाबा बटेश्वर होंगे। मंदिर परिसर से बारात सिंधी मार्केट, जवाहर चौक जुमेराती, हनुमानगंज मंगलवारा, इतवारा, चिंतामन चौराहा, चौक लखेरापुरा से रात्रि 11 बजे भवानी मंदिर सोमवारा पहुंचेगी यहां वरमाला का आयोजन होगा। अर्ध रात्रि में बाबा बटेश्वर का मंदिर परिसर में पाणिग्रहण संस्कार किया जाएगा।

महाशिवरात्रि पर किन्नर समाज का पारंपरिक पट अभिषेक का होगा आयोजन

__भोपाल।__ महाशिवरात्रि पर रविवार को जहांगीराबाद स्थित लाला शादी हाल में दोपहर 12 बजे से किन्नर समाज की पारंपरिक पट अभिषेक प्रथा का भव्य आयोजन किया जाएगा। इस विशेष अवसर पर प्रदेश के विभिन्न जिलों से बड़ी संख्या में किन्नर शामिल होंगे । तो वहीं 16 फरवरी को मंगलवारा से भवानी चौक सोमवारा तक भव्य कलश यात्रा निकाली जाएगी, जिसमें हजारों किन्नर समाजजन शामिल होंगे।

सार्वजनिक श्री दुर्गा मंदिर से आज निकलेगी बाबा भोलेनाथ की बारात

__भोपाल।__ सार्वजनिक श्री दुर्गा मंदिर सरदार पटेल नगर कालोनी द्वारा महाशिवरात्रि महोत्सव की शुरुआत शनिवार से धार्मिक आयोजन के साथ हुई। शनिवार को मंदिर परिसर में हल्दी-मेहंदी कार्यक्रम एवं महिलाओं का सांस्कृतिक संगीत समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम की तैयारियों के आयोजक महेंद्र सिंह ठाकुर, कपिल राठौर, कृष्ण गोपाल शर्मा एवं रमेश वर्मा ने बताया कि रविवार 15 फरवरी को सुबह भोलेनाथ का अभिषेक किया जाएगा।

मौत के साए में 600 परिवार, पूरा आवास ही जर्जर, कब गिर जाए, इसका पता नहीं

कभी-कभी बुलडोजर तो कभी नया प्लान, लेकिन धरातल पर कुछ नहीं

ननि पहले ही डेंजर जोन घोषित कर चुका है, लेकिन विस्थापन को लेकर कोई प्लान नहीं

ऐशबाग स्थित जर्जर जनता क्वार्टर्स।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

ऐशबाग स्थित जनता क्वार्टर्स में रहने वाले लोग जर्जर मकानों में जीवन यापन करने को मजबूर हैं। कई मकानों की दीवारों में दरारें पड़ चुकी हैं, छतों से प्लास्टर झड़ रहा है और बरसात के दौरान पानी टपकने की समस्या रहती है, जिन लोगों ने 30 साल पहले हाउसिंग बोर्ड के क्वार्टर्स 90 हजार रुपए में खरीदे थे, आज वो रहने लायक नहीं बचे हैं फिर भी पिछले कई वर्षों से लोग अपनी जान जोखिम में डाल कर यहां रहने को मजबूर हैं। जिनकी सुध लेने वाला कोई भी भी हैं।

ऐशबाग स्थित जर्जर जनता क्वार्टर्स।

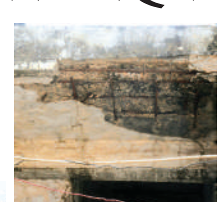

लोग शिकायत करें तो करेंगे कार्रवाई

हाउसिंग बोर्ड के जनसंपर्क अधिकारी प्रशांत मिश्रा का कहना है कि जनता क्वार्टर में रहने वाले परिवारों की तरफ से कोई शिकायत नहीं आई। जब शिकायत आएगी तो उसका निराकरण किया जाएगा।

आंधी और बारिश में बना रहता है भय का माहौल

अमीश खान

रहवासी, अमीश खान ने बताया कि हर रोज पत्ते पर जान अटकी रहती है। हम गरीब लोग हैं कहां जाएं, रोजी रोटी के लिए यहां रहने का मजबूर हैं। निवासियों का कहना है कि हर आंधी और बारिश के समय उन्हें डर सताता है कि कहीं मकान भरभराकर गिर न जाए। बच्चों और बुजुर्गों की सुरक्षा को लेकर वे लगातार चिंता में जी रहे हैं। रहवासियों ने प्रशासन से मांग की है कि जर्जर मकानों का सर्वे कराया जाए और जल्द से जल्द मरम्मत या पुनर्विकास की कार्रवाई की जाए।

शिकायत के बावजूद नहीं मिला समाधान

भगवती लोधी

स्थानीय लोगों ने बताया कि उन्होंने कई बार संबंधित विभाग से शिकायत की, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। रहवासी, भगवती लोधी ने बताया कि मैंने यह क्वार्टर 90 हजार रुपए में 30 साल पहले खरीदा था। उसके कुछ साल बाद से ही इसका प्लास्टर, छत के छज्जे झड़ने लगे, इसकी मरम्मत हम खुद ही कराते हैं। पर आज ये रहने लायक नहीं बचा है फिर भी हम रहने को मजबूर हैं।

कोई दूसरा आसरा नहीं, कहां जाएं

रुकसाना रफीक

रहवासी, रुकसाना रफीक उम्र 60 साल उन्होंने बताया कि पूरा जीवन यहीं निकाल दिया और कोई दूसरा आसरा नहीं है कहां जाएं। 25 साल पहले मेरे मियां ने इसे एक लाख रुपए में खरीदा था, आज स्थिति ऐसी है कि कब ढह जाएगा पता नहीं। बेटे-बहू के साथ इसी में गुजर बसर करने को मजबूर हैं।

कई बार हाउसिंग बोर्ड में कर चुके शिकायत

रईसा बी ने बताया कि मेरी उम्र 64 साल की है। ऐसी समस्या पिछले कई सालों है।

रईसा बी

हमने कितनी बार हाउसिंग बोर्ड में शिकायत की पर कोई असर नहीं हुआ। बारिश के दिनों में जान निकलती रहती हैं कि कब गिर जाएगा। सरकार बस आश्वासन देती हैं बाकी कुछ नहीं होता है। यहां रहने को बेबस हैं।

'दूध का दूध, पानी का पानी' अभियान को मिली राष्ट्रीय सराहना

भोपाल दुग्ध संघ ने 52वें डेयरी उद्योग सम्मेलन में हासिल किया प्रथम पुरस्कार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

नई दिल्ली में हुए 52वें डेयरी उद्योग सम्मेलन में भोपाल सहकारी दुग्ध संघ (सांची) ने अपनी अभिनव पोस्टर प्रस्तुति के लिए प्रथम पुरस्कार प्राप्त कर मध्य प्रदेश का नाम रोशन किया है। यह पुरस्कार संघ के क्रांतिकारी अभियान दूध का दूध, पानी का पानी के सांख्यिकीय विश्लेषण और सकारात्मक परिणामों को प्रदर्शित करने वाले पोस्टर को दिया गया। सम्मेलन में देश भर के डेयरी विशेषज्ञों के समक्ष भोपाल दुग्ध संघ की टीम के सीईओ प्रीतेश जोशी, मार्केटिंग प्रमुख शलभ सियोते और क्वालिटी प्रमुख प्रज्ञा झा ने बताया कि कैसे आधुनिक तकनीक से उपभोक्ताओं का विश्वास जीता। जून 2025 में शुरू हुए अभियान का उद्देश्य पिछले पांच वर्षों से दूध की बिक्री में आई गिरावट और खुले दूध में मिलावट के खिलाफ जागरूकता था।

किन्नर समुदाय के समूह ने किया दावा

महाशिवरात्रि के मौके पर 500 किन्नरों की होगी घर वापसी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

राजधानी में किन्नर समुदाय के भीतर विगत दिनों से विवाद चला आ रहा है। इस सबके बीच महाशिवरात्रि पर 500 किन्नरों की घर वापसी कराए जाने का दावा किया गया है। कार्यक्रम सुबह लालघाटी के वुड गार्डन में 10 बजे से 4 बजे चलेगा। इस आयोजन का नेतृत्व कर रहीं काजल ठाकुर ने कहा कि ये वे किन्नर हैं, जो पहले मुस्लिम धर्म अपना चुके थे और अब हिंदू धर्म में वापस लौटेंगे। काजल ठाकुर का कहना है कि सुरैया नायक इस कार्यक्रम में शामिल हों और यदि चाहें तो हिंदू धर्म में वापसी करें। कार्यक्रम में हिमांगी सखी और प्रज्ञा गुरुजी भी शामिल होंगी।

भाइयों से की थी मारपीट, ईटखेड़ी पुलिस ने गिरफ्तार कर भेजा जेल

युवती पर जबरन शादी करने का बनाया दबाव इंकार करने पर फोटो किए वायरल, केस दर्ज

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

दलित युवती पर जबरन शादी का दबाव डालकर उसके परिजनों ने मारपीट करने और फोटो सोशल मीडिया पर वायरल करने वाले आरोपी को ईटखेड़ी पुलिस ने गिरफ्तार कर भेज दिया है। आरोपी बीते सात-आठ माह से युवती का पीछा कर उस पर जबरन शादी करने का दबाव बना रहा था। परिजनों ने जब युवती की शादी कहीं और तय कर दी तो आरोपी ने उसके फोटो वायरल कर दिए। थाना प्रभारी आशीष सप्रे का कहना है कि आरोपी आदतन अपराधी है। उसके खिलाफ बहला-फुसलाकर नाबालिग से दुष्कर्म करने और मारपीट समेत चार अपराध थाने में दर्ज हैं।

पुलिस के मुताबिक 14 फरवरी को 22 साल की युवती ने थाने आकर रिपोर्ट दर्ज कराई कि करीब सात-आठ माह पहले गोकुलदास अचारपुरा फैक्ट्री में काम करने के दौरान ग्राम अचारपुरा में रहने वाले लोचन मीना से जान-पहचान हुई थी। लोचन मीना ने पीड़िता के साथ फोटो लिए थे। विगत 13 फरवरी की रात करीब 8 बजे आरोपी लोचन जबरन पीड़िता के घर में घुसा और उसके भाई से कहने लगा कि वह शादी नहीं होने देगा।

विरोध करने पर आरोपी ने गाली-गलौज कर पीड़िता के भाई के साथ मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी।

विशिष्ट अतिथि ने रासेयो के उद्देश्यों, गतिविधियों एवं सामाजिक उत्तरदायित्व से विद्यार्थियों को कराया अवगत

एसपीएम कॉलेजः एनएसएस के उन्मुखीकरण कार्यक्रम में अतिथियों ने रखे अपने विचार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

राजधानी स्थित शासकीय डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी विज्ञान एवं वाणिज्य महाविद्यालय में शनिवार को महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना के उन्मुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन प्राचार्य डॉ शालिनी सक्सेना के मार्गदर्शन में कार्यक्रम अधिकारी डॉ हेमलता वर्मा एवं डॉ दिनेश डहारे द्वारा किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में प्रवेश एवं शुल्क विनियमन समिति के

एसपीएम कॉलेज में आयोजित कार्यक्रम।

अध्यक्ष डॉ रविंद्र कन्हारे उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना मात्र एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि व्यक्तित्व निर्माण की कार्यशाला है, जहां विद्यार्थी में नेतृत्व क्षमता, सामाजिक सरोकार एवं टीम भावना का विकास होता है। विशिष्ट अतिथि डॉ मनोज कुमार अग्निहोत्री, राज्य एनएसएस अधिकारी ने रासेयो के उद्देश्यों, गतिविधियों एवं सामाजिक उत्तरदायित्व से विद्यार्थियों को अवगत कराया। समन्वयक, बीयू के डॉ अनंत कुमार सक्सेना ने एनएसएस कैंप के दौरान होने वाले व्यावहारिक एवं जीवंत अनुभवों को विद्यार्थियों से साझा किया।

भारतीय ज्ञान परंपरा को वैज्ञानिक नजरिए से पढ़ाने की एक नई एवं अनूठी पहल

भारतीय विरासत और आधुनिक विज्ञान का संगम साबित होगा बीएसएमएस

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

राजधानी स्थित एनआईटीटीटीआर (निटर) ने डीम्ड यूनिवर्सिटी बनने के बाद अपने यहां बहुत से एकेडेमिक प्रोग्राम स्टार्ट किए हैं। संस्थान आगामी शैक्षणिक सत्र से एक विशिष्ट प्रोग्राम बीएसएमएस (बैचलर ऑफ़ साइंस एंड मास्टर ऑफ़ साइंस) शुरू करने जा रहा है, जो भारतीय ज्ञान परंपरा पर आधारित होगा। इस दिशा में संस्थान इस क्षेत्र के सब्जेक्ट एक्सपर्ट्स के साथ मिलकर अपनी कार्ययोजना को अंतिम रूप दे रहा है। देशभर में भारतीय ज्ञान परंपरा का बीएसएमएस कोर्स पहला होगा। इस कोर्स का संचालन राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुसार होगा। संस्थान के निदेशक प्रो. सीसी त्रिपाठी ने बताया

निटर में बैठक का आयोजन।

कि निटर के छात्र केवल डिग्री तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि उन्हें व्यावहारिक कौशल और इस क्षेत्र से जुड़े संस्थानों के साथ कार्य करने का अवसर मिलेगा। धर्म, दर्शन, विज्ञान, वास्तु, ज्योतिष, खगोल, स्थापत्य कला, नृत्य कला, संगीत कला, आदि सभी तरह के ज्ञान का जन्म भारत में हुआ है, इसके हजारों प्रमाण हैं। कला, विज्ञान, गणित और ऐसे अनगिनित क्षेत्र हैं, जिनमें भारतीय योगदान अनुपम है। आधुनिक युग के ऐसे बहुत से अविष्कार हैं, जो भारतीय शोधों के निष्कर्षों पर आधारित हैं। हमारे देश के विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को यह जानकारी होनी चाहिए।

यह कोर्स जॉब ओरिएंटेड होगा

निदेशक त्रिपाठी ने बताया कि यह कोर्स जॉब ओरिएंटेड होगा। स्टूडेंट्स को भारतीय ज्ञान परंपरा के विविध आयामों, भारतीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परंपराओं के साथ साथ ज्ञान परम्परा की विरासत के संरक्षण की लेटेस्ट टेक्नोलॉजी पर अध्ययन एवं फील्ड बेस्ड प्रोजेक्ट्स पर कार्य करने का अवसर प्रदान किया जाएगा। संस्थान के डीन साइंस एवं भारतीय ज्ञान परंपरा विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. पीके पुरोहित ने बताया कि भारतीय ज्ञान परंपरा का बड़ा हिस्सा वैज्ञानिक सिद्धांतों पर आधारित है, जो आज भी आधुनिक विज्ञान में उपयोगी है। भारतीय ज्ञान परंपरा की समृद्ध विरासत को संरक्षित और प्रचारित करने के लिए इसे वैज्ञानिक दृष्टिकोण से जोड़ना जरूरी है, ताकि यह आधुनिक शिक्षा और अनुसंधान के साथ सामंजस्य स्थापित कर सके।

बैठक में कई सुझाव आए

बैठक में कई महत्वपूर्ण सुझाव आए इनमें प्रमुख रूप से इस कोर्स का संचालन उन संस्थानों के साथ मिल कर किया जाए जो भारतीय ज्ञान परंपरा का पालन करते हैं, जिनमे रामकृष्ण मिशन, आयुर्वेदिक संस्थान, धरोहर, कला के केंद्र, योग संस्थान, संस्कृतिक केंद्र आदि। प्राचीन काल के इतिहास, हिंदू शिक्षा,अन्य धर्म शिक्षा आदि विषय पाठ्यक्रम में शामिल किया जाए। विज्ञान में स्नातक डिग्री होने के कारण विभिन्न विषयों पर प्रयोगशाला का प्रावधान होना चाहिए। इस बैठक में डॉ मधुकरभाई पडवी, डॉ सच्चिदानंदा मिश्रा, आशुतोष भटनागर, संदीप कुमार सिंह, स्वामी नरसीमांनद, प्रो अजय जैन, डॉ अमरानंद रेड्डी, अंकुर जोशी, विकास सिंह, डॉ रामेन्द्र सिंह, डॉ अमित दुबे सहित कई अन्य विशेषज्ञ शामिल रहे।

जय हिंद सेना ने वैलेंटाइन डे के विरोध में मनाया ब्लैक डे

वैलेंटाइन डे का विरोध जताते जय हिंद सेना के कार्यकर्ता।

हरिभूमि न्यूज भोपाल

जय हिंद सेना कार्यकर्ताओं ने वैलेंटाइन डे का विरोध करते हुए पुलवामा में शहीद हुए 40 वीर जवानों को मोमबत्ती जलाकर भारत माता चौराहे पर श्रद्धांजलि अर्पित की। जय हिंद सेना के कार्यकर्ताओं ने वैलेंटाइन डे मुर्दाबाद, अश्लीलता करना बंद करो के नारे लगाते हुए ब्लैक डे पर प्रेम के नाम पर अश्लीलता फैलाने वालों का विरोध किया। जय हिंद सेना के अध्यक्ष अरुण पांडे ने बताया कि 14 फरवरी 2019 को पुलवामा आतंकी हमले में 40 वीर जवान शहीद हो गए थे।

हरिभूमि
मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी

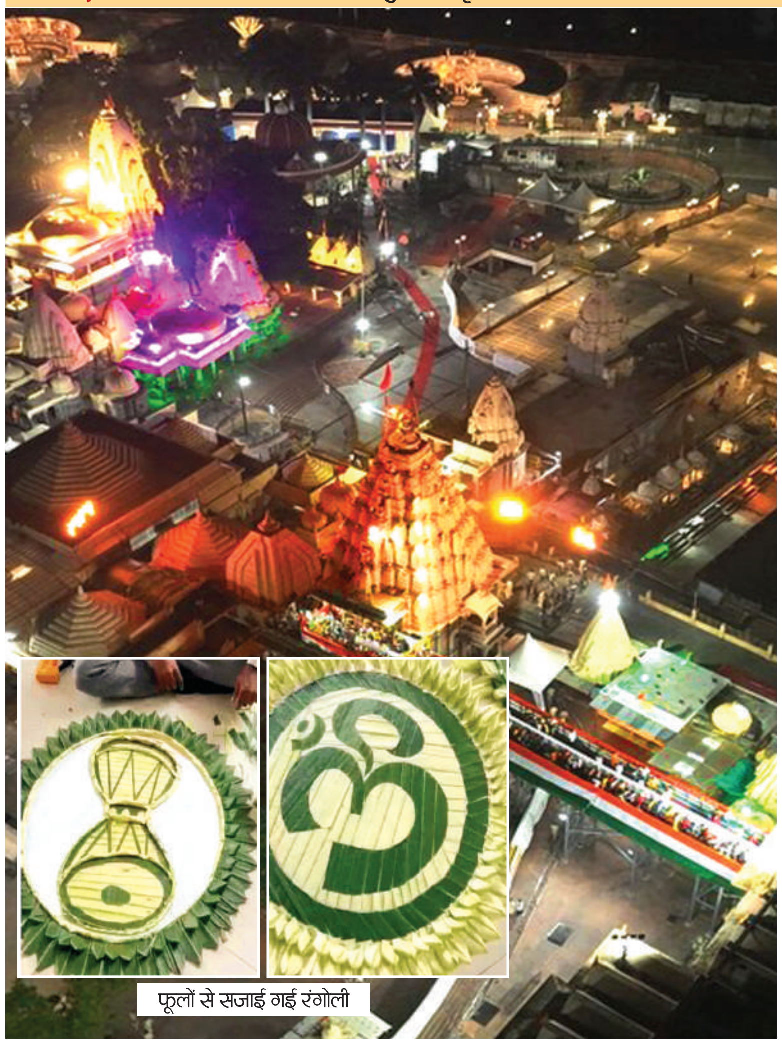

फूलों से सजाई गई रंगोली

बाबा महाकाल मंदिर में ऐसी है महा-शिवरात्रि की तैयारी

दक्षिण भारत से आए 210 कारीगर दो दिन से दिन-रात जुटे, नटराज थीम पर मंदिर सजाया

सिंगापुर, हांगकांग, स्विट्जरलैंड, थाईलैंड और इंडोनेशिया से खास प्रजाति के फूल मंगाए गए

हरिभूमि न्यूज ▶▶ उज्जैन

उज्जैन के श्री महाकालेश्वर मंदिर में इस बार महाशिवरात्रि पर भव्य और दिव्य सजावट की गई है, जिसमें 5 देशों से 40 प्रकार के विदेशी फूल मंगवाए गए हैं। पूरे मंदिर परिसर को नटराज मंदिर की थीम पर सजाया गया है, जिससे श्रद्धालुओं को अनोखा आध्यात्मिक अनुभव मिलेगा। कर्नाटक के उद्योगपति कृष्णमूर्ति रेड्डी पिछले 12 वर्षों से महाकाल मंदिर में विशेष ▶▶ शेष पेज 4 पर

कर्नाटक के उद्योगपति कृष्णमूर्ति रेड्डी पिछले 12 वर्षों से महाकाल मंदिर में विशेष साज सज्जा करवा रहे हैं

सामान्य दर्शन व 250 रु. के शीघ्र दर्शन टिकट तथा वीआईपी श्रद्धालुओं के लिए अलग-अलग प्रवेश द्वार

सामान्य श्रद्धालुओं को लगभग 40 मिनट में और शीघ्र दर्शन टिकटधारियों को 25 मिनट में दर्शन होंगे

रात ढाई बजे से खुले पट, कतार लगी, करीब 10 लाख श्रद्धालु पहुंचेंगे

महाशिवरात्रि पर्व के तहत शनिवार-रविवार की दरमियानी रात 2.30 बजे मंदिर के पट खोले गए, जो 16 फरवरी की रात 11 बजे बंद होंगे। इस दौरान लगातार 44 घंटे भक्तों को महाकाल के दर्शन होंगे और गर्भगृह में ▶▶ शेष पेज 4 पर

उधर, मंदसौर के पशुपतिनाथ मंदिर के आकाश में जगमगाएंगी लालटेन

मंदसौर में श्री कृष्ण कामधेनु सामाजिक एवं धार्मिक लोक न्यास द्वारा प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर भव्य आयोजनों की ▶▶ शेष पेज 4 पर

खबर संक्षेप

अधिवक्ता की दिनदहाड़े गोली मारकर हत्या

शिवपुरी। करैरा थाना क्षेत्र में किले के पीछे आनंद सागर मंदिर के पास सिद्धन रोड पर कोर्ट जा रहे एडवोकेट संजय कुमार सक्सेना की अज्ञात हमलावरों ने गोली मारकर हत्या कर दी। एकांत रास्ते पर घात लगाकर किए गए इस हमले के बाद क्षेत्र में दहशत का माहौल है। पुलिस आरोपियों की तलाश में जुट गई है। बताया जा रहा है कि रास्ते से गुजर रहे एक अन्य वकील ने देखा, संजय सक्सेना पर घायल अवस्था में पड़े थे।

बहू से परेशान बुजुर्ग ने खुद को गोली मारी

ग्वालियर। यहां एक बुजुर्ग ने अपनी बड़ी बहू के हरकतों के कारण खुद को मौत से गले लगा लिया है। बुजुर्ग ने खुद को गोली मारकर आत्महत्या की है। मृतक की पहचान रामाधार के रूप में हुई है जो डेयरी संचालक थे। मृतक ने अपनी जान इतनी बेरहमी से ली है कि गोली पेट में लगकर पीठ से आर-पार हो गई थी। खुद पर गोली चलाने से पहले रामाधार ने एक सुसाइड नेट लिखा,जिसमें बहू सुनीता का नाम लिखा हुआ है।

जेईई मेन रिजल्ट 16 फरवरी को

नई दिल्ली। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी की ओर से जेईई 2026 सेशन 1 (जनवरी सेशन) का रिजल्ट अब 16 फरवरी तक जारी किया जाएगा। हालांकि पहले यह परिणाम 12 फरवरी को जारी होने की संभावना थी, लेकिन संशोधित सूचना के अनुसार अब उम्मीदवारों को 16 फरवरी तक इंतजार करना होगा। रिजल्ट जारी होने के साथ ही फाइनल आंसर की भी प्रकाशित की जा सकती है।

असम में पीएम मोदी ने निशाना साधते हुए कहा- कांग्रेस ने पूर्वोत्तर को हमेशा 'तरसाया'

कांग्रेस भारत को देश नहीं मानती, वह आतंकियों को अपने कंधे पर बिठाती है

एजेंसी ▶▶ गुवाहाटी

पीएम ने कहा कि पूर्वोत्तर हमारे लिए अष्टलक्ष्मी है। इस वर्ष का बजट, अष्टलक्ष्मी के लिए भाजपा-एनडीए के विजन को और मजबूती देने वाला है

आज की कांग्रेस मुस्लिम लीगी माओवादी कांग्रेस यानी एमएमसी बन गई

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुवाहाटी में लोगों का अभिवादन करते हुए

असम में इस साल विधानसभा चुनाव हैं। चुनाव की औपचारिक घोषणा से चंद हफ्ते पहले राज्य को विकास परियोजनाओं की सौगात मिली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुवाहाटी में आयोजित जनसभा में जम्मू-कश्मीर के पुलवामा में हुए आतंकी हमले का भी जिक्र किया। बढ़ती सियासी सरगर्मियों के बीच चुनावी बिगुल फूंकते हुए पीएम मोदी ने एक तरफ जहां भाजपा के कार्यकाल में हुए फैसलों और विकास परियोजनाओं का उल्लेख किया तो दूसरी तरफ विपक्षी राजनीतिक पार्टी- कांग्रेस को भी आड़े हाथ लिया।

पुलवामा आतंकी हमले की सातवीं बरसी का जिक्र करते हुए मोदी ने कहा कि शनिवार को ही पुलवामा ▶▶ शेष पेज 4 पर

पुलवामा अटैक पर कहा कि भारत ने जिस तरह आतंकियों को सजा दी, वो पूरी दुनिया ने देखा

आजादी के समय मुस्लिम लीग ने देश का बंटवारा कराया, अब कांग्रेस देश को बांटने में लग गई

2014 के बाद नार्थईस्ट के 125 से अधिक महान व्यक्तित्वों को पद्म पुरस्कार

कांग्रेस पर तुष्टिकरण के आरोप लगाते हुए पीएम मोदी ने कहा कि पूर्वोत्तर को नजरअंदाज कर कांग्रेस पार्टी ने हमेशा फंड आवंटित करने से परहेज किया। उन्होंने भाजपा नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) सरकार के कार्यकाल में किए जा रहे फैसलों को रेखांकित करते हुए लोकार्पण के बाद खोले गए भास्कर सेतु समेत कई अन्य परियोजनाओं का भी उल्लेख किया। असम के पद्म सम्मान विजेता का जिक्र करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि ऐसी ही एक संतान कबीन्द्र पुरकायस्थ ▶▶ शेष पेज 4 पर

असम को टैक्स की हिस्सेदारी के रूप में लगभग 50 हजार करोड़ मिलेंगे

पीएम ने कहा कि बजट में बहुत अधिक जोर नार्थईस्ट को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने पर है। इस बार असम को टैक्स की हिस्सेदारी के रूप में लगभग 50 हजार करोड़ मिलने वाले हैं। कांग्रेस के समय असम को कैसे पाई-पाई के लिए तरसा कर रखा जाता था। वो आपको भलीभांति याद होगा। कांग्रेस के समय ▶▶ शेष पेज 4 पर

असम को दी गई प्रमुख सौगातें

- कुमार भास्कर वर्मा सेतु (ब्रह्मपुत्र नदी पर नया पुल)
- इमरजेंसी लैंडिंग फैसिलिटी
- आईआईएम गुवाहाटी का शुभारंभ
- नेशनल डेटा सेंटर (एनडीएस)
- इलेक्ट्रिक बसों की सौगात
- चाय टू चिप्स

कार्यकर्ताओं के दर्शन करना बहुत बड़ा सौभाग्य

भाजपा की नीति और विचारधारा का जिक्र करते हुए पीएम मोदी ने कहा, हमारा विश्वास संगठन में है। हम राष्ट्रजीवन में परिवर्तन का आधार संगठन की शक्ति मानते हैं। इसलिए, इतनी बड़ी तादाद में जमीन की जड़ों से जुड़े हुए कार्यकर्ताओं के दर्शन करना बहुत बड़ा सौभाग्य है। उन्होंने कहा, हम लोग एक ही मंत्र को लेकर जिए हैं, हम लोग एक ▶▶ शेष पेज 4 पर

जयपुर में सड़क हादसा, मरने वाले जबलपुर के

ड्राइवर को झपकी आई, ट्रेलर में जा घुसी कार.... 5 की मौत

खाटूश्याम जी के दर्शन को जा रहे थे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

क्षतिग्रस्त वाहन

जयपुर के चाकसू में हुए सड़क हादसे में महिला टीचर सहित 5 कार सवार लोगों की मौत हो गई। कोटा-जयपुर नेशनल हाईवे (एनएच-52) पर ड्राइवर को झपकी आने की वजह से कार आगे चल रहे ट्रेलर में जा घुसी। उसके परखच्चे उड़ गए। शव बुरी तरह गाड़ी में फंस गए थे। मरने वाले सभी लोग जबलपुर के रहने वाले थे। सभी महाकाल (उज्जैन) के दर्शन के बाद खाटूश्यामजी (सीकर) के दर्शन करने के लिए निकले थे। जयपुर के चाकसू थाना एसएचओ ▶▶ शेष पेज 4 पर

हर दो मिनट में एक ऑपरेशन किया

धार में जमीन पर लिटाकर 175 महिलाओं की नसबंदी

नसबंदी के बाद जमीन पर लेटीं महिलाएं

पीने के पानी तक का इंतजाम नहीं था

सीबीएमओ डॉ. वीरभद्र सिंह मुवेल से जवाब-तलब

हरिभूमि न्यूज ▶▶ धार

धार जिले के आदिवासी बहुल बाग क्षेत्र में आयोजित नसबंदी शिविर में गंभीर लापरवाही सामने आई है। यहां 175 से अधिक आदिवासी महिलाओं का ऑपरेशन किया गया, जिसमें आरोप है कि प्रत्येक ऑपरेशन मात्र 2 मिनट में पूरा किया गया। यह मामला बाग सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ▶▶ शेष पेज 4 पर

भेड़ाघाट में फूड पॉइजनिंग की आशंका

दूषित मिठाई खाने से छह बच्चों व 11 महिलाओं को उल्टी-दस्त

बीकानेर स्वीट्स से आई थी पिस्ता बर्फी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जबलपुर

अस्पताल में परिजन

भेड़ाघाट में फूड पॉइजनिंग की शिकायत सामने आई है। बीते बुधवार को एक पारिवारिक कार्यक्रम में भेड़ाघाट चौराहा स्थित बीकानेर स्वीट्स प्रतिष्ठान से मंगाई गई पिस्ता बर्फी सहित अन्य व्यंजन परोसे गए थे। कार्यक्रम के बाद कुछ परिवारों के सदस्यों में उल्टी, पेट दर्द और दस्त जैसे फूड पॉइजनिंग के लक्षण दिखाई दिए। प्रभावित लोगों को निजी अस्पताल में उपचार कराना पड़ा। जिसमें 6 बच्चे व 11 महिलाएं ▶▶ शेष पेज 4 पर

शादी से लौट रहे 3 युवकों की मौत

रास्ता भूलकर क्षतिग्रस्त पुल पर चढ़े और बाइक समेत गिर गए

बारिश के कारण पुल क्षतिग्रस्त हो गया था

हरिभूमि न्यूज ▶▶ दमोह

तीनों मृतक

यहां एक पुल से बाइक गिरने से तीन लड़कों की मौके पर ही मौत हो गई। तीनों शादी समारोह से लौट रहे थे। तीनों युवक सागर जिले के रहने वाले थे। बारिश के कारण पुल क्षतिग्रस्त हो गया था। दमोह जिले के तेंदूखेड़ा थाना क्षेत्र अंतर्गत झापन के पुल से शुक्रवार देर रात बाइक सवार तीन युवक नीचे गिर गए। सागर जिले के रहली थाना के छिरारी गांव निवासी 21 साल के अजय घोषी, 21 साल के अमित कुर्मी, 22 ▶▶ शेष पेज 4 पर

पुलिस हिरासत में युवक की मौत, थाने में हुआ हंगामा

परिजनों ने कहा- 50 हजार नहीं दिए तो पीट-पीटकर मार डाला, जांच के आदेश

मृतक के खिलाफ एफआईआर नहीं थी, सादा कपड़ों में आए और उठा ले गए

हरिभूमि न्यूज ▶▶ छतरपुर

राजनगर थाने में फांसी के फंदे पर 22 साल के युवक का शव मिला है। पुलिस इसे आत्महत्या मान रही है। उसने सुसाइड नोट छोड़ा है या नहीं उसे किस मामले में पकड़ा था पुलिस इसकी जानकारी नहीं दे पा रही है। घटना शनिवार शाम करीब 5 बजे की बताई जा रही है। मौके पर मजिस्ट्रेट और छतरपुर एसपी अगम जैन पहुंच गए हैं। मृतक की पहचान राजेश पटेल के रूप में हुई है। घटना के बाद थाने में बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। पुलिस अधीक्षक अगम जैन ने बताया कि आरोपी पेशाब करने के बहाने वॉशरूम गया था। वहां जाकर उसने फांसी लगा ली। हालांकि, अधिकारी यह नहीं बता रहे कि युवक को किस आरोप में पकड़ा गया था, अगर वह वॉशरूम गया था तो क्या उसके साथ ▶▶ शेष पेज 4 पर

पुलिस चौकी में शराबी पुलिसवालों को जमकर पीटा

छतरपुर जिले के डाकखाने चौराहे पर बनी एक चौकी में उस समय हंगामा हो गया जब शराबी को पुलिस ने चौकी के अंदर बंद कर दिया था। उसने चौकी के अंदर बंद होते ही जमकर उत्पात मचाया। चौकी के अंदर रखी कुर्सियां जमीन पर पटक दी, चौकी का सामान तोड़ दिया। बाहर निकलते ही उसने पुलिसवालों को झापड़ मारना शुरू कर दिए। जानकारी अनुसार पुलिस को डाकखाने चौराहे पर एक शराबी द्वारा नशे की हालत में उत्पात मचाने की शिकायत मिली थी। पुलिस पहुंची और उसे पकड़कर चौकी ले आई। उसे चौकी के अंदर बंद कर दिया, तो ▶▶ शेष पेज 4 पर

महिला पत्रकार पर जानलेवा हमला

रुचि तिवारी

नई दिल्ली। दिल्ली यूनिवर्सिटी कैंपस एक बार फिर हिंसा का अखाड़ा बन गया है। विश्वविद्यालय में यूजीसी के समर्थन में चल रहे एक प्रदर्शन को कवर करने पहुंचीं महिला पत्रकार रुचि तिवारी पर भीड़ ने जानलेवा हमला कर दिया। पत्रकार का आरोप है कि उन्हें उनकी जाति की वजह से निशाना बनाया गया और भीड़ के ▶▶ शेष पेज 4 पर

कुबेरेश्वर धाम में रुद्राक्ष महोत्सव 2026 का शंखनाद: इस बार 'ग्रीन शिवरात्रि' महोत्सव

पहले दिन शिवपुराण कथा में पं. मिश्रा ने कहा-मन बैचेन हो तो 10 मिनट वृक्ष के नीचे भगवान शिव का ध्यान करो

हजारों की संख्या में रुद्राक्षों का पूजन किया गया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सीहोर

कुबेरेश्वर धाम में शनिवार से सात दिवसीय रुद्राक्ष महोत्सव 2026 का शुभारंभ हुआ। इस मौके पर प्रथम दिवस मंदिर परिसर में हजारों रुद्राक्ष से निर्मित शिवलिंग का विधि-विधान से पूजन अर्चन के बाद दोपहर में कथा का आयोजन किया गया।

इस मौके पर कथा के पहले दिन अंतरराष्ट्रीय कथा वाचक पंडित प्रदीप मिश्रा ने कहा कि जब तुम्हारे मन में अशांति हो, बैचेनी हो दस मिनट के लिए वृक्ष के नीचे भगवान शिव का ध्यान करें। कथा के दौरान पंडित मिश्रा ने सामाजिक कुरीतियों पर प्रहार करते हुए कहा कि बेटी ▶▶ शेष पेज 4 पर

पूजा के बाद एकत्रित फूलों और बेलपत्रों (निर्माल्य) को नदियों में विसर्जित करने के बजाए उनसे जैविक खाद बनाई जाएगी

शिवलिंग को अर्पित जल से पौधों की सिंचाई होगी

विख्यात कथावाचक पंडित प्रदीप मिश्रा के सानिध्य में इस वर्ष महाशिवरात्रि के उपलक्ष्य में कुबेरेश्वर धाम में एक अनूठा और पर्यावरण-हितैषी ग्रीन शिवरात्रि महोत्सव आयोजित किया जा रहा है। यह आयोजन आध्यात्मिकता को प्रकृति संरक्षण से जोड़ने का एक ▶▶ शेष पेज 4 पर

वैन्यू कार में शराब की तस्करी, पुलिस को पीछे आते देख भागा, बायपास पर एफआरवी में मारी टक्कर

पटेल नगर में वैन्यू कार हुई पंचर, कॉलोनी में रोड खत्म होने पर छोड़कर भागा बदमाश

क्रेन की मदद से कार मिसरोद थाने लाई पुलिस, नंबर के अधार पर आरोपी की कर रही तलाश

मिसरोद थाना क्षेत्र स्थित बंगरसिया में संदिग्ध कार देख पुलिस ने किया था पीछा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मिसरोद थाना क्षेत्र स्थित बंगरसिया में संदिग्ध वैन्यू कार का डायल 112 (एफआरवी) ने पीछा किया। वैन्यू में सवार तस्कर ने पुलिस को बंगरसिया से पटेल नगर तक छकाया। उसे पकड़ने के लिए तीन थानों की पुलिस सक्रिय हो गई। इस दौरान तस्कर को रापड़िया के पास कटारा हिल्स की एफआरवी ने रोकने का प्रयास किया। आरोपी रुका नहीं, बल्कि एफआरवी में टक्कर मारने के बाद बायपास की तरफ भागने लगा। एफआरवी उसका लगातार पीछा कर रही थी। वैन्यू का टायर पंचर होने के बाद भी आरोपी नहीं रुका। वह पटेल नगर में घुस गया। अंत में जब कॉलोनी की सड़क खत्म हो गई और सामने दीवार दिखी तो आरोपी कार लॉक कर भाग निकला। पुलिस ने क्रेन की मदद से कार मिसरोद थाने तक लाई। कार की तलाशी लेने पर उसमें 188 लीटर अंग्रेजी शराब मिली है। पुलिस ने शराब जब्त कर ली है। कार के नंबर के आधार पर आरोपी तस्कर की तलाश की जा रही है।

आरोपी तस्कर की कार।

पुलिस को पास आता देख कार के ड्राइवर ने रफ्तार तेज कर दी

थाना प्रभारी रतन सिंह परिहार ने बताया कि बंगरसिया में एफआरवी 2 गश्त कर रही थी। इसी दौरान सीआरपीएफ कैंप बंगरसिया में एक संदिग्ध वैन्यू कार नजर आई। एफआरवी में पदस्थ पुलिसकर्मी ने पायलेट को कार के पास चलने का कहा। पुलिस को पास आता देख वैन्यू कार में सवार तस्कर ने कार तेजी से आगे बढ़ा दी। भागने के कारण एफआरवी में मौजूद पुलिसकर्मी को संदेह हुआ और उसने पायलेट से कार का पीछा करने का कहा। एफआरवी को पीछे आता देख वैन्यू कार में मौजूद तस्कर ने रफ्तार बढ़ा दी। एफआरवी में मौजूद पुलिसकर्मी ने वायरलेस सेट पर घटना की जानकारी दी। वैन्यू को पकड़ने कटारा हिल्स और बिलखिरिया पुलिस सक्रिय हो गई। रापड़िया के पास कटारा हिल्स पुलिस ने एफआरवी अड़ाकर वैन्यू कार को रोकने का प्रयास किया। इस पर आरोपी एफआरवी में टक्कर मारकर बायपास की तरफ जाने लगा। उसने वैन्यू कार को आनंद नगर की तरफ मोड़ा और पटेल नगर कॉलोनी में घुस गया। एफआरवी जब कॉलोनी में घुसी तो वैन्यू कार खड़ी मिली। कार लॉक थी। सामने दीवार थी और उसका अगला टायर पंचर था। लिहाजा कार क्रेन की मदद से मिसरोद थाने लाई गई। लॉक खुलवाने पर उसमें 188 लीटर अंग्रेजी शराब मिली।

भगवान मुनिसुब्रतनाथ का मोक्ष कल्याणक मनाया

शांति धारा अभिषेक के बाद निर्वाण लाडू चढ़ाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ औबेदुल्लागंज

आज भगवान मुनिसुब्रतनाथ जी के मोक्ष कल्याणक को हर्षोल्लाह से मनाया गया। रेलवे रोड स्थित दिगम्बर जैन मंदिर एवं मेन रोड पर स्थित दिगम्बर जैन मंदिर में शनिवार सुबह शांति धारा अभिषेक के बाद भगवान मनिसुब्रतनाथ की पूजा कर निर्वाण लाडू चढ़ाया और आरती की। नीति अनुराग जैन, पवन रवि जैन, रूपेश जैन, अर्चना विनय जैन, टिल्लू ने लाडू चढ़ाया।

रेलवे रोड स्थित दिगंबर जैन मंदिर में पंडित लक्ष्मी चंद्र, मुकेश जैन, तरुण जैन, मनोज जैन, एलसी जैन, सुनील वर्धमान, अध्यक्ष सुनील तामोट, नरेश दादा, विजय जैन, आशा रानी, प्रदीप भंडारी, शिरोमणि जैन, कविता, इंदिरा, संगीता, समता, पूर्व पार्षद मीना जैन, वरिष्ठ पत्रकार ऋषभ जैन आदि ने निर्माण लाडू चढ़ाया।

खबर संक्षेप

महाशिवरात्रि पर्व पर आज निकलेगी शिव बारात

औबेदुल्लागंज। महाशिवरात्रि पर्व को लेकर नगर में तैयारियां पूरी हो गई है। रविवार को महाशिवरात्रि पर्व मनाने के लिए नगर के शिव मंदिर और अर्जुन नगर में तैयारी लगभग पूरी हो गई है। वचन लोधी, आरती यादव, धर्मेंद्र चौरसिया व्यवस्था में लगे हैं। रेलवे कॉलोनी शिव मंदिर में पार्षद मनोज हेमलता चौरसिया के साथ पुरुषोत्तम शर्मा तैयारी में लगे हैं। बिजली दफ्तर के शिव मंदिर में प्रदीप अरोरा विशेष पूजा अर्चना करेंगे। वहीं सोनू राय बड़े भाई की स्मृति में पाठ करेंगे। शिवरात्रि पर भोलेनाथ की बारात अर्जुन नगर शिव मंदिर से निकलेगी जो नगर के विभिन्न क्षेत्रों से होकर गुजरेगी।

दरबार और बिल्ले की करीबी बनी चर्चा

औबेदुल्लागंज। ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष इमरत सिंह दरबार एवं ब्लॉक किसान कांग्रेस अध्यक्ष सूरजमल गौर के साथ पूर्व नप अध्यक्ष सुरजीत सिंह बिल्ले के बीच करीबी बढ़ती देख लोगों में चचा हो रही है। ज्ञात हो कि लोकसभा चुनाव के समय बिल्ले भाजपा में चले गए थे। वहीं बिल्ले कुछ दिन से गमगीन नजर आ रहे हैं। इस अवसर पर ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष इमरत सिंह दरबार ने कहा कि बिल्ले भाई वापस कांग्रेस में आना चाहते हैं तो उनके लिए दरवाजे खुला हैं। बिल्ले ने बताया कि इमरत सिंह दरबार मेरा अच्छा और बहुत पुराना दोस्त है।

मानव अधिकार आयोग के सदस्य का दौरा आज

मंडीदीप। नगर में कथित रूप से पैसों का लालच देकर धर्मांतरण कराने के मामले में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने संज्ञान लिया है। यह कार्रवाई विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल की शिकायत के बाद की गई है। आयोग ने मामले को गंभीरता से लेते हुए संबंधित जिम्मेदार अधिकारियों को नोटिस जारी किए थे। रविवार को आयोग के सदस्य प्रियंक कानूनगो सतलापुर, गौहरगंज क्षेत्र का दौरा करेंगे। वे मौके पर पहुंचकर तथ्यों का सत्यापन करेंगे, प्रभावित ग्रामीणों से संवाद करेंगे तथा संबंधित प्रशासनिक अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक भी आयोजित करेंगे।

महिला से पर्स झपटकर भागे एक्टिवा सवार

भोपाल। चूनाभट्टी थाना क्षेत्र स्थित ए सेक्टर शाहपुरा में शुक्रवार शाम एक्टिवा सवार झपटमारों ने महिला का पर्स झपट लिया। पर्स में 4800 रुपए की नगदी और आधार कार्ड सहित अन्य दस्तावेज थे। पुलिस ने अज्ञात एक्टिवा सवार बदमाशों पर झपटमारी का प्रकरण दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार सीमा रजक पति अनूप रजक (32) ए सेक्टर शाहपुरा में रहती है और प्राइवेट स्कूल में नौकरी करती है।

शुभांक			
कल्याण:	2738		
दिन:	156	27	269
रात:	140	51	245
तारा:			
दिन:	158	43	139
रात:	400	41	579

सूखीसेवनिया थाना क्षेत्र स्थित एकता नगर बंजारा बस्ती का मामला

सोलह साल की किशोरी ने पहले जहर खाया, फिर फांसी लगाकर दी जान

पुलिस को किशोरी के पास से नहीं मिला सुसाइड नोट

परिजन शोकाकुल होने के कारण नहीं दे सके बयान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

सूखीसेवनिया थाना क्षेत्र स्थित एकता नगर बंजारा बस्ती में शुक्रवार शाम एक किशोरी ने जहर खाने के बाद फांसी लगा ली। नजर पड़ते ही परिजन उसे फंदे से उतारकर निजी अस्पताल ले गए। वहां इलाज के दौरान देर रात डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। किशोरी के पास से सुसाइड नोट नहीं मिला है। साथ ही परिजन शोकाकुल है और बयान देने की स्थिति में नहीं है। लिहाजा आत्महत्या के कारण का पता नहीं चल सका है।

पुलिस के अनुसार काजल बंजारा पिता रमेश बंजारा (16) एकता नगर, बंजारा बस्ती में रहती थी। उसके पिता रमेश बंजारा मजदूरी करते हैं। रमेश के परिवार में दो बेटे और दो बेटियां थी। बड़ी काजल बंजारा महज पांचवीं कक्षा तक पढ़ी थी। शुक्रवार शाम रमेश काम से भानपुर गए थे। घर में काजल और भाई बहन थे। भाई बहन बाहर खेल रहे थे, जबकि मां पड़ोस में बैठने गई थी। शाम करीब साढ़े 7 बजे मां घर पहुंची तो उन्होंने काजल को फांसी के फंदे पर लटके देखा था। इसके बाद वह उसे फंदे से उतारकर निजी अस्पताल ले गई। वहां इलाज के दौरान रात करीब साढ़े 12 बजे डॉक्टर ने काजल को मृत घोषित कर दिया। शनिवार सुबह पुलिस ने काजल का शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। डॉक्टर ने बताया कि काजल ने फांसी लगाने से पहले कोई जहर भी खाया है।

भेल के खंडहरनुमा मकान में युवक ने फांसी लगाई

गोविंदपुरा थाना क्षेत्र स्थित टीआईटी के पास भेल के खंडहरनुमा क्वार्टर में एक युवक ने फांसी लगा ली। उसके पास से सुसाइड नोट नहीं मिला है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव बरामद कर पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। पुलिस के अनुसार मुन्ना सोनी पिता स्वर्गीय अश्वनी सोनी (21) टीआईटी के पास भेल के खंडहरनुमा क्वार्टर में रहता था। उसके साथ उसकी मां रहती है, जबकि दो भाई अलग रहते हैं। मां ने पुलिस को बताया कि मुन्ना कोई काम नहीं करता था। वह भीख मांगकर अपना और मुन्ना का गुजारा करती है। शुक्रवार सुबह वह मांगने के लिए निकल गई थी। करीब साढ़े 9 बजे घर लौटी तो मुन्ना का शव फांसी के फंदे पर लटका मिला। उन्हें उम्मीद थी कि मुन्ना की सांसे चल रही है। वह मुन्ना को फंदे से उतारकर जय प्रकाश अस्पताल ले गई। वहां डॉक्टर ने चेक करने पर मृत घोषित कर दिया। प्राथमिक जांच में यह बात सामने आई कि मुन्ना अनपढ़ था और नशे का आदी था।

होटल आर्च मेनर में पानी की टंकी में डूबकर धोबी की मौत

एमपी नगर थाना क्षेत्र स्थित होटल आर्च मेनर जोन वन में पानी की टंकी में डूबने से 60 साल के धोबी की मौत हो गई। घटना शुक्रवार दोपहर की बताई जा रही है। घटना के समय वह चौथी मंजिल पर छत पर बनी पानी की टंकी में बेडशीट धो रहा था, तभी एकाएक चक्कर आने से पानी की टंकी में गिर गया। जब तक होटल के अन्य कर्मचारियों की नजर पड़ती काफी देर हो चुकी थी। उसे टंकी से निकालकर अस्पताल ले जाया गया, वहां डॉक्टर ने चेक करने पर उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। पुलिस पीएम रिपोर्ट का इंतजार कर रहा है। पुलिस के अनुसार अशोक रजक (60) विजय नगर, चांदबड़, स्टेशन बजरिया में रहते थे। वे करीब पंद्रह साल से होटल आर्च मेनर में धोबी का काम कर रहा था। वह प्रतिदिन दोपहर में होटल जाता था और छत पर जाकर पानी की टंकी में बेडशीट और होटल के अन्य कपड़े धोता था।

मंडीदीप के 13 वार्डों में पानी को लेकर लामबंद हो रहे रहवासी

चहेते वार्डों में रोजाना और अन्य वार्डों में 10 दिनों में एक बार होती है पानी की सप्लाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मंडीदीप

रोजाना पानी की सप्लाई के लिए प्रदर्शन करते स्थानीय लोग।

आम जनों में नगर पालिका के खिलाफ आक्रोश

नगर के 26 वार्डों में गर्मी शुरू होने से पहले पानी को लेकर आए दिन विवादित स्थिति निर्मित हो रही है। कारण नगर पालिका द्वारा सुचारू रूप से पानी की पर्याप्त व्यवस्था न करना है। आए दिन वार्डों में रहवासी पानी के लिए आला अधिकारी और वार्ड पार्षद को शिकायत कर रहे हैं, जिससे उन्हें निजात पाने के लिए जनप्रतिनिधि से सिर्फ टालमटोली कर रहे है। शनिवार को 13 वार्डों के लोगों ने सड़क पर उतर कर प्रदर्शन कर रोजाना पानी की सप्लाई की मांग की है।

मंडीदीप में वार्ड 24 में बुधवार को फॉर्चून सौम्या वेदांता के रहवासियों ने कॉलोनी के प्रबंधक पर गंभीर आरोप लगाते हुए नारे लगाया कि नपा और कॉलोनाइजर न तो रहवासी को पानी की व्यवस्था कर पा रहे है और न तो मूलभूत सुविधाएं मुहैया करवा रहे हैं, तबकि बिल्डर द्वारा प्रति माह हर मकान से 1700 रुपए मेंटिनेंस चार्ज के रूप में भी वसूल रहे हैं, और नपा द्वारा कर वसूला जा रहा है। विगत 15 दिनों से नगर पालिका के वार्ड 16, 15, 13, 24, 26 में अभी से पानी की किल्लत नजर आ रही है। वार्ड 16 की रहवासी, गृहणी ज्योति सिसोदिया बताती हैं कि वार्ड में पीने के पानी की समस्या गंभीर है। 10 दिनों से पानी नहीं आ रहा है, जिससे आमजन कठिनाइयों का सामना कर रहा है।

10 दिनों में एक बार हो रही पानी की सप्लाई

नगर के 26 वार्डों में कुछ गिने चुने वार्डों में ही रोजाना पानी की सप्लाई हो पा रही है, जिसमें अध्यक्ष एवं उनके चहेते वार्डों शामिल हैं। बाकी अन्य वार्डों में 10 दिन में एक बार पानी आ रहा है। अन्य वार्डों में पार्षद को अलग-अलग प्रकार का प्रलोभन देकर टाल दिया जाता है।

चरमराई नगर की अन्य व्यवस्था

नगर के अलग-अलग वार्डों में पानी की सप्लाई समेत रोड, सीवेज, नाली और रोड मूलभूत सुविधाएं पूर्ण रूप से चरमरा सी गई है, जिसको लेकर लोगों में नपा अध्यक्ष प्रतिनिधि में आक्रोश एवं अविश्वास प्रस्ताव जैसे ख्याल सामने आ रहे है।

एक हफ्ते में दूर होगी पानी की समस्या

जिन वार्डों में पानी की किल्लत है, उन्हें एक हफ्ते में दूर कर लिया जाएगा। वार्ड 14 में दो बोर एवं अन्य वार्डों में बोर कराकर पानी की सुविधाएं सुचारू रूप से शुरू किया जाएगा। किसी को भी पानी को लेकर शिकायत है, वो जल शाखा को शिकायत कर सकता है।

प्रशांत जैन
सीएमओ, मंडीदीप

घुमंतू समुदाय को मुख्यधारा में लाने खोज रहा जन अभियान परिषद

नगर को पांच सेक्टर में विभाजित कर हो रहा सर्वे

लोगों से जानकारी लेंतीं विकासखंड समन्वयक निशा बहेकार।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ औबेदुल्लागंज

औबेदुल्लागंज विकासखंड में घुमंतु एवं अर्धघुमंतू परिवारों के सर्वे कार्य किया जा रहा है। यह कार्य विकासखंड समन्वयक निशा बहेकार एवं सर्वेकर्ताओं की उपस्थिति में परिवारों से संवाद कर आवश्यक जानकारी एकत्रित की जा रही है। सर्वे के माध्यम से इन परिवारों की सामाजिक स्थिति का आकलन कर जानकारी प्राप्त कर फार्म भरवाएं जा रहे हैं। विमुक्त, घुमंतू और अर्धघुमंतू परिवारों के सर्वेक्षण के लिए मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के कार्यपालक निदेशक डॉ. वकुल लाड के निर्देशन में सर्वे कार्य में 51 जातियों को सम्मिलित किया गया है। सर्वे कार्य के लिए विकासखंड औबेदुल्लागंज को पांच सेक्टर में विभाजित कर सर्वेयर को यह जिम्मेदारी दी गई है एवं सभी सर्वेयर द्वारा संयुक्त रूप से सर्वे कार्य किया जा रहा है।

अड़ीबाजी और मारपीट के दोषी को तीन वर्ष के कारावास और 5000 रुपए के अर्थदंड की सजा

विधिक संवाददाता ▶▶ भोपाल

अड़ीबाजी कर लाठी से फरियादी पर हमला कर गंभीर रूप से घायल करने वाले आरोपी धर्मेंद्र मीना पुत्र कैलाश मीना आयु 27वर्ष निवासी ग्राम मुबारकपुर तहसील हुजूर भोपाल को अपर सत्र न्यायाधीश दीपक बंसल ने भारतीय न्याय संहिता की धारा- 119 एवं 119(2) के अंतर्गत दोषी ठहराते हुए 3 वर्ष के सश्रम कारावास एवं 5000 रुपए के अर्थदंड से दण्डित किया है।

अभियोजन के अनुसार परवलिया सड़क थाना अंतर्गत दिनांक 22 अक्टूबर 2024 को रात के 12:15 बजे फरियादी राजपाल सिंह चौहान पर आरोपी ने शराब पीने के लिए रुपए देने के लिए अड़ी डालने लगा, इनकार करने पर लाठी-डांडों से हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया था। गंभीर रूप से घायल अवस्था में फरियादी को हॉस्पिटल में को उपचार के लिए भर्ती कराया गया था। हॉस्पिटल से मिली सूचना पर परवलिया सड़क थाना के उपनिरीक्षक ने हास्पिटल पहुंच कर फरियादी के बयान दर्ज कर आरोपी के विरुद्ध अपराध पंजीबद्ध कर आरोपी को गिरफ्तार कर प्रकरण की संपूर्ण विवेचना के पश्चात न्यायालय में आरोपी के विरूद्ध अभियोग पत्र प्रस्तुत किया था।

नगर में कई जगह हुए कार्यक्रम

पटवा ने स्व. सुषमा स्वराज की जयंती पर पुष्पांजलि अर्पित की

हरिभूमि न्यूज ▶▶ औबेदुल्लागंज

विधायक सुरेंद्र पटवा ने पूर्व विदेश मंत्री स्वर्गीय सुषमा स्वराज की जयंती पर शनिवार को पुष्पांजलि अर्पित कर कहा अद्भुत वक्ता, कुशल राजनीतिज्ञ, पूर्व विदेश मंत्री, 'पद्म विभूषण' सुषमा स्वराज की जयंती पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि। राष्ट्रहित के प्रति उनकी प्रतिबद्धता, जनसेवा के प्रति समर्पण और उनका लोकनिष्ठ जीवन सभी जन प्रतिनिधियों के लिए एक आदर्श मार्गदर्शिका है। वहीं नगर के कई क्षेत्रों में कार्यक्रम हुए।

भाजपा मंडल ने चित्र पर किया माल्यार्पण

भाजपा मंडल औबेदुल्लागंज द्वारा स्व. सुषमा स्वराज की जयंती पर उनके चित्र पर माल्यार्पण किया। मंडल अध्यक्ष डॉ. भूपेन्द्र नागर ने कहा कि स्व. सुषमा स्वराज नारी सशक्तिकरण का उत्कृष्ट उदाहरण हैं। विदेश मंत्री के रूप में संपूर्ण विश्व में भारत का मान-सम्मान बढ़ाया और भारतीय विदेश नीति को एक नई दिशा दी। समाज सेवा में किए गए अनगिनत कार्य सदैव हमारे लिए प्रेरणा का स्रोत रहेंगे। इस अवसर पर वरिष्ठ नेता नरेंद्र शर्मा, माखन परमार, सुरजीत सिंह बिल्ले, गजेंद्र नागर, कोमल सिंह चौहान, मनोज चौरसिया, धर्मेंद्र चौरसिया, इंग्लिश यादव, अरुण भावसार आदि उपस्थित रहे।

वार्ड 25 में पुल और सड़क निर्माण कार्य का भूमिपूजन

मंडीदीप। वार्ड 25 हमीरी में लंबे समय से लंबित पुल और सड़क निर्माण कार्य का बुधवार को भूमिपूजन किया गया। नपाध्यक्ष प्रियंका अग्रवाल ने बताया कि निर्माण कार्य शुरू होने से क्षेत्रवासियों में खुशी का माहौल है। बरसात के दिनों में पानी भरने और रास्ता अवरुद्ध होने से क्षेत्र का संपर्क कई बार टूट जाता था। इससे विद्यार्थियों, ग्रामीणों और दैनिक आवागमन करने वालों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता था। स्थानीय नागरिक लंबे समय से पुल और सड़क निर्माण की मांग कर रहे थे। भूमि पूजन कार्यक्रम में मुख्य रूप से वार्ड 25 के पार्षद प्रतिनिधि अशोक पटेल, जनप्रतिनिधियों एवं स्थानीय नागरिक उपस्थिति थे। अधिकारियों ने बताया कि निर्माण कार्य शीघ्र प्रारंभ कर निर्धारित समय-सीमा में कार्य पूर्ण किया जाएगा।

भोजपुर में तीन दिवसीय महादेव महोत्सव आज से

शिव मंदिर प्रांगण में होंगी लोकगायन-लोकनृत्य, शिव महिमा पर केंद्रित नृत्य नाटिका एवं सुगम संगीत की प्रस्तुतियां

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मंडीदीप

महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर संस्कृति विभाग, मध्यप्रदेश शासन द्वारा जिला प्रशासन रायसेन के सहयोग से शिव-साधना और कला-सौंदर्य के दिव्य संगम के रूप में भोजपुर मंदिर प्रांगण में तीन दिवसीय 'महादेव भोजपुर महोत्सव' का आयोजन 15 से 17 फरवरी तक प्रतिदिन सायं 6.30 बजे से किया जाएगा। यह महोत्सव शिव-शक्ति, लोक आस्था और सांस्कृतिक चेतना का उत्सव होगा। शिवभक्ति, लोकपरंपरा और शास्त्रीय-सुगम कलाओं के सुरम्य संगम के रूप में महोत्सव भोजपुर की ऐतिहासिक धरा पर सांस्कृतिक चेतना का दीप प्रज्वलित करेगा।

भोजपुर महादेव का फूलों से किया भव्य श्रृंगार।

महोत्सव के प्रथम दिवस 15 फरवरी को सागर के ऋषि विश्वकर्मा के स्वर से लोकगायन की भावपूर्ण गूंज मंदिर प्रांगण को भक्तिरस से सराबोर करेगी। इसके उपरांत सागर के उमेश नामदेव द्वारा प्रस्तुत बधाई एवं बरेदी लोकनृत्य में लोकजीवन की उल्लासमयी छवियां साकार होंगी। संध्या का शिखर क्षण मुंबई के सुप्रसिद्ध भजन गायक लखबीर सिंह लक्खा के भक्ति गायन से सजेगा।

महोत्सव के द्वितीय दिवस 16 फरवरी को भोपाल की शीला त्रिपाठी का लोकगायन होगा। इसके पश्चात मुंबई की भावना शाह एवं साथी कलाकारों द्वारा शिव महिमा पर आधारित नृत्य नाटिका का मंचन किया जाएगा। शिव-सत्य की कला अभिव्यक्तियों पर केंद्रित इस समारोह में दूसरे दिन की अंतिम सभा में मुंबई की सुप्रसिद्ध पार्श्व गायिका महालक्ष्मी अय्यर अपनी मधुर सुगम संगीत प्रस्तुति से श्रोताओं को भावलोक में ले जाएंगी।

अंतिम दिन होगा लोकगायन और कवि सम्मेलन

महोत्सव के अंतिम दिवस 17 फरवरी को भोपाल के बलराम पुरोहित लोकगायन से शिवभक्ति की सस्वर अनुभूति कराएगा। इसके पश्चात भोपाल की आकृति जैन एवं साथी कलाकारों द्वारा प्रस्तुत शिव-केंद्रित नृत्य नाटिका आध्यात्मिक ऊर्जा से वातावरण को आलोकित करेगी। समापन अवसर पर अखिल भारतीय कवि सम्मेलन में देश के प्रतिष्ठित कवि दिल्ली के अशोक चक्रधर, मुंबई के दिनेश बावरा, आगरा के प्रताप फौजदार, दिल्ली के गजेन्द्र सोलंकी, आगरा की रुचि चतुर्वेदी, मथुरा की पूनम वर्मा तथा दिल्ली की मनु वैशाली अपनी सशक्त और भावपूर्ण रचनाओं से काव्यरस की अविरल धारा प्रवाहित करेंगे।

सूचना :-
हरिभूमि

मंडीदीप के सभी विज्ञापन दाता, पाठक गण,को सर्व सम्मत से सूचित किया जाता है कि मंडीदीप की एजेंसी विगत पांच माह से नितेश पटेल, निवासी सतलापुर मोबाइल क्रमांक 7000277595 को अधिकृत किया गया है जो कि आप सभी को सूचित किया जाता है कि नगर की खबर, विज्ञापन, एवं अखबार के लिए सहयोग प्राप्त करे। धन्यवाद।

नोट:- अगर नितेश पटेल के अलावा कोई आपसे या अन्य व्यक्ति हरिभूमि के नाम से विज्ञापन अथवा अवैध वसूली करता है तो कृपया इस मोबाइल नंबर पर संपर्क करे।

8770833858, ,9407441224

भोपाल भूमि फ्रंट पेज

भोपाल, रविवार 15 फरवरी 2026

महाशिवरात्रि की पूर्व संध्या पर शनिवार को विश्व प्रसिद्ध भोजपुर शिव मंदिर में भगवान भोजेश्वर का फूलों से भव्य श्रृंगार किया गया।

खबर संक्षेप

होली पर चलाई जाएगी 43 होली स्पेशल ट्रेनें

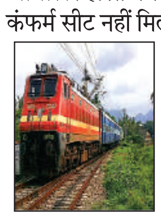

भोपाल। होली पर्व यात्रियों को कंफर्म सीट नहीं मिलने से ट्रेन में सफर करना परेशानी से भरा होता है। पमरे जोन की ओर से भी होली पर्व पर ट्रेनों में संभावित रेल यात्रियों की भीड़ को देखते हुए पमरे जोन में 43 होली स्पेशल ट्रेनों के संचालन को हरी झंडी मिल गई है। जिससे अधिक से अधिक लोगों को कंफर्म सीट मिल सकेगी। पश्चिम मध्य रेल के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी हर्षित श्रीवास्तव ने बताया कि पमरे जोन में 43 विशेष ट्रेनें चलाई जाएगी।

कुबेश्वर धाम से लौटते समय आया अटैक, मौत

भोपाल। कुबेश्वर धाम से लौटते समय सीहोर रेलवे स्टेशन पर शनिवार की शाम नागदा निवासी कैलाश चंदानी को अचानक हार्ट अटैक आ गया। सीपीआर देकर पीड़ित को जिला अस्पताल रेफर किया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

चार बकायादारों की संपत्ति कुर्क की

भोपाल। नगर निगम के अमले ने शनिवार को चार बडे संपत्ति कर बकायादारों की संपत्ति कुर्क करने की कार्रवाई की। यह कार्रवाई वार्ड-16 में 1 व वार्ड-18 में 3 बकायादारों पर की गई। इस दौरान नगर निगम के जोन स्तर के अधिकारी व कर्मचारी मौजूद थे। निगम ने कार्रवाई से पूर्व उक्त बकायादारों को नोटिस जारी किए थे।

सहा. राजस्व निरीक्षक का सागर ननि तबादला

भोपाल। भोपाल नगर निगम में पदस्थ 2017 बैच के सहायक राजस्व अधिकारी मधुर जैन का सागर नगर निगम तबादला किया गया है। नगरीय विकास एवं आवास विभाग ने इसके आदेश जारी कर दिए हैं। श्री जैन अपने जूनियर अधिकारी के अधीन कार्य करने और उन्हें रिपोर्ट करने से नाराज बताए जा रहे थे। वे अब नगर निगम सागर में सहायक राजस्व अधिकारी के रूप में पदस्थ किए गए हैं।

---

167 स्थानों और 85 वार्ड कार्यालयों में लगाए गए राजस्व वसूली शिविरों की लोगों को नहीं मिली सूचना

वार्ड कार्यालयों में पसरा रहा सन्नाटा, संपत्ति कर धारकों का इंतजार करते रहे कर्मचारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

वार्ड के कर्मचारियों ने घर-घर जाकर भी दी दस्तक, फिर भी शिविर में नहीं पहुंचे लोग

आनन-फानन में शिविर लगाए गए, किसी तरह की छूट का प्रावधान भी नहीं था

राजस्व वसूली को देखते हुए नगर निगम प्रशासन ने शनिवार को अवकाश के दिन शहर के 85 वार्ड कार्यालयों सहित 167 स्थानों पर राजस्व वसूली के शिविर तो लगाए, लेकिन अधिकांश में सन्नाटा ही पसरा रहा। बेहद कम लोगों ने इन शिविरों में संपत्तिकर और जलदर की राशि जमा करने में रूचि दिखाई। जबकि वार्ड कार्यालयों के अलावा कॉलोनियों और सार्वजनिक स्थानों पर भी इनका आयोजन किया गया था। हरिभूमि की टीम ने कुछ वार्ड कार्यालयों में राजस्व वसूली की स्थिति देखने पहुंची तो कर्मचारी तो तैनात मिले, लेकिन यहां कोई भी व्यक्ति राशि जमा करने नहीं पहुंचा। कर्मचारी करदाताओं का इंतजार करते रहे। जबकि वार्ड कार्यालयों के कर्मचारी अपने-अपने वार्डों में उपभोक्ताओं के घर-घर दस्तक देने भी पहुंचे।

चालू वित्तीय वर्ष 2025-26 समाप्त होने में अब केवल 45 दिन शेष बचे हैं। जबकि निगम को 600 करोड़ रुपए से ज्यादा की राजस्व वसूली करना है। सूचना देरी से मिलने के कारण लोग कम संख्या में शिविर में पहुंचे। 13 दिसंबर-25 को लगी साल की अंतिम नेशनल लोक अदालत में निगम को 18 करोड़ 80 लाख रुपए से ज्यादा का राजस्व मिला था। इसमें 17 हजार 700 लोगों ने प्रकरणों का निराकरण करवाया था। इसमें करदाताओं को विभिन्न प्रकार की छूट दी गई थी, लेकिन शनिवार को लगे राजस्व वसूली के शिविर के बारे में तो लोगों को पता नहीं था और न ही इसमें किसी तरह की छूट का प्रावधान था। आनन-फानन में यह शिविर लगा तो दिए, लेकिन अधिकांश वार्ड कार्यालयों में सन्नाटा ही पसरा रहा।

रोशनपुरा के वार्ड 33 के कार्यालय में लगाए गए शिविर में इक्का-दुक्का लोग पहुंचे।

अवकाश के दिन भी 450 से ज्यादा कर्मचारियों ने की ड्यूटी

शनिवार को अवकाश के दिन भी वार्ड कार्यालयों में 450 से ज्यादा कर्मचारियों ने ड्यूटी की। क्योंकि शुक्रवार को ही निगम प्रशासन ने शनिवार को राजस्व शिविर वार्ड कार्यालयों और अन्य स्थानों पर लगाने के आदेश जारी कर दिए थे।

राजस्व वसूली शिविर में ऐसी रही तस्वीरें

वार्ड नंबर 46

कार्यालय में बैठे कर्मचारी करते रहे इंतजार

माचना कॉलोनी के वार्ड कार्यालय में दिनभर कमचारी बैठे रहे। इक्का-दुक्का लोग ही यहां बकाया संपत्ति कर और जल दर की राशि जमा करने पहुंचे। जबकि उक्त वार्ड कार्यालय के कर्मचारी वार्ड में आने वाली कॉलोनियों और मोहल्लों में डोर-टू-डोर दस्तक देने भी पहुंचे।

वार्ड नंबर 13

निर्धारित लक्ष्य से अधिक वसूली

वार्ड प्रभारी दिनेश जाटव ने बताया कि उनके वार्ड में पिछले साल की तुलना में चालू वित्तीय वर्ष में 42 फीसदी अधिक वसूली हो चुकी है। शनिवार को अवकाश के दिन लगे शिविर में भी लोगों ने बकाया संपति कर, जल कर की राशि जमा की।

वार्ड नंबर 33

वार्ड में इक्का-दुक्का लोग ही पहुंचे

रोशनपुरा के वार्ड नंबर-33 में कार्यालय में कर्मचारी तैनात थे, जो उपभोक्ताओं का इंतजार करते रहे। वार्ड के कुछ कर्मचारी घर-घर जाकर बकायादारों को शिविर की जानकारी देते रहे। इस दौरान नोटिस भी दिए गए। यहां इक्का-दुक्का लोग ही दिनभर में पहुंचे।

शिविरों में निगम को मिला 1 करोड़ 81 लाख रुपए का राजस्व

निगम के 85 वार्ड कार्यालयों सहित 167 स्थानों पर राजस्व वसूली शिविरों में 1 करोड़ 81 लाख 37 हजार रुपए निगम कोष में जमा करवाई गई। शिविरों में संपत्तिकर के 1305 करदाताओं ने 1 करोड़ 21 लाख 41 हजार 234 रुपए, जल उपभोक्ता प्रभार के 573 उपभोक्ताओं ने 37 लाख 7 हजार 967 रुपए तथा अन्य मदों में 22 लाख 88 हजार 720 रुपए की राशि निगम कोष में जमा कराई।

एनजीटी की सख्ती के बाद की कार्रवाई

केरवा डैम के कैचमेंट से हटाए अवैध निर्माण, तीस एकड़ जमीन कराई मुक्त

कुशालपुरा में हटाया गया अवैध निर्माण।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) के आदेश पर शनिवार को हुजूर तहसीलदार अनुराग त्रिपाठी ने बड़ी कार्रवाई की है। केरवा डैम के कैचमेंट एरिया में 30 एकड़ जमीन के अवैध निर्माण पर जिला प्रशासन की टीम ने जेसीबी चलाकर अवैध निर्माण को जमींदोज कर दिया।

तहसीलदार ने बताया कि बरखेड़ी बजायाफ्त की पंचायत कुशालपुरा में करीब 30 एकड़ जमीन पर अवैध निर्माण की सूचना के बाद जिला प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची। जेसीबी की मदद से बाउंड्रीवॉल, सीमेंट क्रांकीट रोड उखाड़ दी गई। यहां पर बिना परमिशन के निर्माण किया जा रहा था। जिसको लेकर एनजीटी में याचिका दाखिल की गई। कोर्ट ने सुनवाई के बाद यहां के अवैध निर्माण को हटाने जिला प्रशासन को आदेश दिया था। जिसके बाद छुट्टी वाले दिन टीम ने पहुंचकर निर्माणों को तोड़ दिया।

पंचायतों का फायदा उठाकर निर्माण जारी

बड़े तालाब किनारे 27 गांवों में तालाब किनारे हो रहे निर्माण, जिम्मेदार बेखबर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

नगर निगम क्षेत्र में बड़े तालाब के 50 मीटर दायरे में किए जा रहे निर्माणों को लेकर पहले से ही लापरवाही बरती जा रही है। इधर तालाब किनारे बसे पंचायतों के गांवों में भू-माफिया इसका सीधा फायदा उठा रहे हैं। हालात यह हैं कि पंचायतों में निर्माण की परमिशन नहीं ली जाती है, जिससे तालाब किनारे बड़ी-बड़ी बिल्डिंग तानी जा रही हैं। तालाब किनारे ऐसे करीब 27 गांव हैं, जहां तालाब के कैचमेंट एरिया में निर्माण जारी हैं।

तालाब के दक्षिण-पश्चिमी हिस्से और कोलांस नदी और कोलांस की सहायक नदियों से 250 मीटर की दूरी तक के क्षेत्र को पर्यावरण के लिहाज से सबसे ज्यादा संवेदनशील माना है। इस क्षेत्र में किसी निर्माण की अनुमति नहीं दी जाना चाहिए, हालांकि इस क्षेत्र में लगातार निर्माण जारी हैं। कलेक्टा कौशलेंद्र विक्रम सिंह का कहना है कि ग्रामीण क्षेत्रों में निर्माण की परमिशन दी जाती है। पंचायत सचिव और पटवारियों को तालाब किनारों पर परमिशन के संबंध में नजर रखने के निर्देश दिए गए हैं।

निजी जमीनों पर तान दी मल्टी स्टोरी बिल्डिंग

बड़े तालाब के किनारे ढेरों अतिक्रमण हो रहे हैं। लोग निजी जमीनें पर मल्टी स्टोरी बिल्डिंग तान रहे हैं। जिससे बड़े तालाब का दायरा कम हो रहा है। जिन इलाकों में पानी सीमा के आगे तक आता था। अब वहां पर मिट्टी का भराव होने एफटीएल का दायरा भी कम हो रहा है। बैरागढ़ की टीम ने आधे से अधिक सीमांकन का काम पूरा कर लिया है, जबकि टीटी नगर और हुजूर में काम ही शुरु नहीं किया गया है। पूरे देश में 2.25 हेक्टेयर और उससे बड़े वेटलैंड का सीमांकन हो रहा है। इसके जीपीएस को-ऑर्डिनेट्स भी दर्ज होना है, जिससे जीआईएस बेस्ड मैप तैयार हो सके और धरातल पर भी सीमांकन की मुनारें लगाई जा सकें। तालाब के सीमांकन के लिए टीम भी बनी, लेकिन काम आगे नहीं बढ़ा। बड़े तालाब के सीमांकन के लिए अलग-अलग समय पर मुनारें लगाईं गईं। रिकॉर्ड में 943 मुनारें लगी होने की जानकारी है। 2016 में एनजीटी के निर्देश पर सर्वे हुआ तो 337 मुनारें पानी में डूबी थीं, यानी ये एफटीएल के भीतर लगाई गई थीं, जिसमें से 141 गायब थीं।

वन्य जीव और वनों के लिए लीगल सेल का गठन किया आज से शुरू होगा काम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

वन्य जीव और वनों के लिए वन बल प्रमुख ने कानूनी प्रकोष्ठ का गठन किया है, इसका आज महाशिवरात्रि से काम शुरू होगा। इस मामले को लेकर पीसीसीएफ विजय अंबाडे का कहना है कि न्यायालयीन मामलों में समय पर पैरवी नहीं होने से विभाग और सरकार को होने वाली नुकसान को गंभीरता से लिया है। कोर्ट पहुंचने वाले मामलों में विभाग की जीत और अदालती मामलों को सुव्यवस्थित करने तथा कानूनी जवाबदेही तय करने के लिए पीसीसीएफ अंबाड़े ने 'वन भवन' मुख्यालय में लीगल सेल की स्थापना की है। इस संबंध में पीसीसीएफ एंड हॉफ की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि वन्यजीवों को न्याय दिलाने के लिए यह सेल वन शत्रुओं, शिकारियों को सख्त से सख्त सजा (दोषसिद्धि) के लिए काम करेगा।

महाशिवरात्रि पर्व के चलते आज बदला रहेगा राजधानी का ट्रैफिक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

महाशिवरात्रि पर्व के चलते रविवार को राजधानी भोपाल में एक दर्जन से अधिक जगहों पर शिव

बारात निकाली जाएगी। इसके चलते यातायात पुलिस की ओर से आवश्कता अनुसार यातायात व्यवस्था में बदलाव किया है। इसी के तहत रविवार को सुबह करीब 9 बजे से बड़वाले महादेव मंदिर से परिसर से बारात का आयोजन किया जाएगा। इस दौरान सिंधी मार्केट, जवाहर चौक जुमेराती, हनुमानगंज मंगलवारा, इतवारा, चिंतामन चौराहा, चौक लखेरापुरा में वाहन का प्रवेश पर रोक रहेगी।

सीहोर से गांजा लाकर भोपाल में बेच रही थी महिला, तीन लाख रुपए का गांजा बरामद

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

राजधानी की क्राइम ब्रांच पुलिस ने मादक पदार्थों की तस्करी करने वाली एक महिला को गिरफ्तार कर उसके पास से 10 किलो 270 ग्राम अवैध गांजा बरामद किया है। आरोपी महिला सीहोर से गांजा लाकर भोपाल में बेचती थी। पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज किया है।

क्राइम ब्रांच के अनुसार मुखबिर की सूचना पर एमपी नगर स्थित जीवन बीमा कार्यालय के सामने मैदान से एक संदिग्ध महिला को हिरात में लिया गया। पूछताछ करने पर उसने अपना नाम सीता बाई कुचबंदिया (50) निवासी गंज मोहल्ला सीहोर का होना बताया। महिला आरक्षक ने सीता बाई की तलाशी ली तो उसके पास सफेद प्लास्टिक की बोरी में तीन पैकेटों में रखा 10 किलो 270 ग्राम अवैध गांजा बरामद हुआ। पुलिस ने महिला के कब्जे से मोबाइल फोन भी बरामद किया है। बरामद गांजे की बाजार कीमत करीब तीन लाख रुपए बताई गई है।

संदीप यादव को प्रमुख सचिव वन विभाग की जिम्मेदारी

सरकार ने 11 आईएएस और चार एसएएस अफसरों को दी नई पोस्टिंग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

राज्य सरकार ने शुक्रवार की रात दो बजे के बाद 11 आईएएस अफसरों के तबादले किए थे। अपर मुख्य सचिव (एसीएस) वन अशोक बर्णवाल को नई जिम्मेदारी दी गई है। उन्हें एसीएस लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा विभाग तथा एसीएस भोपाल गैस त्रासदी एवं पुनर्वास विभाग के साथ ही कृषि उत्पादन आयुक्त, एसीएस पर्यावरण विभाग तथा पर्यावरण आयुक्त तथा महानिदेशक एपको के साथ ही आयुक्त खाद्य सुरक्षा का अतिरिक्त प्रभाव सौंपा गया है। जबकि प्रमुख सचिव स्वास्थ्य संदीप यादव को प्रमुख सचिव वन विभाग की जिम्मेदारी दी गई है। उन्हें प्रमुख सचिव प्रवासी भारतीय विभाग अतिरिक्त प्रभार भी सौंपा गया है।

उमाशंकर भार्गव कृषि संचालक बनाए गए

सरकार ने राज भवन में पदस्थ राज्यपाल के अपर सचिव उमाशंकर भार्गव को संचालक

कृषि बनाया है। उन्हें कृषि संचालक बनाने की चर्चा काफी समय से हो रही थी। इसीतरह भिंड के मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सुनील दुबे को राज भवन में पदस्थ किया गया है। उन्हें राज्यपाल का उप सचिव बनाया गया है। आईएएस संघमित्रा गौतम को उच्च शिक्षा विभाग से हटाकर अलीराजपुर जिला पंचायत का मुख्य कार्यपालन अधिकारी बनाया गया है। आगर मालवा की जिला पंचायत सीईओ नंदा भलावे कुसरे को अपर परियोजना संचालक माध्यमिक शिक्षा अभियान, स्कूल शिक्षा विभाग में उप सचिव कमल सोलंकी को सीईओ जिला पंचायत रायसेन बनाया गया है।

सरकार ने अजय गुप्ता को जबलपुर भेजा

राज्य सरकार ने 2009 बैच के अफसर अजय गुप्ता को प्रबंध संचालक मप्र पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी जबलपुर, अभिजीत अग्रवाल को राज्य सहकारी विपणन संघ मर्यादित में प्रबंध संचालक बनाया गया है। दीपक कुमार सक्सेना को आबकारी आयुक्त के पद पर पदस्थ किया गया है।

राज्य प्रशासनिक सेवा के चार अफसरों को नई जवाबदारी मिली

राज्य सरकार ने शाजापुर के अपर कलेक्टर भूला सिंह सोलंकी को सीईओ आगर मालवा बनाया है। छतरपुर के अपर कलेक्टर मिलिंद कुमार को सीईओ खरगोन, बुरहानपुर के अपर कलेक्टर वीर सिंह चौहान को सीईओ जिला पंचायत भिंड तथा राकेश शर्मा को मुख्य महाप्रबंधक मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी भोपाल में पदस्थ किया गया है।

जबलपुर के छात्र अथर्व चतुर्वेदी ने खुद पैरवी कर हासिल की अंतरिम जीत

सुप्रीम कोर्ट ने नीट उत्तीर्ण ईडब्ल्यूएस छात्र को दिया प्रविजनल एडमिशन का आदेश

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जबलपुर

देश की सर्वोच्च अदालत सुप्रीम कोर्ट ने नीट उत्तीर्ण आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के अभ्यर्थी को बड़ी राहत देते हुए एमबीबीएस पाठ्यक्रम में प्रविजनल एडमिशन देने का अंतरिम आदेश पारित किया है। जबलपुर निवासी 12वीं के छात्र अथर्व चतुर्वेदी ने वर्चुअल मोड में स्वयं अपनी पैरवी कर यह उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की।

मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जायमाल्या बागची और न्यायमूर्ति एनवी अंजारिया की पीठ ने संविधान के अनुच्छेद 142 के तहत विशेष शक्तियों का प्रयोग करते हुए नेशनल मेडिकल कमीशन और मध्यप्रदेश शासन को निर्देश दिया कि याचिकाकर्ता को सत्र 2025-26 में उसकी ईडब्ल्यूएस रैंक के अनुसार एमबीबीएस में अस्थायी प्रवेश दिया जाए।

भविष्य प्रभावित न हो

मामले में राज्य शासन की ओर से कहा गया कि निजी मेडिकल कॉलेजों में आरक्षण नीति को लेकर विचार-विमर्श जारी है। इस पर मुख्य न्यायाधीश ने कड़ी टिप्पणी करते हुए कहा कि यदि निजी कॉलेज आरक्षण नीति का पालन नहीं करते, तो उन्हें बंद कर देना चाहिए। नीतिगत प्रक्रियाओं या प्रशासनिक देरी के कारण किसी छात्र का भविष्य प्रभावित नहीं होना चाहिए। अब सुप्रीम कोर्ट के फैसले से छात्र अब आगे की पढ़ाई कर सकेगा।

जैकेट का शेष...

5 लाख स्व-सहायता ...

संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कृषक कल्याण वर्ष में हमारी प्राथमिकता है कि बहनों को प्रशिक्षण मिले, उन्हें स्व-सहायता समूहों से जोड़ा जाए और मेहनत की सही कीमत मिले। उन्होंने कहा कि हमारी बहनें लखपति दीदी के साथ अब ड्रोन दीदी भी बन रही हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में संचालित 5 लाख स्व-सहायता समूह के माध्यम से अब तक 62 लाख बहनें आत्मनिर्भर हुई हैं। राज्य सरकार कपास आधारित उद्योग में महिलाएं काम करेंगी तो उन्हें 5 हजार रुपए महीना अलग से दिए जाएंगे। गरीब और जरूरतमंद परिवार की बेटियों का विवाह मुख्यमंत्री कन्यादान योजना में हो रहा है। सामूहिक कन्यादान योजना में 55 हजार रुपए प्रति जोड़ा राशि दी जाती है।

हितग्राही परिवार की बेटियों ...

योजना में प्रदेश की 7 लाख से अधिक हितग्राहियों बहनों को 385 करोड़ की राशि दी गई है।

आज संडे सनसनी...

में सफल रही है। वनडे और टी20 दोनों विश्व कप मिलाकर भारतीय टीम सिर्फ एक बार पाकिस्तान से हारी है। यह मैच 2021 टी20 विश्व कप में खेला गया था, जिसे पाकिस्तान ने 10 विकेट से जीता था। भारत और पाकिस्तान की टीमों के बीच जब मुकाबला होता है तो मैदान पर तापमान बढ़ जाता है। दोनों टीमों के खिलाड़ी भी अपनी भावनाओं पर नियंत्रण नहीं रख पाते हैं। वैसे तमाम समीकरणों, टीम संयोजन और कौशल से इतर यह मुकाबला जज्बात पर काबू पाने का है और बाहरी तथा भीतरी दबाव झेलने वाली टीम की विजयी रहेगी।

आईएएस मनीष सिंह ...

से जेल विभाग को छोड़कर बाकी सभी का प्रभार दिया गया है। जनसंपर्क आयुक्त बनाए गए आईएएस सिंह पहले भी आयुक्त के पद पर रह चुके हैं। उन्हें पत्रकारों व मीडिया के साथ आपसी संबंधों का बेहतर अनुभव है। उनके कार्यकाल में ही मप्र में भाजपा की इस बार की सरकार बनी है। किसी आयुक्त के लिए यह पहला मौका है कि उन्होंने दो मुख्यमंत्रियों के कार्यकाल में आयुक्त का जिम्मेदार पद संभाला हो। सिंह ने शनिवार सुबह सीएम डॉ. मोहन यादव से मुलाकात की और फिर अपना पदभार संभाला।

एआई के डर से ...

पुराना बिलिंग मॉडल अब ध्वस्त होने की कगार पर है। टीसीएस का रिलायंस के बाद दूसरे नंबर से फिसलकर छठे नंबर पर आना इस बदलाव की सबसे बड़ी गवाही है।

पेज एक का शेष...

दक्षिण भारत से ...

साज-सज्जा करवाते आ रहे हैं और इस बार भी पूरा खर्च स्वयं उठा रहे हैं। महाशिवरात्रि पर करीब 10 लाख भक्तों के उज्जैन पहुंचने की संभावना जताई गई है। सिंगापुर, हांगकांग, स्विट्जरलैंड, थाईलैंड और इंडोनेशिया से खास प्रजाति के फूल मंगवाए गए हैं। गर्भगृह को केले के पत्तों और रंग-बिरंगे फूलों से पारंपरिक अंदाज में सजाया जा रहा है। नंदी हॉल को दक्षिण भारत के प्रसिद्ध नटराज मंदिर की थीम पर तैयार किया जा रहा है, जिससे भक्तों को अलग ही आध्यात्मिक अनुभव मिलेगा। 210 कारीगर मंदिर को सजा रहे हैं।

रात ढाई बजे ....

महापूजा संपन्न होगी। बाबा महाकाल को सवा मन फल-फूलों से बने मुकुट (सेहरा) से सजाया जाएगा। प्रशासन ने महापर्व को देखते हुए व्यापक इंतजाम किए हैं। सामान्य दर्शन, 250 रुपये के शीघ्र दर्शन टिकट तथा वीआईपी श्रद्धालुओं के लिए अलग-अलग प्रवेश द्वार निर्धारित किए गए हैं। सामान्य श्रद्धालु शनिवार रात 12 बजे से कर्कराज पार्किंग से कतार में लग सकेंगे। प्रशासन का दावा है कि सामान्य श्रद्धालुओं को लगभग 40 मिनट में और शीघ्र दर्शन टिकटधारियों को 25 मिनट में दर्शन कराए जाएंगे।

उधर, मंदसौर के....

श्रृंखला आयोजित की जाएगी। संस्था ने बताया कि रविवार को प्रातः 11 बजे भगवान की राजभोग आरती और दर्शन के पश्चात, न्यास द्वारा भगवान पशुपतिनाथ को फरियाली खिचड़ी का नैवेद्य अर्पित किया जाएगां। इसके तुरंत बाद मंदिर परिसर में उपस्थित सभी श्रद्धालुओं और शिवभक्तों के लिए प्रसाद वितरण का शुभारंभ होगा। इस वर्ष आयोजन को और अधिक भव्य और प्रकाशमय बनाने के लिए न्यास द्वारा विशेष पहल की जा रही है।

कांग्रेस भारत को ...

हमले की बरसी है। इस आतंकी हमले के बाद भारत ने जिस तरह आतंकियों को सजा दी, वो पूरी दुनिया ने देखा है। आपने भारत की ये शक्ति ऑपरेशन सिंदूर में भी देखी है। पीएम मोदी ने कांग्रेस पार्टी पर आतंकियों को कंधे पर बिठाने का आरोप लगाते हुए कहा कि कांग्रेस नेता घुसपैठियों को बचाने में लगे हैं। जो कांग्रेस भारत को राष्ट्र मानने से भी इनकार करती हो... जो सवाल करते हैं कि मां भारती क्या होती है, जो मां भारती के नाम तक से परहेज करती हो, जो मां भारती के प्रति जरा सा सम्मान तक नहीं दिखाते, वो कांग्रेस कभी भारत का भला नहीं कर सकती। उन्होंने कहा कि आज की कांग्रेस हर उस विचार, हर उस आतंकी को कंधे पर बिठाती है,जो देश का बुरा सोचता है। जो लोग देश के टुकड़े-टुकड़े करने का सपना देखते हैं, जो लोग, नॉर्थईस्ट को भारत से अलग करने के नारे लगाते हैं,वो कांग्रेस के लिए पूजनीय बन चुके हैं।

2014 के बाद ....

जी को मैं प्रणाम करता हूं। उन्होंने अपना पूरा जीवन असम और समाज की सेवा के लिए समर्पित किया। वर्ष 2014 के बाद नार्थईस्ट के 125 से अधिक महान व्यक्तित्वों को पद्म पुरस्कार मिले हैं। ये दिखाता है कि असम और नॉर्टईस्ट की धरती का सामर्थ्य कितना बड़ा है। उन्होंने कहा कि नार्थईस्ट का यही सामर्थ्य अब विकसित भारत का बहुत बड़ा आधार है।

असम को टैक्स ....

असम को टैक्स के हिस्से के रूप में सिर्फ 10 हजार करोड़ रुपए मिलते थे। प्रधानमंत्री ने कहा कि अब भाजपा सरकार में असम को कांग्रेस सरकार के मुकाबले 5 गुना ज्यादा रुपए मिल रहे हैं। अगर पिछले 11 वर्ष की बात करें तो असम को तमाम विकास परियोजनाओं के लिए केंद्र सरकार से 5.50 लाख करोड़ रुपए से अधिक मिले हैं।

कार्यकर्ताओं के दर्शन ...

ही मंत्र को साकार करने के लिए अपने आप को खपा रहे हैं। वो मंत्र है - भारत माता की जय!

ड्राइवर को झपकी....

मनोहर लाल मेघवाल ने बताया कि चाकसू के टिगरिया मोड़ के पास शनिवार सुबह करीब साढ़े पांच बजे दुर्घटना हुई। टक्कर इतनी भीषण थी कि महिला समेत चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। गंभीर रूप से घायल एक युवक को हॉस्पिटल ले जाया जा रहा था। रास्ते में उसने दम तोड़ दिया। मरने वालों में रेशमा श्रीवास्तव (55) पत्नी अखिलेश श्रीवास्तव, पीयूष राय पुत्र राजेश राय, रजक राहुल पुत्र बबलू रजक, ड्राइवर अनुराग (25), शानू शामिल हैं। रजक राहुल खेरमाई मंदिर के पास जबलपुर सिटी का रहने वाला था। रेशमा श्रीवास्तव (मृतक) की बेटी पलक श्रीवास्तव ने बताया कि मम्मी, ड्राइवर अनुराग, रजक राहुल, शानू और पीयूष के साथ दो दिन पहले उज्जैन में श्री महाकालेश्वर महादेव के दर्शन करने निकली थी।

धार में जमीन ....

का है, जो गंधवानी से विधायक और नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार का विधानसभा क्षेत्र भी है। सुबह करीब 8 बजे से 175 से अधिक आदिवासी महिलाएं अपने छोटे बच्चों और परिजनों के साथ शिविर में पहुंची थीं। शिविर में पीने के पानी और बैठने की पर्याप्त व्यवस्था नहीं थी। जिन महिलाओं की नसबंदी की गई, उन्हें ऑपरेशन के बाद खुले आसमान के नीचे तेज धूप में जमीन पर ही लिटा दिया गया।

दूषित मिठाई खाने...

शामिल है, एक महिला की गंभीर स्थिति को देखते हुए नागपुर रेफर किया गया है। शिकायत मिलने पर टीम ने मौके पर पहुंचकर दुकान में उपलब्ध पिस्ता बर्फी का नमूना विधिवत सीलबंद कर लिया। यह नमूना परीक्षण हेतु राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला, भोपाल भेजा गया है।

रास्ता भूलकर क्षतिग्रस्त....

साल के पवन कुर्मी अपने अन्य दो साथियों के साथ दमोह जिले के तेंदूखेड़ा ब्लाक के समनापुर गांव में शादी समारोह में शामिल होने आ रहे थे। पांचों लोगों को अचलपुरा गांव से झलोन की तरफ आना था, लेकिन वह रास्ता भूल गए और झापन की ओर चले गए। यहां बारिश के समय पुल क्षतिग्रस्त हो गया था। जैसे ही बाइक सवार तीनों युवक पुल पर पहुंचे वह 30 फीट नीचे गिर गए। घटनास्थल दुर्गावती टाइगर रिजर्व के अंतर्गत आता है।

पहले दिन शिवपुराण...

आपके पुण्यों की रसीद है। उन्होंने एक नया नारा देते हुए कहा कि अब केवल बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ ही नहीं बल्कि बहू पढ़ाओ, देश बचाओ के संकल्प की आवश्यकता है। जिस घर में बेटी और बहू का सम्मान होता है, वहां दरिद्रता कभी नहीं आती। पर्यावरण के प्रति सचेत करते हुए उन्होंने कहा कि शादियों में पानी की बर्बादी रोकना अनिवार्य है। पानी की बोतलों पर लिखा होना चाहिए- मैं जल हूं, आने वाला कल हूं। उन्होंने समझाया कि मंदिर में सिर झुकाना भगवान के चरणों में होना है, लेकिन मंदिर से निकलकर कार्यक्षेत्र पर जाते समय भगवान को याद रखना उनकी शरण में होना है।कथा के पहले दिन महाराष्ट्र से पैदल चलकर आए एक पिता का पंडित मिश्रा ने सम्मान किया। शनिवार को कथा के दौरान यहां पर आए श्रद्धालुओं को विठलेश सेवा समिति की ओर से पंडित समीर शुक्ला, पंडित विनय मिश्रा सहित अन्य ने यहां पर बनाई गई भोजनशाला से निशुल्क भोजन की व्यवस्था की। यह महोत्सव आगामी 20 फरवरी तक अनवरत जारी रहेगा।

शिवलिंग को ....

ऐतिहासिक प्रयास है। इस महोत्सव का मुख्य आकर्षण ज्योतिर्लिंग गार्डन की स्थापना है। पंडित मिश्रा द्वारा परिसर में 12 विशेष पौधे रोपे जाएंगे जो भारत के 12 ज्योतिर्लिंगों का प्रतिनिधित्व करेंगे। प्रकृति की सेवा हेतु धाम में व्यापक स्तर पर बेलपत्र के पौधे लगाए जाएंगे। शिवलिंग पर अर्पित किए गए जल को व्यर्थ बहने से रोककर उसे भूगर्भ जल पुनर्भरण और पौधों की सिंचाई हेतु उपयोग में लाया जाएगा। पूजा के बाद एकत्रित फूलों और बेलपत्रों (निर्माल्य) को नदियों में विसर्जित करने के बजाए उनसे जैविक खाद बनाई जाएगी।

परिजनों ने कहा-...

पुलिसकर्मी गए थे या वह अकेला गया था। ना ही थाने के सीसीटीवी फुटेज जारी किए जा रहे हैं। मौके पर एफएसएल टीम जांच कर रही है। घटना स्थल पर क्रॉस पट्टी लगा दी गई है। बागेश्वर धाम में ड्यूटी पर तैनात पुलिस बल भी राजनगर थाने भेजा गया है। मृतक राजेश पटेल और भाई निखिल पटेल का आरोप है कि पुलिस वाले 50 हजार रुपए मांग रहे थे। परिजनों के मुताबिक, थाने के उस कमरे के वॉशरूम में शव मिला है, जिस कमरे में बच्चे और महिलाओं की सुनवाई होती है। परिजनों का आरोप है कि राजेश पर कोई एफआईआर नहीं की गई थी, जो पुलिसकर्मी उसे पकड़ कर लाए थे, उनमें से एक ड्यूटी पर भी नहीं था। राजेश मजदूरी करता था। उसका एक छोटा भाई भी है।

थाने के बाहर जमकर हुआ हंगामा: थाना परिसर में शव रखकर स्थानीय लोग और मृतक के परिजन पुलिस-प्रशासन मुर्दाबाद के नारे लगा रहे हैं और विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं।

पुलिस चौकी में ...

वह वहीं पर हंगामा करने लगा। उसने चौकी के अंदर तोड़फोड़ शुरू कर दी और टेबल उठाकर फेंकने का प्रयास करने लगा। टेबल का सामान तोड़ दिया, कुर्सियां तोड़ने लगा।

महिला पत्रकार पर...

बीच उन्हें बलात्कार की धमकियां दी गईं। घटना की शुरुआत तब हुई जब वहां मीडियाकर्मियों में से ही किसी ने उनका ध्यान खींचने के लिए नाम पुकारा और फिर उनसे उनका पूरा नाम और जाति पूछी गई।

कार्यालय सम्पदा अधिकारी
मध्यप्रदेश गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल प्रक्षेत्र - 1, गोमंतिका परिसर, जवाहर चौक, भोपाल

आम सूचना

हाऊसिंग बोर्ड कॉलोनी, नेहरू नगर, भोपाल (म.प्र.) में स्थित फ्लेट क्रमांक जूनियर एम.आई.जी./डी-382, भू तल मण्डल द्वारा श्री दुर्गेश रायकवार आत्मज श्री लक्ष्मी प्रसाद के नाम से आवंटित है। उक्त सम्पत्ति का विक्रय विलेख पंजीयन कार्यालय से दिनांक 15/05/2019 को एवं लीज नवीनीकरण दिनांक 12/07/2019 को पंजीकृत किया गया है। श्री दुर्गेश रायकवार आत्मज श्री लक्ष्मी प्रसाद द्वारा उक्त सम्पत्ति (1) श्री कृष्णा प्रसाद भूसाल आत्मज श्री देवीराम भूसाल (2) श्रीमती माया भूसाल पत्नी श्री कृष्णा प्रसाद भूसाल को विक्रय विलेख के माध्यम से विक्रय कर दिया है। जिसका विक्रय विलेख दिनांक 08/08/2019 को पंजीयन कार्यालय से पंजीकृत है। क्रेता / विक्रेता द्वारा आवेदन, शपथ पत्र, संयुक्त शपथ पत्र, विक्रय विलेख की छायाप्रति प्रस्तुत करते हुये उक्त सम्पत्ति (1) श्री कृष्णा प्रसाद भूसाल आत्मज श्री देवीराम भूसाल (2) श्रीमती माया भूसाल पत्नी श्री कृष्णा प्रसाद भूसाल के पक्ष में हस्तांतरित करने हेतु दस्तावेज प्रस्तुत किया गया है। उक्त दस्तावेजो के आधार पर उक्त सम्पत्ति के हस्तांतरण की कार्यवाही की जा रही है। यदि उक्त सम्पत्ति के सम्वन्ध में किसी व्यक्ति / उत्तराधिकारी / संस्था / वित्तीय संस्था को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन दिनांक से 15 दिवस के अन्दर लिखित रूप में मय सबूत के साथ इस कार्यालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत करें। समयावधि समाप्त होने के पश्चात् कोई आपत्ति स्वीकार नही की जावेगी एवं मण्डल नियमानुसार कार्यवाही करने हेतु स्वतंत्र रहेगा।

(रविन्द्र निकोसे)
सम्पदा अधिकारी
म.प्र. गृह नि. एवं अधो. वि. म. प्रक्षेत्र-1. भोपाल

कार्यालय सम्पदा अधिकारी
मध्यप्रदेश गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल प्रक्षेत्र - 1, गोमंतिका परिसर, जवाहर चौक, भोपाल

आम सूचना

हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, कोटरा सुल्तानाबाद, भोपाल (म.प्र.) में स्थित भवन क्रमांक ई.डब्ल्यू.एस. - 272 मण्डल द्वारा श्री मधुसुदन गोपाल रत्नपारखी आत्मज श्री जी. वी. आरे. के नाम से आवंटित है। उक्त सम्पत्ति का विक्रय विलेख का पंजीयन दिनांक 07/04/1998 को एवं लीज नवीनीकरण दिनांक 13/03/2013 को किया गया है। श्री मधुसुदन रत्नपारखी का स्वर्गवास दिनांक 25/08/2022 को एवं उनकी पत्नी श्रीमती मधुलिका रत्नपारखी का स्वर्गवास दिनांक 03/03/2022 को हो गया है। आवेदक आवंटी के इकलौते पुत्र श्री पराग रत्नपारखी आत्मज स्व. श्री मधुसुदन रत्नपारखी द्वारा मृत्यु प्रमाण पत्र एवं मण्डल का निर्धारित आवेदन पत्र व अन्य दस्तावेज प्रस्तुत कर उक्त सम्पत्ति अपने नाम से नामांतरण करने हेतु दस्तावेज प्रस्तुत किया है. उक्त दस्तावेजों के आधार पर उक्त सम्पत्ति के नामांतरण की कार्यवाही की जा रही है। यदि उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में किसी व्यक्ति / उत्तराधिकारी / संस्था / वित्तीय संस्था इत्यादि को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन दिनांक से 15 दिवस के अन्दर लिखित रूप में मय सबूत के साथ इस कार्यालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत करें। समयावधि समाप्त होने के पश्चात् कोई आपत्ति स्वीकार नही की जावेगी एवं मण्डल नियमानुसार कार्यवाही करने हेतु स्वतंत्र रहेगा।

(रविन्द्र निकोसे)
सम्पदा अधिकारी
म.प्र. गृह नि. एवं अधो. वि. म. प्रक्षेत्र-1. भोपाल

पूर्व मध्य रेल
ई-निविदा सूचना

ई-निविदा सूचना सं. एस.जी.-डी.एस.ई.-ओ.टी.-04-26. वरीय मंडल संकेत एवं दूर संचार अभियन्ता, पूर्व मध्य रेल, राष्ट्रपति के तरफ से ई-निविदा, अनुभवी ठेकेदार से निर्मित फार्म में नीचे दिए गए कार्यों के लिए आमन्त्रित करती है। 1. कार्य का नाम एवं स्थान : प्रोविजन ऑफ आरडीएसओ अप्रूवड मेक फायर अलार्म सिस्टम फॉर 30 स्टेशन्स ऑफ डीडीयू डीविजन। 2. कार्य का अनुमानित मूल्य : ₹3,39,31,790.34/- (तीन करोड़ उन्चालीस लाख एकतीस हजार सात सौ नब्बे रूपये एवं चौंतीस पैसे मात्र)। 3. धरोहर राशि : ₹3,19,700/- (तीन लाख उन्नीस हजार सात सौ रूपये मात्र)। 4. ई-निविदा बंद होने की तिथि एवं समय : दिनांक 09.03.2026 को 12:30 तक। 5. वेबसाइट का पता जहां से ई-निविदा का पूर्ण विवरण देखा जा सकता है : www.ireps.gov.in

म.सं. एवं दू.सं. अभि./
पूमरे/पं. दीन दयाल उपाध्याय
पीआर/1782/डीडीयू/सि./टी/25-26/28

BISA बोरलॉग इंस्टीट्यूट फॉर साउथ एशिया
लखनवाड़ा जबलपुर

सूचना

बोरलॉग इंस्टीट्यूट फॉर साउथ एशिया (बीआईएसए) **बहुफसली अनाज (धान, मक्का, मूंग, उड़द, सोयाबीन, जौ, सरसों और चना) के लिए निविदा आमंत्रित करता है;** जो लखनवाड़ा, सोनपुर गांव के पास, जबलपुर स्थित उसके अनुसंधान केंद्र में उपलब्ध हैं।

कृपया नियम एवं शर्तों सहित अधिक जानकारी और निविदा अनुरोध डाउनलोड करने के लिए https://bisa.org/job/request-for-quotation-rfq-for-sale-of-multi-crop-leftover-seed-and-grain/ पर जाएं।

मुहरबंद निविदा/डाक द्वारा जमा करने की अंतिम तिथि: **23 फरवरी 2026**

पश्चिम मध्य रेल
सामग्री प्रबंधन विभाग
(भंडार आपूर्ति हेतु ई-निविदा सूचना, संख्या/ईपीएस/121/2025)

प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबंधक, पश्चिम रेल भारत के राष्ट्रपति की ओर से ई-खरीद प्रणाली के जरिए निम्नलिखित विज्ञापन निविदाएं आमंत्रित करते है। कोई भी हस्तालिखित/डाक प्रस्ताव स्वीकार नही किए जाएंगे। पूर्ण विवरण/विनिर्देशन के लिए वेबसाईट https://ireps.gov.in पर 'ई' निविदा संबधी जानकारी प्राप्त की सकती है।

क्र.	टेंडर नं.	संक्षिप्त वर्णन	निविदा मात्रा	नियत तारीख
1	40255055	डिजाइन, सप्लाई, इंस्टालेशन, कमीशनिंग – मेंटेनेंस (अंडर वारंटी पीरियड) ऑफ आटोमेटिक स्मोक/फायर डिटेक्शन विथ अलार्म सिस्टम विथ ब्रेक मॉडल	31 सेट	03/03/2026
2	30251756	फलेक्सिबल केबल कम्पलीट सेट	95 सेट	09/03/2026
3	30255018A	स्विंग Door फॉर एंट्रेंस to AC एरिया	560 नंबर्स	10/03/2026
4	34254076	सेट ऑफ हीट रिफ्लेक्टिव & थर्मल बैरियर पेंट	400 सेट	11/03/2026
5	20254650A	सेट ऑफ आइटम्स फॉर 'H' टाइप टाइट लॉक कॉपलेर	43 सेट	12/03/2026
6	30265006	1) सप्लाई, इंस्टालेशन – फिटमेंट ऑफ IOT बेस्ड वाटर लेवल इंडिकेटर इन कोचेस विथ ओवरहेड वाटर टैक्स	250 कोच सेट	17/03/2026
		(2) सप्लाई, इंस्टालेशन – फिटमेंट ऑफ IOT बेस्ड वाटर लेवल इंडिकेटर इन कोचेस विथ अंडर Slung वाटर टैंक्स	250 कोच सेट	

50 लाख रूपये से कम अनुमानित मूल्य वाली निविदाओं के लिए इच्छुक फर्मों को www.ireps.gov.in पर जाने की सलाह दी जाती है।

(हस्ता)
कृते प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबंधक, पश्चिम मध्य रेल, जबलपुर

स्वच्छ भारत अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर

हरिभूमि क्लासीफाइड
आवश्यकता है | खरीदना है | बेचना है | व्यापार | चिकित्सा | ज्योतिष | डिस्प्ले विज्ञापन
संपर्क सूत्र : 9407279644, 9977912473

आवश्यक सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (धन भेजने, लोन संबंधित, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित अथवा अनुबंध) से पहले अच्छी तरह जाँच पड़ताल कर लें। किसी भी उत्पाद या सेवायें के संबंध में किये किसी विज्ञापन दाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि की जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक संपादक और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाये किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

– व्यावस्थापक

नाम परिवर्तन

मैं आफरीन फातमा पत्नि फैजान अंसारी आयु वयस्क निवासी- म.नं.-1240 बाग मुफ्ती साहब नकी टेंट हाउस शाहजहांनाबाद भोपाल (म.प्र.) मेरे आधार कार्ड में मेरा नाम आफरीन फातमा पत्नि फैजान अंसारी अंकित है जो की सही है और मेरी 10वीं, 12वीं की अंकसूची में मेरा नाम आफरीन फातिमा पिता सैय्यद नकी उद्दीन अंकित है जिसमें मेरे नाम में फातमा के जगह पर फातिमा अंकित हो गया है जो की त्रुटि से अंकित हो गया है मेरे सभी शासकीय दस्तावेज में मेरा नाम आफरीन फातमा पत्नि फैजान अंसारी अंकित है जो की सही है।

आवश्यकता

आपके अपने क्षेत्र के ब्यूटी पार्लर, कॉस्मेटिक शॉप, जनरल स्टोर, मेडिकल स्टोर में Alfa Youth Brand के पर्सनल केयर (कॉस्मेटिक) बेबी डायपर, सैनेटरी पैड की मार्केटिंग, सेलिंग हेतु लड़के लड़कियों की आवश्यकता है पेमेंट 26000 से 34000, WhatsApp Only 9098427938 (39948)
BSP- 15,17,19,21/02/2026

हरिभूमि भोपाल बाजार
विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें मो.9977912473

प्लाट मात्र 3,55,000 हजार में आसान किश्तों पर
साईट:- 220 फिट रिंग रोड न्यू बायपास से लगी हुई डायवर्सन एवं NOC एप्रूव्ड आफिस इंडिया प्रोपर्टी करोंद भोपाल मो. 7772079910

Medical Help Line
विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें : मो.9407279644

नये दागों का आना तुरन्त बंद
सफेद दाग
सफल ईलाज का 40 वर्षो का अनुभव
Timing 10:30 am to 8:00 pm
Dr. Safi's HOMEOPATHIC CLINIC
कृपया फोन पर अपॉइंटमेंट लें। M : 9425006131, 9827249409
5/4, संजय कॉम्पलेक्स माता मंदिर, टी.टी. नगर भोपाल | सौरत मंजिल पुरानी कजियात के सामने मोती मस्जिद भोपाल

WE PROVIDE THE BEST SOLAR ENERGY
BEST OFFER
HURRY UP!
Na 2 Lakh Mein.. Na 1.5 Lakh Mein..
Sirf ₹72,000 Mein! 3.3 kW Solar Lagaye Bachat ka Naya Tareeka!
BRANDS we deal with! TATA POWER SOLAROOF, WAAREE, adani Solar, ECE INDIA
Contact us 99932-41867, 73549-99281
Aura Mall, Bhopal, 462010
228, Dwarkadhish Colony Indore (M.P.) 452005

हरिभूमि
रनिंग क्लासीफाइड उठावना, शोक संदेश, जन्मदिन, आमसूचना आम/कोर्ट नोटिस

वैवाहिकी

वधु चाहिए

वधु चाहिए- जाति मुस्लिम कुंवारा उम्र 54/हाइट 5'9", रंग गेहुआ,शिक्षा BA, खुद का घर तलाकशुदा, विधवा,कुंवारी लड़की चाहिए। जाति बंधन नहीं है मो. 9425253078 (10378)

मुस्लिम वधु चाहिए- सुन्नी मुस्लिम खान उम्र 42 वर्ष हाइट 5'5" तलाकशुदा निःसंतान छत्तीसगढ़ निवासी शिक्षित युवक के लिए अच्छे परिवार से पढ़ी लिखी लड़की चाहिए। जाति बंधन नहीं, संपर्कः- कॉलिंग /व्हाट्सएप 9303903469 (530)

ब्राह्मण सरयूपारी

47 वर्षीय 5'7" एजुकेशन b.com मुबंई निवासी हेतु सुंदर सुशील युवती चाहिए
संपर्क करें- 8839287764, 7977728830

वधु चाहिए

बिलासपुर निवासी बिजनेस एवं प्राइवेट जॉब कर रहे 28 वर्षीय सरयूपारी ब्राह्मण युवक हेतु सुयोग्य वधु चाहिए सर्व ब्राह्मण स्वीकार्य
सम्पर्क करें- 6263215412, 9229991967

शब्द पहेली - 6139

बाएँ से दाएं

1. अनाथालय-5
4. जैन धर्म के चौबीसवें तीर्थंकर-4
7. कमरा, रूम-2
8. फिजूल-3
9. अंग्रेजी शराब-2
10. अनर्गल (अंग्रेजी-4)
11. लक्ष्मी, कमला-2
13. ध्वनिहीनता, शांति-4
14. देवता, देव-2
16. प्रणाम, नमस्कार-3
18. रुधिरहीन, कमजोर-3
19. प्रस्थान करना-3,2
21. पालने वाला, ईश्वर-5
24. प्रेम, चाहना-3
26. वन, अरण्य, जंगल-3
28. विदेशी मदिरा-2
29. छिड़कना-4
30. धूल, मिट्टी-2
32. अंगीकार करना-4
33. छापा, सतत वर्षा-2
35. विरुद्ध-3
36. सुबह, प्रातःकाल-2
37. जोकर, विदूषक-4
38. संन्यासी, साधु-3,2

ऊपर से नीचे

1. इसके सवाल युधिष्ठिर ने हल किये थे -2
2. उदारता, बड़प्पन-4
3. पत्नी का नाना-2,3
4. दसवीं राशि -3
5. बहादुर, निडर-2
6. एक मुस्लिम महीना-4
7. कहानी लेखक-5
10. नाव चलाना-2,2
12. सम्मान-2
15. मारकाट, खून खराबा-4
17. पैगंबर, जीवन रक्षक-3
18. कुकर्म, दुष्कर्म-4
20. गाड़ी, यान-3
22. इंकार करना-4
23. रचना करनेवाला, रचयिता -5
25. जीवनसाथी-5
26. कारोबार, व्यवसाय-4
27. मादा का विलोम-2
29. निर्झरणशील-4
31. ढेर, काफी सारा (उर्दू-3)
34. मजा, आनंद-2
36. भोगने वाला, कामी-2

शब्द पहेली - 6138 का हल

सूडोकू नवताल - 6149

सरल

3	9				1			
5	4			6	8		1	3
		1		7		9	5	
	8	9		5	3		4	7
6	1		4	9		2	3	
	3	4		1		8		
7	5		8	3			2	4
			6				7	9

■ MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं।
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।
- पहेली का केवल एक ही हल है।

सूडोकू नवताल - 6148 का हल

9	6	2	3	4	1	7	5	8
1	4	8	9	7	5	6	2	3
5	7	3	2	6	8	1	4	9
3	2	1	6	9	4	8	7	5
4	8	7	5	1	2	9	3	6
6	9	5	8	3	7	4	1	2
8	3	4	7	2	6	5	9	1
2	1	6	4	5	9	3	8	7
7	5	9	1	8	3	2	6	4

राशिफल

मेष — किसी मित्र का सहयोग भी मिल सकता है। सन्तान के स्वास्थ्य में सुधार होगा। मानसिक शान्ति रहेगी। शिक्षा में व्यवधान आ सकते हैं।

वृष — अनियोजित खर्चों में वृद्धि होगी। कुटुम्ब की किसी महिला से धन की प्राप्ति हो सकती है। मन में नकारात्मक विचारों का प्रभाव हो सकता है।

मिथुन — चिकित्सीय खर्च और भवन के मरम्मत पर खर्च बढ़ सकते हैं। वाणी में कठोरता रहेगी। वाणी का प्रभाव भी बढ़ेगा। समाज में मान-सम्मान मिलेगा।

कर्क — मन में निराशा एवं असन्तोष रहेगा। माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। किसी मित्र के सहयोग से नौकरी के अवसर मिल सकते हैं। आय में वृद्धि होगी।

सिंह — न परेशान रहेगा। धर्म के प्रति श्रद्धाभाव बढ़ सकता है। आत्मविश्वास रहेगा। भवन सुख में वृद्धि हो सकती है। नौकरी में तरक्की के अवसर मिल सकते हैं।

कन्या — शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा, परन्तु स्वास्थ्य का ध्यान भी रखें। आत्मविश्वास बढ़ेगा। मन में शान्ति का प्रभाव रहेगा। धैर्यशीलता में कमी रहेगी।

तुला — बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ सकती है। आय के स्रोत भी विकसित होंगे। कला एवं संगीत के प्रति रुझान बढ़ेगा। भवन सुख में वृद्धि हो सकती है।

वृश्चिक — शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। किसी मित्र के सहयोग से रोजगार के अवसर मिल सकते हैं। कारोबार की स्थिति मजबूत होगी।

धनु — वाणी में सौम्यता रहेगी। शैक्षिक कार्यों में सफलता रहेगी। नौकरी में बदलाव की स्थिति बन रही है। भाई-बहनों का सानिध्य एवं सहयोग मिलेगा।

मकर — शैक्षिक कार्यों पर ध्यान दें। कारोबार में किसी मित्र का सहयोग मिल सकता है। किसी मित्र के सहयोग से किसी सम्पत्ति में निवेश कर सकते हैं।

कुंभ — नौकरी में कोई अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। परिश्रम अधिक रहेगा। क पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। क्रोध एवं आवेश की अधिकता रहेगी।

मीन — परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान की यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। जीवनसाथी को स्वास्थ्य विकार रहेंगे। चिकित्सीय खर्च बढ़ेंगे।

निवेश मंत्रा

बिजनेस डेस्क

24.3% लोगों ने अपनी पहली सैलरी या व्यक्तिगत आय के बाद पहली बार सोना खरीदा, जबकि 23.9% ने इसे निवेश के रूप में चुना। यह ट्रेंड पीढ़ियों के व्यवहार में अंतर भी दिखाता है। जेन जी छोटे और व्यक्तिगत माइलस्टोन से सोने की खरीद शुरू कर रहे हैं, जबकि मिलेनियल्स इसे जीवन की बड़ी घटनाओं और दीर्घकालिक सुरक्षा से जोड़कर देखते हैं।

जेन जी और मिलेनियल्स की पहली पसंद बना सोना

इस समय सोना निवेश का बढ़िया विकल्प बनकर उभर रहा है। जेन जी और मिलेनियल्स यानी युवा भारतीयों का सोने पर भरोसा मजबूत बना हुआ है, लेकिन इसे खरीदने का तरीका धीरे-धीरे बदल रहा है। स्मिटन पल्सएआई के सर्वे में सामने आया है कि सोने की खरीद अब अधिक व्यक्तिगत और छोटी रकम/मात्रा में होने लगी है। 18-39 वर्ष के 5,000 उपभोक्ताओं पर आधारित इस अध्ययन के अनुसार पारंपरिक, परिवार-केंद्रित खरीदारी की जगह अब तर्क-आधारित और व्यक्तिगत फैसलों का महत्व बढ़ रहा है। जेन जी और मिलेनियल्स सोने की खरीद को अब शादी-समारोह से आगे बढ़कर व्यक्तिगत माइलस्टोन और पहली सैलरी जैसे शुरुआती निवेश के रूप में देख रहे हैं।

सुरक्षा के मामले में पहली पसंद

आधुनिक निवेश विकल्पों की बढ़ती पहुंच के बावजूद युवा भारतीयों के लिए सोना अब भी सबसे भरोसेमंद निवेश बना हुआ है। सर्वे के अनुसार यदि आज 25,000 रुपये निवेश करने हों तो 61.9% उत्तरदाता सोने को चुनेंगे। यह आंकड़ा म्यूचुअल फंड (16.6%), फिक्स्ड डिपॉजिट (13%), शेयर बाजार (6.6%) और क्रिप्टो (1.9%) से काफी आगे है। आर्थिक अनिश्चितता के समय भी सोने पर भरोसा कायम है। 65.7% लोगों ने कहा कि बैंक बचत, म्यूचुअल फंड या इक्विटी की तुलना में सोना उन्हें सबसे सुरक्षित विकल्प लगता है। यह ट्रेंड दर्शाता है कि जेन जी और मिलेनियल्स दोनों के लिए सोना अब भी वित्तीय सुरक्षा का प्रमुख सहारा बना हुआ है।

छोटी खरीदारी बन रही नया ट्रेंड

सर्वे से स्पष्ट संकेत मिलता है कि अब सोने की बड़ी और कम अंतराल वाली खरीदारी से हटकर छोटी और नियमित खरीदारी का रुझान तेजी से बढ़ रहा है। हाल की 61.9% खरीद 5 ग्राम से कम की रही, जिसमें 27.5% लोगों ने 2 ग्राम से कम और 34.4% ने 2 से 5 ग्राम के बीच सोना खरीदा। अब 42% परिवार समय-समय पर छोटी मात्रा में सोना खरीदना पसंद कर रहे हैं, जबकि 58% अभी भी एकमुश्त और अवसर आधारित खरीद करते हैं।

परिवार की भूमिका भी महत्वपूर्ण

निवेश के मामले में परिवार की भूमिका अभी भी महत्वपूर्ण है, लेकिन सोने की खरीद के फैसले अब तेजी से व्यक्तिगत होते जा रहे हैं। सर्वे के मुताबिक 66.7% उत्तरदाताओं ने कहा कि आज सोना खरीदना मुख्य रूप से व्यक्तिगत और स्वयं प्रेरित निर्णय बन चुका है, न कि केवल पारिवारिक प्रभाव से लिया गया फैसला। 42.3% लोगों ने बताया कि उनके घर में हाल की सोने की खरीद की पहल उन्होंने खुद की, जबकि 40% ने माता-पिता या बड़े परिवार के सदस्यों को इसका श्रेय दिया। यह बदलाव पीढ़ियों के बीच स्पष्ट अंतर को दिखाता है। जेन जी अब कब और कैसे सोना खरीदना है, इसका फैसला खुद लेने में अधिक आत्मविश्वास दिखा रहे हैं और इसे व्यक्तिगत वित्तीय निर्णय मानते हैं। वहीं, मिलेनियल्स अब भी गोल्ड को परिवार की योजना और दीर्घकालिक सुरक्षा के नजरिए से देखते हैं, जहां खरीदारी सामूहिक प्राथमिकताओं से प्रभावित रहती है।

अब शादियों तक सीमित नहीं

दिलचस्प बात यह है कि पहली बार सोना खरीदना अब केवल शादी जैसे अवसरों तक सीमित नहीं रहा। 24.3% लोगों ने अपनी पहली सैलरी या व्यक्तिगत आय के बाद पहली बार सोना खरीदा, जबकि 23.9% ने इसे निवेश के रूप में चुना। यह ट्रेंड पीढ़ियों के व्यवहार में अंतर भी दिखाता है। जेन जी छोटे और व्यक्तिगत माइलस्टोन से सोने की खरीद शुरू कर रहे हैं, जबकि मिलेनियल्स इसे जीवन की बड़ी घटनाओं और दीर्घकालिक सुरक्षा से जोड़कर देखते हैं।

सोने की खरीद में डिजिटल प्लेटफॉर्म का उपयोग बढ़ा है। इसके बावजूद सोने की खरीदारी में अभी भी पारंपरिक चैनल्स पर भरोसा अधिक है। सर्वे के अनुसार, 38.3% लोग सबसे अधिक सोना बड़ी ब्रांडेड ज्वेलरी चेन से खरीदते हैं, जबकि 34.7% उपभोक्ता स्थानीय ज्वैलर पर भरोसा करते हैं। इसके विपरीत, केवल 5.2% लोग ही ऑनलाइन प्लेटफॉर्म या ऐप के जरिए सोना खरीद रहे हैं। खरीद से जुड़ी चिंताओं में शुद्धता और प्रामाणिकता सबसे बड़ी चिंता के रूप में सामने आई, जिसे 49.4% उत्तरदाताओं ने प्रमुख कारण बताया।

खरीद के बाद पछतावा भी बड़ा संकेत

सर्वे की सबसे महत्वपूर्ण बात यह सामने आई कि सोना खरीदने के बाद बड़ी संख्या में युवा उपभोक्ता असमंजस या पछतावा महसूस करते हैं। करीब 67.1% उत्तरदाताओं ने माना कि उन्हें अक्सर या कभी-कभी सोना खरीदने के बाद पछतावा हुआ है। इसके पीछे सबसे बड़ी वजह खरीदी गई कीमत (38.9%) रही, जबकि 33.5% लोगों ने ज्वैलरी, सिक्के या डिजिटल गोल्ड जैसे फॉर्मेट को लेकर भ्रम को कारण बताया। वहीं 18.8% ने पर्याप्त जानकारी के अभाव को जिम्मेदार ठहराया। यह ट्रेंड दिखाता है कि सोने पर भरोसा मजबूत है, लेकिन खरीद प्रक्रिया को लेकर युवाओं का आत्मविश्वास अभी भी पूरी तरह विकसित नहीं हुआ है।

भविष्य में सोना खरीदने का इरादा

लोग भविष्य में भी खूब सोना खरीदना चाहते हैं। इस सर्वे में यह भी सामने आया कि भविष्य में सोना खरीदने का इरादा बहुत मजबूत है। 52.7% उत्तरदाता अगले 12 से 24 महीनों में सोना खरीदने के लिए "बहुत संभावना" दिखाते हैं। कुल मिलाकर सोने का स्थान युवा भारतीयों के बीच अब भी अडिग है, हालांकि खरीदारी के तरीके बदल रहे हैं। छोटे निवेश, व्यक्तिगत निर्णय और पारंपरिक खरीदारी चैनल्स में भरोसा दर्शाता है कि सोना का आकर्षण मजबूत है और आने वाले समय में भी यह सुरक्षित निवेश के रूप में रहेगा।

महंगाई के दौर में बच्चों के लिए बनाएं फंड

उच्च शिक्षा के लिए करें मजबूत प्लानिंग

तैयारी

बिजनेस डेस्क

- तेजी से महंगी हो रही पढ़ाई, अभी नहीं संभले तो पड़ेगा भारी
- एसआईपी समेत कई निवेश विकल्पों के बारे में सोचना होगा
- एक संतुलित, बहुआयामी और समयबद्ध रणनीति बनानी होगी

आज के दौर में शिक्षा केवल एक आवश्यकता नहीं, बल्कि भविष्य की सबसे बड़ी पूंजी बन चुकी है, लेकिन इसके साथ स्कूल और कॉलेज की फीस सामान्य महंगाई दर से कहीं ज्यादा तेजी से बढ़ रही है। इंटरनेशनल बोर्ड, प्रोफेशनल कोर्स, विदेश में पढ़ाई, हॉस्टल और रहने-खाने का खर्च ये सभी मिलकर उच्च शिक्षा को बेहद महंगा बना देते हैं। ऐसे में माता-पिता के लिए यह जरूरी हो गया है कि वे समय रहते अपने बच्चों की पढ़ाई के लिए व्यवस्थित और दीर्घकालिक वित्तीय योजना बनाएं। अक्सर देखा जाता है कि माता-पिता एक अनुमानित रकम तय कर लेते हैं और हर महीने एसआईपी शुरू कर देते हैं। यह एक अच्छा कदम है, लेकिन सवाल यह है कि क्या केवल एसआईपी पर निर्भर रहना पर्याप्त है? बदलते आर्थिक हालात और शिक्षा महंगाई को देखते हुए जवाब है नहीं। जरूरत है एक संतुलित, बहुआयामी और समयबद्ध रणनीति की।

जल्दी शुरुआत ही सबसे बड़ा फायदा

उच्च शिक्षा की योजना में समय सबसे महत्वपूर्ण कारक है। यदि बच्चा छोटा है और आप अभी से निवेश शुरू करते हैं, तो कंपाउंडिंग का लाभ कई गुना बढ़ जाता है। उदाहरण के तौर पर, यदि आप 10–15 साल तक नियमित एसआईपी करते हैं, तो छोटी-छोटी मासिक बचत भी बड़ा फंड बना सकती है। देर से शुरुआत करने पर आपको अधिक रकम निवेश करनी पड़ सकती है, जिससे घरेलू बजट पर दबाव बढ़ सकता है।

एक निवेश विकल्प पर निर्भर न रहें

अक्सर लोग पूरे शिक्षा फंड को इक्विटी म्यूचुअल फंड में निवेश कर देते हैं और फीस भरने तक उसे वहीं रखते हैं। लेकिन यदि फीस के समय बाजार में गिरावट आ जाए, तो आपके फंड की वैल्यू घट सकती है। इसलिए जरूरी है कि जैसे-जैसे फीस का समय नजदीक आए, निवेश को सुरक्षित विकल्पों में शिफ्ट किया जाए। उदाहरण के लिए लक्ष्य से 3–4 साल पहले धीरे-धीरे डेट फंड या एफडी में ट्रांसफर करें। अंतिम 1–2 साल में जोखिम बहुत कम कर दें और पैसा लिक्विड या सुरक्षित साधनों में रखें। यह रणनीति आपको बाजार के उतार-चढ़ाव से बचाती है।

शिक्षा महंगाई का सही अनुमान लगाएं

भारत में शिक्षा महंगाई दर सामान्य महंगाई से अधिक, लगभग 8–12% तक मानी जाती है। यदि आज किसी कोर्स की फीस 10 लाख रुपये है, तो 10 साल बाद वही कोर्स 20–25 लाख रुपये तक हो सकता है। इसलिए भविष्य की लागत का अनुमान लगाते समय महंगाई को शामिल करना जरूरी है। केवल वर्तमान फीस देखकर योजना बनाना पर्याप्त नहीं है।

अन्य खर्चों को भी जोड़ें

अक्सर माता-पिता केवल ट्यूशन फीस को ध्यान में रखकर फंड बनाते हैं, जबकि वास्तविक खर्च इससे कहीं अधिक होता है। विशेषकर विदेश में पढ़ाई के मामले में रहने और खाने का खर्च, हेल्थ इंश्योरेंस, यात्रा खर्च, लैपटॉप और अन्य गैजेट्स, एप्लिकेशन फीस, इंटर्नशिप या प्रोजेक्ट खर्च इन सभी खर्चों को जोड़कर ही वास्तविक लक्ष्य तय करें। विदेश में पढ़ाई का खर्च तो डॉलर या अन्य विदेशी मुद्रा में होने के कारण और भी बढ़ सकता है।

एजुकेशन लोन से न घबराएं

कई माता-पिता एजुकेशन लोन को नकारात्मक नजर से देखते हैं, लेकिन यह सोच हमेशा सही नहीं होती। यदि समझदारी से लिया जाए, तो एजुकेशन लोन रिटायरमेंट सेविंग्स को बचाने में मदद कर सकता है। उदाहरण के लिए, यदि आपके पास शिक्षा और रिटायरमेंट दोनों के लिए सीमित फंड है, तो शिक्षा के लिए आंशिक लोन लेकर आप अपने रिटायरमेंट कॉर्पस को सुरक्षित रख सकते हैं। इसके अलावा, एजुकेशन लोन पर टैक्स लाभ भी मिलता है और पढ़ाई पूरी होने के बाद बच्चे खुद इसे चुकाने में योगदान दे सकते हैं।

रिटायरमेंट से समझौता न करें

बच्चों की पढ़ाई महत्वपूर्ण है, लेकिन अपनी रिटायरमेंट सुरक्षा को नजरअंदाज करना भविष्य में आर्थिक संकट पैदा कर सकता है। शिक्षा के लिए आप लोन ले सकते हैं, लेकिन रिटायरमेंट के लिए नहीं। इसलिए दोनों लक्ष्यों में संतुलन बनाना जरूरी है।

नियमित समीक्षा करें

हर साल अपनी योजना की समीक्षा करें। यदि आपकी आय बढ़ती है, तो SIP की राशि भी बढ़ाएं। अगर लक्ष्य की लागत बदलती है या बच्चे की रुचि अलग दिशा में जाती है, तो योजना में संशोधन करें।

अनुशासन ही सफलता की कुंजी

बढ़ती महंगाई के इस दौर में बच्चों की उच्च शिक्षा के लिए पहले से तैयारी करना अनिवार्य हो गया है। केवल बचत नहीं, बल्कि स्मार्ट निवेश, जोखिम प्रबंधन और समय पर समीक्षा ही मजबूत शिक्षा फंड का आधार बनते हैं। जल्दी शुरुआत, विविध निवेश, महंगाई का सही अनुमान और जरूरत पड़ने पर एजुकेशन लोन ये सभी कदम मिलकर आपके बच्चे के सपनों को साकार कर सकते हैं।

प्राइवेट नौकरी वाले जान लें अहम टिप्स

आर्थिक रूप से रहेंगे मजबूत

- अपने वेतन का करीब 20 फीसदी शुरू से ही निवेश करें
- अपना बजट बनाएं, लक्ष्य तय करें और गैरजरूरी खर्चों से बचें
- सैलरी 10% बढ़ती है, तो कम से कम 5% अतिरिक्त निवेश करें
- व्यक्तिगत हेल्थ इंश्योरेंस जरूर लें, यह बीमारी में काम आएगा

सुझाव

बिजनेस डेस्क

प्राइवेट सेक्टर में नौकरी करने वाले लाखों युवाओं के लिए करियर की शुरुआत उत्साह और सपनों से भरी होती है। अच्छी सैलरी, कॉर्पोरेट लाइफस्टाइल और तेजी से बढ़ते अवसर आकर्षित करते हैं, लेकिन इस चमक-दमक के पीछे एक सच्चाई भी है प्राइवेट नौकरी में सरकारी कर्मचारियों जैसी पेंशन, स्थायी सुरक्षा या व्यापक सामाजिक लाभ अक्सर उपलब्ध नहीं होते। ऐसे में यदि वित्तीय योजना मजबूत न हो, तो भविष्य असुरक्षित हो सकता है। करियर की शुरुआत में की गई छोटी वित्तीय गलतियां समय के साथ बड़ी समस्या बन जाती हैं। इसलिए जरूरी है कि शुरुआत से ही सतर्क रहें और कुछ सामान्य लेकिन गंभीर वित्तीय भूलों से बचें।

अनियंत्रित जीवनशैली की शुरुआत

अक्सर युवा नौकरी लगते ही खर्च की आजादी का आनंद लेने लगते हैं। सैलरी आते ही किराया, घूमना-फिरना, गैजेट्स और ऑनलाइन शॉपिंग पर पैसा खर्च हो जाता है। लेकिन यदि आय और खर्च का स्पष्ट बजट न हो, तो बचत पीछे छूट जाती है। वित्तीय स्थिरता की पहली शर्त है बजट बनाना। 50-30-20 फॉर्मूला एक आसान तरीका है। इसमें 50% आय जरूरी खर्चों के लिए, 30% लाइफस्टाइल और शौक के लिए तथा 20% बचत और निवेश के लिए रखा जाता है। समस्या तब होती है जब लोग बचत वाले हिस्से को टाल देते हैं। कई बार दिखावे या सामाजिक दबाव में जरूरत से ज्यादा खर्च कर बैठते हैं। याद रखें, कमाई से ज्यादा जरूरी है पैसे का प्रबंधन।

वेतन बढ़ा, बचत नहीं

प्राइवेट सेक्टर में समय-समय पर इंक्रीमेंट और प्रमोशन मिलते हैं। लेकिन अक्सर देखा गया है कि वेतन बढ़ते ही खर्च भी उसी अनुपात में बढ़ जाता है। इसे लाइफस्टाइल इन्फ्लेशन कहते हैं। नई कार, महंगा मोबाइल, ब्रांडेड कपड़े, बार-बार ट्रैवल ये सब बढ़ती आय के साथ जुड़ जाते हैं। नतीजा यह होता है कि बचत की दर स्थिर ही रहती है या घट जाती है। समझदारी यह है कि हर वेतन वृद्धि के साथ निवेश भी बढ़ाया जाए।

निवेश को टालना

अभी तो करियर की शुरुआत है, बाद में निवेश करेंगे यह सोच सबसे खतरनाक है। निवेश में समय सबसे बड़ा हथियार है। जितनी जल्दी शुरुआत करेंगे, उतना ही कंपाउंडिंग का फायदा मिलेगा। मान लीजिए कोई व्यक्ति 25 साल की उम्र से हर महीने 5,000 रुपये एसआईपी में निवेश करता है और दूसरा 35 साल की उम्र से 10,000 रुपये। लंबे समय में पहले व्यक्ति का फंड अधिक हो सकता है, क्योंकि उसे 10 साल का अतिरिक्त समय मिला। प्राइवेट नौकरी में पेंशन की गारंटी नहीं होती। इसलिए रिटायरमेंट फंड बनाना आपकी जिम्मेदारी है। म्यूचुअल फंड एसआईपी, पीपीएफ, एनपीएस या अन्य लंबी अवधि के साधनों में नियमित निवेश जरूरी है।

इमरजेंसी फंड की अनदेखी

प्राइवेट सेक्टर में नौकरी की स्थिरता सीमित हो सकती है। अचानक छंटनी, कंपनी बंद होना या व्यक्तिगत कारणों से नौकरी छोड़नी पड़ सकती है। ऐसे समय में यदि इमरजेंसी फंड न हो, तो आपको कर्ज लेना पड़ सकता है या निवेश तोड़ना पड़ सकता है। कम से कम 6 से 9 महीने के खर्च के बराबर राशि रखें।

बीमा को हल्के में लेना

कई लोग सोचते हैं कि कंपनी द्वारा दिया गया ग्रुप हेल्थ इंश्योरेंस पर्याप्त है। लेकिन नौकरी बदलते ही यह सुविधा खत्म हो सकती है। इसलिए व्यक्तिगत हेल्थ इंश्योरेंस लेना जरूरी है। इसके अलावा, यदि परिवार आप पर निर्भर है, तो टर्म लाइफ इंश्योरेंस अनिवार्य है। यह कम प्रीमियम में बड़ी सुरक्षा देता है।

कर्ज का गलत इस्तेमाल

क्रेडिट कार्ड का अत्यधिक उपयोग और पर्सनल लोन लेना भी बड़ी वित्तीय गलती है। 18% से 36% तक ब्याज दर आपकी बचत को खत्म कर सकती है। कर्ज लें तो केवल जरूरी जरूरतों के लिए, जैसे होम लोन।

अनुशासन ही असली सुरक्षा

प्राइवेट नौकरी में अवसर बहुत हैं, लेकिन जोखिम भी कम नहीं। यहां भविष्य की सुरक्षा आपके अपने हाथ में है। बजट बनाना, लाइफस्टाइल पर नियंत्रण, समय पर निवेश, पर्याप्त बीमा और इमरजेंसी फंड ये पांच स्तंभ आपकी आर्थिक मजबूती की नींव हैं। वहीं, आज का अनुशासन आपको आर्थिक स्वतंत्रता और मानसिक शांति दे सकता है।

शेयर बाजार की बदहाली से इक्विटी म्यूचुअल फंड में घटा निवेश

जानकारी

बिजनेस डेस्क

- गोल्ड ईटीएफ में निवेश 106% बढ़ा
- शेयर बाजार में इन दिनों खूब दिख रही उठापटक
- आम निवेशकों का सेंटिमेंट प्रभावित हुआ

शेयर बाजार में इन दिनों उठा-पटक का दौर चल रहा है। किसी दिन शेयर बाजार का सूचकांक कुलांचे भरते हुए ऊपर चढ़ जाता है तो किसी दिन जमीन पर लोटने लगता है। तभी तो इस साल के पहले महीने यानी जनवरी 2026 में इक्विटी म्यूचुअल फंड में निवेश थोड़ा कम हुआ। स्थिति यह रही कि इस महीने गोल्ड ईटीएफ में इक्विटी म्यूचुअल फंड के मुकाबले ज्यादा निवेश हुआ। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स ऑफ इंडिया (एएमएफआई) के आंकड़ों के मुताबिक जनवरी महीने के दौरान इक्विटी म्यूचुल फंड्स में 24,028 करोड़ रुपये आए। इससे एक महीने पहले यानी दिसंबर 2025 के दौरान 28,054 करोड़ रुपये आए थे। मतलब कि इस महीने निवेश में 14% की कमी आई है। यदि साल दर साल के आधार पर देखें तो जनवरी 2025 की तुलना में इस साल जनवरी में यह गिरावट 39% रही है। पिछले साल जनवरी के दौरान इस फंड में 39,687 करोड़ रुपये का निवेश हुआ था।

इक्विटी फंड्स में कौन पहली पसंद जनवरी के दौरान अलग-अलग तरह के इक्विटी फंडों में, फ्लेक्सीकैप फंड निवेशकों की पहली पसंद बने रहे। इनमें सबसे ज्यादा 7,672 करोड़ रुपये का निवेश आया। इसके बाद मिडकैप फंड में 3,185 करोड़ रुपये और लार्ज एंड मिड-कैप फंड में 3,181 करोड़ रुपये का निवेश आया। स्मॉलकैप फंड में 2,942 करोड़ रुपये आए, लेकिन ईएलएसएस फंड से निवेशकों ने 593 करोड़ रुपये निकाल लिए। अगर पिछले महीने से तुलना करें, तो फोकस्ड फंड में निवेश 47% बढ़ा। दिसंबर 2025 में इनमें 1,056 करोड़ रुपये आए थे, जो जनवरी 2026 में बढ़कर 1,556 करोड़ रुपये हो गए। लार्जकैप फंड और सेक्टोरल/थीमैटिक फंड में भी पिछले महीने की तुलना में क्रमशः 28% और 10% ज्यादा निवेश आया। वहीं, मिड-कैप और स्मॉल-कैप फंड में निवेश पिछले महीने के मुकाबले 24% और 23% घट गया।

डेट फंड का चला जादू

जनवरी 2026 के दौरान डेट फंड में 74,827 करोड़ रुपये का निवेश आया। यह अच्छी खबर है क्योंकि पिछले दो महीनों (नवंबर और दिसंबर 2025) में डेट फंड से कुल 1.58 लाख करोड़ रुपये बाहर चले गए थे। पिछले साल जनवरी की तुलना में इस साल डेट फंड में निवेश 42% कम रहा, जब 1.28 लाख करोड़ रुपये आए थे। डेट फंड की 16 अलग-अलग श्रेणियों में से, ओवरनाइट फंड में सबसे ज्यादा 46,280 करोड़ रुपये का निवेश आया। वहीं, कॉर्पोरेट बॉन्ड फंड से 11,472 करोड़ रुपये निकाल लिए गए। लिक्विड फंड में 30,681 करोड़ रुपये और मनी मार्केट फंड में 12,763 करोड़ रुपये का निवेश आया।

हाइब्रिड फंड में भी रौनक

बीते जनवरी महीने के दौरान हाइब्रिड फंड में 17,356 करोड़ रुपये का निवेश आया। यह दिसंबर 2025 के 10,755 करोड़ रुपये की तुलना में 61% ज्यादा है। पिछले साल जनवरी 2025 की तुलना में यह आंकड़ा 98% बढ़ा है, जब 8,767 करोड़ रुपये का निवेश आया था। हाइब्रिड फंड की छह श्रेणियों में से, मल्टी-एसेट एलोकेशन फंड में सबसे ज्यादा 10,485 करोड़ रुपये का निवेश आया। इसके बाद आर्बिट्राज फंड में 3,293 करोड़ रुपये आए। आर्बिट्राज फंड में तो पिछले महीने के मुकाबले निवेश में 2,507% की भारी बढ़ोतरी हुई, जो दिसंबर 2025 में सिर्फ 126 करोड़ रुपये था। हालांकि, इक्विटी सेविंग्स फंड और कंजरवेटिव हाइब्रिड फंड में पिछले महीने के मुकाबले क्रमशः 81% और 35% की गिरावट आई।

ईटीएफ में खूब हुआ निवेश

अन्य स्कीमों, जिनमें ईटीएफ और इंडेक्स फंड जैसे पैसिव फंड शामिल हैं, में जनवरी में 39,954 करोड़ रुपये का निवेश आया। यह दिसंबर 2025 के 26,723 करोड़ रुपये से 50% ज्यादा है। गोल्ड ईटीएफ में तो सबसे ज्यादा 24,039 करोड़ रुपये का निवेश आया, जो पिछले महीने के मुकाबले 106% ज्यादा है। हो सकता है कि सोने की कीमतों में तेज बढ़ोतरी की वजह से निवेशक इस ओर आकर्षित हुए। अन्य ईटीएफ में 15,005 करोड़ रुपये का निवेश आया। विदेशों में निवेश करने वाले फंड-ऑफ-फंड में भी भारी उछाल देखा गया।

चालीस की उम्र में कर रहे हैं रिटायरमेंट प्लानिंग तो अपना लें ये अहम टिप्स

इस उम्र में भविष्य की आर्थिक सुरक्षा की असली तैयारी शुरू होती हैं, अच्छी रणनीति बनाकर निवेश करेंगे तो नहीं होगी परेशानी, भविष्य सुरक्षित रहेगा।

शुरुआत

बिजनेस डेस्क

सबसे पहले आय, खर्च, ईएमआई व निवेश की स्थिति समझें

रिटायरमेंट प्लानिंग अक्सर लोग 50 की उम्र के बाद शुरू करने की सोचते हैं, लेकिन सच्चाई यह है कि 40 की उम्र वह मोड़ है, जहां से भविष्य की आर्थिक सुरक्षा की असली तैयारी शुरू होती है। यह उम्र आमतौर पर करियर का सबसे स्थिर और आय का सबसे मजबूत दौर होता है। आमदनी अपने शिखर की ओर बढ़ रही होती है, लेकिन साथ ही जिम्मेदारियां भी बढ़ जाती हैं। बच्चों की पढ़ाई, होम लोन की ईएमआई, माता-पिता की देखभाल और जीवनशैली से जुड़े खर्च। ऐसे में यदि आपने अब तक रिटायरमेंट के बारे में गंभीरता से नहीं सोचा है, तो अब वक्त है इसे प्राथमिकता देने का। 40 की उम्र में रिटायरमेंट प्लानिंग का मतलब है सीमित समय में अधिक प्रभावी रणनीति अपनाना। आपके पास अब 20–25 साल का कार्यकाल बचा हो सकता है। इस दौरान सही निवेश, अनुशासन और जोखिम प्रबंधन से आप एक मजबूत रिटायरमेंट कॉर्पस तैयार कर सकते हैं। सबसे पहले अपनी आय, खर्च, ईएमआई, मौजूदा निवेश और बीमा की स्थिति को स्पष्ट रूप से समझें। हर महीने कितना पैसा बचता है और कितना खर्च होता है, इसका विस्तृत विश्लेषण करें। इसके साथ ही महंगाई दर, भविष्य के मेडिकल खर्च और रिटायरमेंट के बाद की जीवनशैली को ध्यान में रखते हुए यह अनुमान लगाएं कि आपको कितनी रकम की जरूरत होगी। विशेषज्ञ मानते हैं कि रिटायरमेंट के बाद भी वर्तमान खर्च का कम से कम 70–80% हर महीने चाहिए होगा।

रिटायरमेंट को प्राथमिकता बनाएं

अक्सर लोग बच्चों की पढ़ाई या घर खरीदने को प्राथमिकता देते हैं और रिटायरमेंट को टालते रहते हैं। लेकिन याद रखें, बच्चों को शिक्षा के लिए लोन मिल सकता है, रिटायरमेंट के लिए नहीं। ईपीएफ, पीपीएफ, एनपीएस और म्यूचुअल फंड एसआईपी जैसे साधनों में नियमित निवेश बढ़ाएं। कोशिश करें कि अपनी आय का कम से कम 15–25% हिस्सा रिटायरमेंट के लिए सुरक्षित रखें। यदि संभव हो तो हर साल आय बढ़ने के साथ निवेश राशि भी बढ़ाएं।

महंगे कर्ज से जल्दी छुटकारा पाएं

क्रेडिट कार्ड और पर्सनल लोन पर 12% से 24% तक ब्याज देना आपकी संपत्ति निर्माण की क्षमता को कमजोर करता है। ऐसे कर्ज को प्राथमिकता से खत्म करें। होम लोन अपेक्षाकृत सस्ता होता है, लेकिन यदि अतिरिक्त राशि उपलब्ध हो तो प्री-पेमेंट जरूर करें। कर्ज मुक्त जीवन रिटायरमेंट की दिशा में बड़ा कदम है।

इमरजेंसी फंड बनाना न भूलें

रिटायरमेंट निवेश के साथ-साथ एक मजबूत इमरजेंसी फंड होना भी जरूरी है। कम से कम 6 से 9 महीने के खर्च के बराबर राशि सेविंग अकाउंट या लिक्विड फंड में रखें। यह फंड अचानक नौकरी छूटने, बीमारी या किसी अप्रत्याशित खर्च के समय सुरक्षा कवच का काम करेगा। इससे आपको निवेश तोड़ने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

टैक्स प्लानिंग से बढ़ाएं बचत

सही टैक्स प्लानिंग से आप अपनी निवेश क्षमता बढ़ा सकते हैं। आयकर की धारा 80सी, एनपीएस में अतिरिक्त निवेश (80सीसीडी(1बी), हेल्थ इंश्योरेंस (80डी) और कैपिटल गेन प्लानिंग का लाभ उठाएं। टैक्स बचत केवल बचत नहीं है, बल्कि आपके भविष्य के लिए अतिरिक्त निवेश का अवसर है।

पर्याप्त बीमा सुरक्षा सुनिश्चित करें

40 की उम्र में परिवार आप पर निर्भर होता है। इसलिए पर्याप्त टर्म लाइफ इंश्योरेंस जरूर लें, जो कम से कम आपकी वार्षिक आय का 10–15 गुना हो। साथ ही, एक अच्छा हेल्थ इंश्योरेंस प्लान भी रखें, क्योंकि उम्र बढ़ने के साथ मेडिकल खर्च तेजी से बढ़ते हैं। समय-समय पर अपनी पॉलिसी की समीक्षा करना भी जरूरी है। बच्चों की शिक्षा एक महत्वपूर्ण लक्ष्य है, लेकिन इसे रिटायरमेंट की कीमत पर पूरा करना समझदारी नहीं है। शिक्षा के लिए अलग निवेश योजना बनाएं, जैसे कि इक्विटी म्यूचुअल फंड या चाइल्ड प्लान। ध्यान रखें कि लंबी उम्र एक बड़ा वित्तीय जोखिम है। यदि रिटायरमेंट फंड पर्याप्त नहीं होगा, तो बाद में आर्थिक निर्भरता की स्थिति बन सकती है।

नियमित समीक्षा सफलता की कुंजी

रिटायरमेंट प्लानिंग एक बार का निर्णय नहीं, बल्कि निरंतर प्रक्रिया है। हर साल अपने निवेश, खर्च और लक्ष्यों की समीक्षा करें। यदि आपकी आय बढ़ती है या जिम्मेदारियां कम होती हैं, तो निवेश की गति बढ़ाएं। पोर्टफोलियो में इक्विटी और डेट का संतुलन उम्र के अनुसार रखें। जैसे-जैसे रिटायरमेंट नजदीक आए, जोखिम कम करते जाएं।

स्पष्ट रणनीति अपनाएं

40 की उम्र में रिटायरमेंट प्लानिंग शुरू करना देर नहीं है, बशर्ते आप अनुशासित और स्पष्ट रणनीति अपनाएं। सही दिशा में उठाया गया कदम आपको आर्थिक स्वतंत्रता और सम्मानजनक जीवन दे सकता है। याद रखें, रिटायरमेंट कोई अंत नहीं, बल्कि जीवन का नया अध्याय है और इसकी तैयारी आज से ही शुरू होती है।

बांग्लादेश में हुए आम चुनावों में बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी यानी बीएनपी ने बड़ी जीत हासिल की है। यह जीत 20 साल बाद बीएनपी की सत्ता में वापसी है। पार्टी के नेता और पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के बेटे तारिक रहमान अब बांग्लादेश के अगले प्रधानमंत्री बनने की राह पर हैं। अहम सवाल यह है कि बांग्लादेश में बीएनपी की सरकार का कार्यकाल भारत के लिए कैसा होगा? ज्ञातव्य है कि 2024 में शेख हसीना की सरकार गिरने के बाद, मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार आई, लेकिन उसके बाद से वहां अल्पसंख्यकों पर हमलों की बाढ़ आ गई। शेख हसीना को भारत द्वारा राजनीतिक शरण दिए जाने के पश्चात तो बांग्लादेश में उनके मुखालिफ राजनेताओं का रुख भारत के प्रति बेहद विरोधी और तल्ख होता हुआ दिखाई दिया। अब बीएनपी ने चुनाव में हिंदू उम्मीदवार दिए हैं और जमात ने भी एक हिंदू को टिकट दिया। तारिक रहमान ने कहा है कि उनकी सरकार सबको सुरक्षा देगी। हालांकि, इतिहास देखकर डर लगता है। बीएनपी के विगत कार्यकालों में जो भी कड़वाहटें और मतभेद रहे हों, उनको पूर्णतः भुलाकर भारत आगे बढ़ाने के लिए तत्पर प्रतीत हो रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जो दोस्ती का पैगाम तारिक रहमान को दिया है, उससे भारत और बांग्लादेश के मध्य परस्पर संबंध सुधारने के सकारात्मक संकेत मिल रहे हैं। इन्हीं हालातों की पड़ताल करता *आजकल* का यह खास अंक...

बीएनपी की जीत के भारत के लिए मायने

विश्लेषण

रवि शंकर

वरिष्ठ पत्रकार

बांग्लादेश में हुए आम चुनावों में बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी यानी बीएनपी ने बड़ी जीत हासिल की है। पार्टी ने संसद की 299 सीटों में से कम से कम 210 से ज्यादा सीटें जीती हैं, जो दो-तिहाई बहुमत है। यह जीत 20 साल बाद बीएनपी की सत्ता में वापसी है। पार्टी के नेता और पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के बेटे तारिक रहमान अब बांग्लादेश के अगले प्रधानमंत्री बनने की राह पर हैं। अहम सवाल यह है कि बांग्लादेश में बीएनपी की सरकार का कार्यकाल भारत के लिए कैसा होगा? क्या यह खालिदा जिया के कार्यकाल की तरह होगा, जहां बांग्लादेश में हर समस्या के लिए भारत पर आरोप लगाया जाता था और भारत-विरोधी नैरेटिव चलाया जाता था? या फिर बीएनपी नए अवतार में सामने आएगी और भारत के साथ संबंध बेहतर बनाकर अवसर को भुनाएगी?

बांग्लादेश में बीएनपी की सरकार जब भी रही है, तब भारत के साथ संबंधों में गर्मजोशी नहीं रही है। ऐसे में तारिक रहमान की अगुआई वाली बीएनपी का रुख क्या होगा? इस सवाल को लेकर चर्चाएं शुरू हो चुकी हैं। बीएनपी की स्थापना 1978 में जियाउर रहमान ने की थी, जो भारत से दूरी और संप्रभुता पर जोर देती थी।

बीएनपी की विचारधारा इस्लामी राष्ट्रवाद और 'बांग्लादेश फर्स्ट' पर आधारित है। यह अवामी लीग की भारत-समर्थक और सेक्युलर नीति से अलग थी। खालिदा जिया के कार्यकाल 1991-96 और 2001-06 में संबंध सबसे खराब रहे। भारत ने बीएनपी पर आरोप लगाया कि वह उत्तर-पूर्व के उग्रवादी गुटों को शरण देती है, बॉर्डर पर घुसपैठ और आतंकवाद को बढ़ावा देती है। बीएनपी ने भारत पर बॉर्डर किलिंग्स, पानी बंटवारे और ट्रांजिट जैसे मुद्दों पर कड़ी आलोचना की। 2001-06 में बीएनपी-जमात गठबंधन के दौरान संबंध निचले स्तर पर पहुंच गए थे।

बीएनपी का इस्लामी राष्ट्रवाद

बीएनपी की विचारधारा इस्लामी राष्ट्रवाद और 'बांग्लादेश फर्स्ट' पर आधारित है। यह अवामी लीग की भारत-समर्थक और सेक्युलर नीति से अलग थी। खालिदा जिया के कार्यकाल 1991-96 और 2001-06 में संबंध सबसे खराब रहे। भारत ने बीएनपी पर आरोप लगाया कि वह उत्तर-पूर्व के उग्रवादी गुटों को शरण देती है, बॉर्डर पर घुसपैठ और आतंकवाद को बढ़ावा देती है। बीएनपी ने भारत पर बॉर्डर किलिंग्स, पानी बंटवारे और ट्रांजिट जैसे मुद्दों पर कड़ी आलोचना की। 2001-06 में बीएनपी-जमात गठबंधन के दौरान संबंध निचले स्तर पर पहुंच गए। अवामी लीग की शेख हसीना के दौर 2009-2024 में अवामी लीग की भारत-समर्थक नीतियों के कारण बीएनपी को विपक्ष में रहते हुए भारत-विरोधी नैरेटिव अपनाना पड़ा। अवामी लीग भारत-समर्थक थी, जबकि बीएनपी भारत को संदेह की नज़र से देखती रही, लेकिन 2024-2025 में एक बड़ा टर्निंग पॉइंट आ गया। छात्र आंदोलन से शेख हसीना की सरकार गिरी और वे भारत में शरण लेने को मजबूर हुईं। इसके बाद भारत-बांग्लादेश संबंध सबसे खराब दौर में पहुंचे।

मुलाकात के सकारात्मक संकेत

भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने हाल में ढाका जाकर तारिक से मुलाकात की, जो सकारात्मक संकेत है। हाल के समय में बीएनपी रिश्ते सुधारने की कोशिश कर रही है। तारिक ने कहा कि बीएनपी भारत से अच्छे रिश्ते चाहती है, लेकिन बांग्लादेश के हित पहले हैं। वे अर्थव्यवस्था-आधारित विदेश नीति चाहते हैं और भारत से 'सम्मान और बराबरी' पर रिश्ते। उनके संकेत बताते हैं कि वे हसीना के समय की 'निर्भरता' से दूर रहेंगे, लेकिन संघर्ष नहीं चाहते। बहरहाल, दोनों देशों के बीच व्यापार, सुरक्षा और सीमा के मुद्दे जुड़े हैं। शेख हसीना के समय भारत-बांग्लादेश रिश्ते गोल्डन एरा में थे, लेकिन 2024 के आंदोलन के बाद तनाव बढ़ा। क्योंकि भारत की बांग्लादेश नीति हसीना पर ज़्यादा निर्भर थी, जो अब एक गंभीर रणनीतिक भूल के रूप में देखी जा रही है। सुरक्षा और व्यापार में घनिष्ठ सहयोग के बदले भारत ने लोकतंत्र से जुड़ी चिंताओं को अपेक्षाकृत कम महत्व दिया। चीन ने लंबी अवधि के निवेशों के माध्यम से अपनी स्थिति को मज़बूत किया, जो राजनीतिक परिवर्तनों के बावजूद टिके रह सकें।

भारतीय कपास पर निर्भरता

दूसरी तरफ अमेरिका ने इसमें एक नया आयाम जोड़ा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिकी कच्चे माल से बने कुछ बांग्लादेशी वस्त्र निर्यात पर ज़ीरो टैरिफ़ कर दिया है। बांग्लादेश का कपड़ा उद्योग उसकी अर्थव्यवस्था की जीवनरेखा है। चीन के बाद बांग्लादेश दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा कपड़ा निर्यातक है। बता दें, भारत-बांग्लादेश के बीच सालाना 14 अरब डॉलर का व्यापार है। इससे भारत को करीब 10 अरब डॉलर का सरप्लस मिलता है। बांग्लादेश का वस्त्र उद्योग भारतीय कपास पर काफी हद तक निर्भर है। अगर बांग्लादेश ने इसके लिए चीन की ओर झुकाव दिखाया तो भारतीय निर्यात, खासकर कपास के किसानों पर इसका असर देखने को मिल सकता है। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी बीएनपी की जीत पर बधाई दी है। उन्होंने एक्स पर लिखा कि भारत एक लोकतांत्रिक, प्रगतिशील और समावेशी बांग्लादेश के समर्थन में खड़ा रहेगा। मैं बहुआयामी संबंधों को मज़बूत करने और साझा विकास लक्ष्यों को आगे बढ़ाने के लिए तारिक़ रहमान साथ काम करने के लिए उत्सुक हूं। साफ है, पीएम मोदी का बधाई संदेश यह भी जा रहा है कि भारत बांग्लादेश की नई सरकार के साथ संबंधों को सुधारना चाहता है। भारत चाहता है कि पिछले 18 महीनों की उथल-पुथल को पीछे छोड़कर, जिसमें बांग्लादेश का चीन और पाकिस्तान के साथ बढ़ता संपर्क और हिंदू अल्पसंख्यकों की हत्याएं शामिल रहीं, एक स्थिर और कामकाजी रिश्ता बनाया जाए, ताकि दशकों पुराना सहयोगी साथ बना रहे।

शेख हसीना के दौर में दिल्ली और ढाका के रिश्ते स्थिर माने जाते थे। उनके कार्यकाल में व्यापार, परिवहन, सीमा सुरक्षा और जल बंटवारे पर ध्यान दिया गया। हालांकि दोनों मुल्कों के बीच कई विवादित मुद्दे अब भी बने हुए हैं, जिनमें तीस्ता नदी का प्रश्न शामिल है।

पुराने संबंध बहाल के प्रयास

भारत की कोशिश रहेगी कि अगर पुराने संबंध बहाल न हों तो भी आगे और रणनीतिक दूरी न पैदा हो, क्योंकि दोनों देशों के संबंध कई दशकों में सबसे निचले स्तर पर हैं। ढाका में यह धारणा व्यापक है कि दिल्ली ने अपदस्थ प्रधानमंत्री हसीना का समर्थन कर लोकतांत्रिक गिरावट को बढ़ावा दिया। इस सोच ने भारत विरोधी भावनाओं को तेज किया है और उस संबंध को कमजोर कर दिया है, जिसे कभी आदर्श पड़ोसी संबंध कहा जाता था। बहरहाल, रिश्ते सुधारने के लिए दोनों पक्षों को प्रयास करने होंगे। दोनों देशों को मिलकर काम करना होगा, ताकि सीमा सुरक्षित रहे, व्यापार बढ़े और अल्पसंख्यक सुरक्षित रहें।

हिंदुओं को अभी परखना होगा नई सरकार को

मुद्दा

विवेक शुक्ला

वरिष्ठ पत्रकार

बांग्लादेश में 12 फरवरी को हुए आम चुनावों ने सबको चौंका दिया है। इन चुनावों में बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) ने भारी बहुमत हासिल कर लिया। तारिक रहमान अब नए प्रधानमंत्री बनने वाले हैं और उनकी पार्टी ने 209 से ज्यादा सीटें जीतीं, जो दो-तिहाई बहुमत है। जमायते-ए- इस्लामी जैसी इस्लामी पार्टी दूसरे नंबर पर आई है, लेकिन बीएनपी की जीत से लगता है कि लोग बदलाव चाहते हैं। 2024 के छात्र विद्रोह के बाद शेख हसीना की अवामी लीग को बैन कर दिया गया था और ये पहला चुनाव था, जहां लोग आजादी से वोट डाल सके। अब सवाल ये है कि क्या इस नई सरकार में हिंदुओं और दूसरे अल्पसंख्यकों को सुरक्षा मिलेगी, या उनकी हालत पहले जैसी ही खराब रहेगी? ये सिर्फ एक देश की नहीं, बल्कि इंसानियत की बात है। सबसे पहले तो बांग्लादेश के इतिहास को समझना जरूरी है। 1971 में जब बांग्लादेश पाकिस्तान से अलग हुआ, तो वो धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र के रूप में बना था। उसके बाद से अल्पसंख्यकों, खासकर हिंदुओं की हालत लगातार खराब होती गई। उस समय हिंदू आबादी 30 फीसद के करीब थी, लेकिन अब घटकर 8-9 फीसद रह गई है। बार-बार हमले, लूटपाट, बलात्कार और जमीन हड़पने की घटनाएं हुईं। अवामी लीग के समय में भी हमले होते थे, लेकिन बीएनपी और जमात के साथ मिलकर सरकार बनने पर ये और बढ़ जाते थे। हजारों घर जलाए गए, महिलाओं के साथ जुल्म हुए और कई लोग मारे गए। मानवाधिकार संगठनों ने रिपोर्ट की कि ये हमले बीएनपी के समर्थकों और जमायते- ए- इस्तामी के लोगों ने किए थे, क्योंकि हिंदुओं को अवामी लीग का समर्थक माना जाता था। 1971 के मुक्ति संग्राम में जमात ने पाकिस्तान का साथ दिया था और हिंदुओं के खिलाफ अत्याचार किए थे। बीएनपी की जीत से पुरानी यादें ताजा हो रही हैं। अब बात करें हाल की। 2024 में शेख हसीना की सरकार गिरने के बाद, मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार आई, लेकिन उसके बाद से अल्पसंख्यकों पर हमलों की बाढ़ आ गई। हिंदू घरों को जलाया गया, मंदिर तोड़े गए, और लोग मारे गए। चुनाव से पहले ये हमले और बढ़ गए। ये हमले सिर्फ हिंदुओं पर नहीं, बल्कि बौद्ध, ईसाई और आदिवासी समुदायों पर भी हुए। कई लोग कहते हैं कि ये हमले धार्मिक नहीं, बल्कि राजनीतिक हैं, क्योंकि हिंदुओं को अवामी लीग का समर्थक माना जाता है, तो बदला लिया जा रहा है। बांग्लादेश सरकार कहती है कि ज्यादातर घटनाएं सांप्रदायिक नहीं, बल्कि साधारण अपराध हैं। लेकिन मानवाधिकार संगठन और हिंदू नेता कहते हैं कि ये सिस्टेमैटिक है, और चुनाव के समय में बढ़ रहा है। बीएनपी ने चुनाव में हिंदू उम्मीदवार दिए हैं, और जमात ने भी एक हिंदू को टिकट दिया। तारिक रहमान ने कहा है कि उनकी सरकार सबको सुरक्षा देगी। लेकिन इतिहास देखकर डर लगता है। अगर जमात के साथ गठबंधन हुआ, तो इस्लामी कानूनों की मांग बढ़ सकती है, जो अल्पसंख्यकों के लिए मुश्किल होगी। अब सवाल ये है कि क्या हालत सुधरेगी? बीएनपी की जीत से कुछ लोग उम्मीद कर रहे हैं। चुनाव में वोटर टर्नआउट 59 फीसद था, और लोग लोकतंत्र चाहते हैं। बीएनपी ने अर्थव्यवस्था सुधारने और लोकतंत्र बहाल करने का वादा किया है, लेकिन अल्पसंख्यकों के लिए ये टेस्ट होगा। अगर सरकार ने सख्त कदम नहीं उठाए, तो हमले जारी रहेंगे। अंतरराष्ट्रीय समुदाय, खासकर भारत को दबाव बनाना चाहिए। भारत ने पहले ही कहा है कि अल्पसंख्यकों की सुरक्षा जरूरी है। सोशल मीडिया पर भी लोग बात कर रहे हैं, जैसे एक यूजर ने कहा कि बीएनपी की जीत से हिंदुओं की सुरक्षा मजबूत होनी चाहिए, लेकिन निगरानी जरूरी है। ये कोई राजनीतिक खेल नहीं है। ये लाखों लोगों की जिंदगी का सवाल है। बांग्लादेश में हिंदू, बौद्ध, ईसाई सबको बराबर हक मिलना चाहिए। अगर बीएनपी सरकार ने पुरानी गलतियां नहीं दोहराईं, और जमात जैसे कट्टरपंथियों को काबू में रखा, तो शायद हालत सुधरें। अगर नहीं तो स्थिति और खराब हो सकती है। हमें उम्मीद करनी चाहिए कि नई सरकार सबको साथ लेकर चले, क्योंकि एक देश तभी तरक्की करता है जब सब सुरक्षित महसूस करें। भारत जैसे पड़ोसी देशों को मदद करनी चाहिए, लेकिन बिना दखल दिए। आखिर में, इंसानियत से ऊपर कुछ नहीं।

बीएनपी ने चुनाव में हिंदू उम्मीदवार दिए हैं, और जमात ने भी एक हिंदू को टिकट दिया। तारिक रहमान ने कहा है कि उनकी सरकार सबको सुरक्षा देगी, लेकिन इतिहास देखकर डर लगता है। अगर जमात के साथ गठबंधन हुआ, तो इस्लामी कानूनों की मांग बढ़ सकती है।

मोहम्मद यूनुस के किरदार की गंभीरता को समझना होगा

बांग्लादेश

योगेश कुमार सोनी

वरिष्ठ पत्रकार

बीते दो वर्षों में बांग्लादेश में राजनीतिक भूचाल आया। पहली बार ऐसा हुआ कि किसी एशियाई प्रधानमंत्री को देश से भागना पड़ा, लेकिन अब बांग्लादेश की सियासत में आए दिन लिखी जाने वाली नई गाथा के बाद एक नया कूटनीतिक अध्याय शुरू होगा। आम चुनाव में ऐतिहासिक जीत दर्ज करने वाली बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी ने कड़े स्वर में कहा कि सत्ता संभालते ही उसका पहला बड़ा एजेंडा पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना का प्रत्यर्पण होगा। सवाल सिर्फ कानूनी नहीं, बल्कि भारत-बांग्लादेश संबंधों की दिशा तय करने वाला भी है। चूंकि बीते लंबे समय से हसीना को लेकर भारत-बांग्लादेश के अलावा पूरी दुनिया की निगाह है कि आखिर शेख हसीना को लेकर अगला अध्याय क्या होगा, लेकिन अब चुनाव के बाद दिशा मिल गई। बीएनपी की स्थायी समिति के सदस्य सलाहुद्दीन अहमद ने स्पष्ट कहा है कि उनकी पार्टी भारत से औपचारिक रूप से शेख हसीना को ट्रायल के लिए बांग्लादेश प्रत्यर्पित करने का आग्रह करेगी। उनका कहना है कि यह मामला दोनों देशों के संबंधित मंत्रालयों के बीच तय कानूनी प्रक्रिया के तहत सुलझाया जाना चाहिए। बीएनपी का तर्क है कि हसीना के कार्यकाल में हुए कथित दमन और भ्रष्टाचार के मामलों की निष्पक्ष सुनवाई जरूरी है। पार्टी ने भारत से सहयोग की उम्मीद जताई है, लेकिन यह भी स्पष्ट कर दिया है कि न्यायिक प्रक्रिया से पीछे हटने का सवाल नहीं उठता। बांग्लादेश चुनाव में बीएनपी की बड़ी जीत के बाद पार्टी नेता तारिक रहमान देश की कमान संभालने के लिए तैयार हैं। इसके साथ ही दो दशक बाद बांग्लादेश की सत्ता में बीएनपी की वापसी हो रही है। इसका असर भारत पर भी होगा। पूर्व सत्ताधारी अवामी लीग को इस चुनाव में हिस्सा लेने की अनुमति नहीं दी गई थी। अगस्त 2024 में छात्र आंदोलन के बाद शेख हसीना की 15 साल पुरानी सरकार गिर गई थी, जिसके बाद से देश राजनीतिक अस्थिरता और हिंसा के दौर से गुजर रहा था। अब बांग्लादेश में सत्ता के लिए सबसे बड़ी चुनौती यह है कि वहां बदहाली व गुंडागर्दी को कैसे नियंत्रित करेगी। चूंकि पूरी दुनिया ने खुली आंखों से देखा कि किस तरह देश के प्रधानमंत्री की भी जान सुरक्षित नहीं है। गुंडागर्दी का तांडव ऐसा हुआ कि वहां हसीन के निजी अंगवस्त्रों के साथ फोटो सोशल मीडिया पर डाले, जिससे विश्व पटल पर थू-थू हुई। किसी भी सरकार का जीतना एक बार को सरल है, लेकिन शांति कायम करना और व्यवस्थित तौर पर संचालित करना करना बेहद चुनौतीपूर्ण, चूंकि वहां की जनता जो शेख हसीना के समय कर चुकी, वह दोबारा न हो। मोहम्मद यूनुस एक ब्रांड के रूप में जाने जाते हैं। उनकी वैश्विक पहचान एक सामाजिक उद्यमी और नागरिक समाज के नेता के रूप में रही है। उनकी यह घोषणा थी कि वह चुनाव के बाद सत्ता में नहीं रहेंगे, लेकिन आज बांग्लादेश की सरकार को यूनुस की कितनी आवश्यकता है और क्या वह उनके किरदार व अनुभव का इस्तेमाल करके अपने आप को सशक्त करने का प्रयास करेंगे। कुल मिलाकर शांति स्थापित करने के लिए किस तरह पटकथा लिखी जाएगी, अभी यह तय होना बाकी है। लेकिन सरकार को यूनुस का फायदा यह मिल सकता है कि उनकी साख सभी नेताओं से बहुत मजबूत मानी जाती है, क्योंकि अंतरराष्ट्रीय समुदाय भी इस ट्रांजिशन पर नजर बनाए हुए है और संभावना जताई जा रही है कि चुनाव के बाद यूनुस फिर से सामाजिक विकास, गरीबी उन्मूलन और फिनटेक आधारित वित्तीय समावेशन जैसे क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित कर सकते हैं। इस तरह उनका भविष्य प्रत्यक्ष राजनीति से दूर, लेकिन राष्ट्रीय पुनर्निर्माण से जुड़ा रह सकता है। ज्ञात हो कि टाइम मैगजीन ने बुधवार को वर्ष 2025 के 100 सबसे प्रभावशाली लोगों की लिस्ट जारी की थी जिसमें मोहम्मद यूनुस को जगह मिली है, जिससे उन्हें विश्व पटल पर बड़ी पहचान मिली थी। बहरहाल, अब बांग्लादेश को स्वयं को लेकर अपनी सकारात्मक शक्ति का प्रदर्शन करते हुए अपनी उपस्थिति दर्ज करानी होगी चूंकि जितना नुकसान बीते कुछ समय में हुआ है उसकी भरपाई करना बेहद मुश्किल है। सरकार का नया स्वरूप ऐसा होना चाहिए कि वह अपनी छवि को सुधारते हुए सभी के साथ चले और देश की जनता में अपना विश्वास बनाए रखे।

मोहम्मद यूनुस एक ब्रांड के रूप में जाने जाते हैं। उनकी वैश्विक पहचान एक सामाजिक उद्यमी और नागरिक समाज के नेता के रूप में रही है।

संघर्ष जारी रहेगा और हसीना का प्रत्यर्पण भी नहीं होगा

चुनौती

उमेश चतुर्वेदी

वरिष्ठ पत्रकार

बांग्लादेश में तारिक रहमान की बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी यानी बीएनपी की भारी जीत के बाद लंदन की जगह दिल्ली ने ले ली है। जब शेख हसीना ढाका से सरकार चलाती थीं, तब तारिक लंदन से उन पर निगाह रखते थे। अब रहमान सरकार चलाएंगे और हसीना दिल्ली से उस पर निगाह रखेंगी। उसका मतलब यह नहीं है कि रहमान हसीना के प्रत्यर्पण की मांग नहीं करेंगे। हसीना के प्रत्यर्पण की मांग कार्यवाहक सरकार के मुखिया मोहम्मद यूनुस भी करते रहे हैं और तारिक भी करते रहेंगे।

बांग्लादेश में विद्रोह के बाद शेख हसीना को मौत की सजा सुनाई जा चुकी है। इस बहाने उनके प्रत्यर्पण की मांग तारिक समेत कई अन्य नेता भी करते रहे हैं, लेकिन अब तारिक का सुर नरम हो सकता है। इसकी वजह यह है कि वे यूनुस की तुलना में कहीं ज्यादा वैध लोकतांत्रिक सरकार के मुखिया बनने जा रहे हैं। लोकतांत्रिक सत्ता उतनी कट्टर और कठोर नहीं हो सकती, जैसी वीणा वैध मतदान के बाद आईं सरकारें होतीं हैं। वैसे भी भारत शेख हसीना को बांग्लादेश नहीं भेजने जा रहा है। बीएनपी का रुख भारत समर्थक तो नहीं ही रहा है, लेकिन बीएनपी प्रमुख ख़ालिदा जिया के निधन के बाद भारत ने जिस तरह का रुख़ अपनाया, उससे तारिक के मन की गांठ खुली है। ख़ालिदा के शोक के वक़्त जिस तरह भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कदम उठाया और ढाका जाकर तारिक से दुख व्यक्त किया, उसे बांग्लादेश के साथ भारत की भावी रणनीति और संभावनाशील संबंधों की बानगी माना जा सकता है। भारत को अंदेशा था कि चुनावों में बीएनपी को समर्थन मिल सकता है, इसलिए उसने सही समय पर सही कदम उठाने में कोई हिचक नहीं दिखाई। वैसे भी बांग्लादेश की सबसे प्रभावी पार्टी रही अवामी लीग ने चुनावों का बहिष्कार करने की घोषणा कर रखी थी। फिर यूनुस सरकार और कट्टरपंथी जमात ए इस्लाम के नेताओं ने अवामी लीग की राह में जमकर कांटे बोए। ऐसे में बीएनपी की जीत की उम्मीद बेमानी भी नहीं थी। भारत की ओर से तारिक रहमान से संपर्क साधना शुरू हो गया था। इसका असर तारिक के चुनाव प्रचार में भी दिखाई दिया। उन्होंने अपने चुनाव प्रचार के दौरान भूलकर भी भारत के खिलाफ कोई बयान नहीं दिया, जिससे भविष्य में दोनों देशों के बीच बेहतर रिश्तों की उम्मीद जगी है। हसीना की वापसी पर भारत कहता रहा है कि शेख़ हसीना को बांग्लादेश लौटना है या नहीं, इसका फैसला उन्हें ही करना है। चुनाव आयोग के आधिकारिक नतीजों से पहले ही प्रधानमंत्री मोदी ने बीएनपी की जीत को जनता का भरोसा बताने में देर नहीं लगाई। उन्होंने कहा कि भारत लोकतांत्रिक और समावेशी बांग्लादेश के साथ काम करने को तैयार है। चुनाव जीतने के बावजूद बांग्लादेश के भावी प्रधानमंत्री तारिक की चुनौतियां कम नहीं होने जा रही हैं। इसकी वजह है, बांग्लादेश के बीते चुनाव में बेहद कम मतदान। इसमें सिर्फ 48 प्रतिशत वोटिंग हुई है, यानि 52 प्रतिशत लोगों ने मतदान ही नहीं किया।

चुनाव जीतने के बावजूद बांग्लादेश के भावी प्रधानमंत्री तारिक की चुनौतियां कम नहीं होने जा रही हैं। इसकी वजह है, बांग्लादेश के बीते चुनाव में बेहद कम मतदान।

ध्यान देने की बात है कि शेख हसीना को बांग्लादेश के 35 प्रतिशत से अधिक लोगों का समर्थन मिलता रहा है। कम मतदान का मतलब है कि हसीना के समर्थकों ने बड़े पैमाने पर चुनाव का बहिष्कार किया। इसके साथ ही केवल 48 प्रतिशत मतदान का मतलब है कि तारिक रहमान की अगुआई वाले गठबंधन को देश के ज्यादतर लोगों का समर्थन नहीं मिला। इसका संदेश साफ़ है कि हसीना का 'वोट बैंक' खत्म नहीं हुआ है, बल्कि वह फिलहाल चुप है। इससे अवामी लीग के लिए भविष्य में वापसी की उम्मीद तो बनती ही है, बीएनपी के लिए चेतावनी भी है। आधे से भी कम मतदान के बाद मिली जीत भी वैध नहीं मानी जा सकती। अवामी लीग के ख़िलाफ़ बगावत के बीज उनके आख़िरी चुनाव के दौरान तत्कालीन विपक्षी दलों के चुनाव बहिष्कार से ही पड़ गए थे। कुछ वैसा ही हाल बीएनपी के साथ भी हो सकता है। आधे से भी कम आबादी की वोटिंग आगे जाकर जीतने वाली सरकार की वैधता पर सवाल का कारण बन सकती है।

शेख हसीना भी जानती हैं कि हिंसक प्रदर्शन के बाद हुए चुनाव के बाद आई नई सरकार को करीब तीस प्रतिशत लोगों का ही समर्थन हासिल है। कम मतदान और मौजूदा सरकार का कम आधार आगे चलकर शेख हसीना के लिए संघर्ष का नया बहाना बन सकता है। वे इसे अपने लिए नैतिक जीत बता सकतीं हैं और इस आधार पर अवामी लीग के लिए फिर से सहयोग की व्यापक मांग कर सकती हैं। साफ़ है कि बांग्लादेश का न तो संघर्ष ख़त्म होने जा रहा है और न शेख हसीना का प्रत्यर्पण। इस हालात में भारत को संतुलन बनाए रखते हुए आगे बढ़ना होगा।

भारत को चीन और पाकिस्तान पर भी रखनी होगी नजर

दृष्टिकोण

प्रभात कुमार रॉय

विदेशी मामलों के जानकार

बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी वस्तुतः तारिक रहमान के नेतृत्व में बांग्लादेश का आम चुनाव दो तिहाई बहुमत से जीत चुकी है। उल्लेखनीय है मोहम्मद यूनुस हुकूमत द्वारा बांग्लादेश के आम चुनाव में शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग को प्रतिबंधित करके चुनाव में शिरकत नहीं करने दी गई। उम्मीद की जा रही है कि खालिदा जिया के साहबजादे तारिक रहमान बांग्लादेश के प्रधानमंत्री पद पर आसीन हो जाएंगे। तारिक तकरीबन 17 वर्षों तक लंदन में राजनीतिक शरण में रहे। उनके पिता लेफ्टिनेंट जनरल जियाउर रहमान ने सन् 1978 में बांग्लादेश नेशनल पार्टी का गठन किया था। 1981 में जियाउर रहमान के कत्ल के बाद पार्टी का संचालन जियाउर रहमान की बेगम खालिदा जिया ने किया, जोकि बांग्लादेश की तीन दफा प्रधानमंत्री रही।

2007 में बांग्लादेश में सैन्य समर्थन वाली कार्यवाहक सरकार के कार्यकाल के दौरान तारिक रहमान को भ्रष्टाचार के संगीन इल्जाम में गिरफ्तार किया गया और तकरीबन 18 महीने जेल काटने के बाद सितंबर 2008 में तारिक रहमान को रिहा कर दिया गया। रिहाई के बाद में सपरिवार बांग्लादेश से पलायन करके लंदन में शरणागत हो गए। बांग्लादेश में अगस्त 2024 में शेख हसीना हुकूमत का तख्ता पलट हो जाने के पश्चात, तारिक वापस बांग्लादेश लौट आए। यक्ष प्रश्न है कि बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी के सत्तानशीन हो जाने के तत्पश्चात पाकिस्तान के साथ बांग्लादेश के ताल्लुकात किस कदर परवान चढ़ेंगे। बांग्लादेश की राजसत्ता पर आसीन हुई मोहम्मद यूनुस हुकूमत द्वारा पाकिस्तान के साथ अपने ताल्लुकात सुधारने की जबरदस्त कोशिश अंजाम दी गई। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि बीएनपी की हुकूमत का पाकिस्तान के साथ दोस्ताना रवैया स्थापित हो जाएगा। शेख हसीना की हुकूमत के दौरान बांग्लादेश का रवैया भारत के प्रति अत्यंत दोस्ताना बना रहा था, किंतु इसके तत्पश्चात यूनुस हुकूमत में भारत और बांग्लादेश के ताल्लुकात बिगड़ते हुए दिखाई देने लगे। शेख हसीना को भारत द्वारा राजनीतिक शरण दिए जाने के पश्चात तो बांग्लादेश में उनके मुखालिफ राजनेताओं का रुख भारत के प्रति बेहद विरोधी और तल्ख होता हुआ दिखाई दिया। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के सरकर्दा हाकिम मोहम्मद यूनुस भारत सरकार से शेख हसीना को बांग्लादेश प्रत्यर्पण करने की निरंतर दरख्वास्त करते रहे। यूनुस की अंतरिम हुकूमत के दौर में बांग्लादेश में हिंदू समुदाय के बेगुनाह इंसानों पर इस्लामी कट्टरपंथियों द्वारा निरंतर वहशियाना हमले होते रहे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार ने

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के सरकर्दा हाकिम मोहम्मद यूनुस भारत सरकार से शेख हसीना को बांग्लादेश प्रत्यर्पण करने की निरंतर दरख्वास्त करते रहे।

बांग्लादेश में हिंदू समुदाय पर निरंतर होने वाले कातिलाना हमलों के विरोध में अपनी आवाज बुलंद की। बांग्लादेश में हिंदू समुदाय के प्रति भारत सरकार की मानवीय भावनाओं और संवेदनाओं को बांग्लादेश की मोहम्मद यूनुस हुकूमत ने अपने आंतरिक मामलों में दखलंदाजी करार दिया। हिंदू विरोधी और भारत विरोधी वहशियाना पागलपन के दौर में बांग्लादेश हुकूमत ने पाकिस्तान से अपने कूटनीतिक ताल्लुकात सुधारने का मौका तलाश लिया। उल्लेखनीय है कि शेख हसीना के हुकूमत के संपूर्ण दौर में पाकिस्तान और बांग्लादेश के परस्पर रिश्ते निरंतर खराब बने रहे। अवामी लीग की हुकूमत द्वारा 1971 के युद्ध में बांग्लादेश मुक्ति वाहिनी के खिलाफ कातिलाना साजिश रचने और बेगुनाह बांग्लादेशियों के नरसंहार में पाकिस्तानी फौज की सक्रिय मदद करने के इल्जाम में अनेक पाकिस्तान समर्थक जमात ए इस्लामिया के कारकूनों को सजा ए मौत दे दी गई। अगस्त 1924 के बाद पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ ने बांग्लादेश के मोहम्मद यूनुस से दो बार कूटनीतिक मुलाकात अंजाम दी। इन मुलाकातों के दौरान पाकिस्तान और बांग्लादेश के मध्य सैन्य कूटनीतिक संबंधों को ताकतवर बनाने की कोशिश की गई। जनरल जियाउल हक की हुकूमत के दौर में पाकिस्तान और पाकिस्तान की फौज का इस्लामीकरण किया गया था। बांग्लादेश की जमात ए इस्लामिया एक कट्टरपंथी इस्लामी तंजीम है जो कि पाकिस्तान की कट्टर समर्थक रही है। दुर्भाग्यवश बांग्लादेश के समाज और सरकार पर इस्लामी कट्टरपंथियों का प्रभाव निश्चित रूप से ही बढ़ रहा है। बांग्लादेश और पाकिस्तान के मध्य निरंतर बढ़ती हुई कूटनीतिक और राजनीतिक घनिष्ठता भारत के लिए खतरनाक संकेत प्रदान कर रही है। जहां तक साम्यवादी चीन का संबंध है, विगत अनेक दशकों से से पाकिस्तान के साथ चीन के कूटनीतिक और आर्थिक रिश्ते बहुत गहरे और नजदीकी रहे हैं। विस्तारवादी फितरत का चीन यकीनन बांग्लादेश में भी अपनी आर्थिक और सामरिक घुसपैठ निरंतर जारी रखेगा। कूटनीतिक तौर पर भारत के लिए बांग्लादेश में बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी की सरकार का सत्तासीन होना और इस्लामी कट्टरपंथियों का निरंतर शक्तिशाली होते जाना भारत के लिए एक कड़ी चुनौती के तौर पर सामने आया है। बांग्लादेश के साथ भारत की तकरीबन 4000 किलोमीटर सरहद जुड़ी हुई है। बांग्लादेश की ओर से घुसपैठ का खतरा निरंतर बढ़ रहा है। भारत को अब अपनी सरहद पर चीन, पाकिस्तान और बांग्लादेश की तरफ से होने वाली घुसपैठ से निरंतर सतर्क और सावधान निगरानी रखनी होगी। वर्ष 2025 के जून में चीन के कुनमिंग शहर में बांग्लादेश और पाकिस्तान के विदेश सचिवों के साथ चीन के विदेश उपमंत्री सुन वेइदोंग की त्रिपक्षीय बैठक ने भारत के लिए प्रबल चिंता का संकेत दे दिया है। भारत सरकार ने बांग्लादेश नेशनल पार्टी के साथ अपने संबंधों को सामान्य बनाने के लिए कोशिश प्रारंभ की है, जबकि भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर खालिदा जिया के निधन के वक्त बांग्लादेश गए थे।

राहुल के पास अर्थव्यवस्था की समझ नहीं, उनके बयान सच से कोसों दूर, न जाने कैसे बने विपक्ष के नेता?

केंद्र भारत--अमेरिका ट्रेड डील को भारत की बड़ी जीत के तौर पर सामने रख रहा है। वहीं विपक्ष इस पर लगाता सवाल उठाता रहा है। इस बीच केंद्रीय व्यापार मंत्री पीयूष गोयल ने राहुल गांधी पर पलटवार किया

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

अमेरिका और भारत के बीच हुए हालिया व्यापार समझौते को लेकर देशभर से मिली जुली प्रतिक्रियाएं सामने आ रही है। केंद्र सरकार इसे भारत की बड़ी जीत के तौर पर सामने रख रहा है।

वहीं, विपक्ष इसे भारत की हार और अमेरिका की जीत के तौर पर बता रहा है। इसी बीच इस व्यापार समझौते को लेकर कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के आरोपों पर केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने तीखा पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि उन्हें समझ नहीं आता कि इतने नासमझ व्यक्ति को नेता विपक्ष कैसे बना गया।

ट्रेड डील पर सत्तापक्ष और विपक्ष में टकराव गहराता जा रहा

पीयूष गोयल का नेता प्रतिपक्ष पर तीखा हमला उन्हें कोई समझ नहीं

केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल

राहुल के पास झूठ, धोखा और ...

गोयल ने आरोप लगाया कि राहुल अर्थव्यवस्था को समझे बिना गलत बयान देते हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी यह नहीं समझ पा रही है कि जिस आदमी को अर्थव्यवस्था की कोई समझ नहीं है, उनके पास झूठ, धोखा और ट्वीट करने वाले बयानों के अलावा कुछ भी नहीं है, वह सच से हजारों मील दूर हैं।

पहले के प्रावधानों पर भी उठा रहे सवाल

राहुल ने दावा किया था कि अगर बांग्लादेश अमेरिका से सूत या कपास खरीदता है तो उसे अमेरिका में शून्य शुल्क पर कपड़ा निर्यात करने की छूट मिलती है। गोयल ने कहा यह कोई नई व्यवस्था नहीं है, बल्कि यह प्रावधान पहले से मौजूद हैं।

कपास उत्पादन क्षमता बढ़ेगी

गोयल ने कहा कि भारत की कपास उत्पादन क्षमता आगे बढ़ेगी और उसकी मांग भी बढ़ेगी। आयात करके यहां प्रोसेस कर फिर निर्यात करने की नीति कोई नई बात नहीं है, बल्कि यह वर्षों से विदेशी व्यापार नीति का हिस्सा रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार के समय बना सेज कानून साफ कहता है कि कच्चा माल जीरो ड्यूटी पर आयात कर उसे प्रोसेस कर निर्यात किया जा सकता है।

झूठ बोलने के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए

केंद्रीय वाणिज्य मंत्री गोयल ने राहुल के आरोपों को बेबुनियाद और झूठ करार देते हुए उन पर जोरदार हमला बोला है। पीयूष ने कहा कि राहुल को कहा कि वे झूठ बोलने और निराधार आरोप लगाने के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। वे अपने झूठे बयान से हमारे किसानों को गुमराह कर रहे हैं और उन्हें भड़काने की कोशिश कर रहे हैं।

देश की कोई चिंता नहीं

मंत्री गोयल ने आगे कहा कि राहुल गांधी को भारत की कोई चिंता नहीं है। उन्होंने कभी हमारी मातृभूमि की परवाह नहीं की और न ही हम उनसे भारत के मजबूत और समृद्ध भविष्य के लिए काम करने की उम्मीद कर सकते हैं।

किसानों के हित सर्वोपरि

गोयल ने भारत अमेरिका ट्रेड डील का बचाव करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हमेशा से हमारे किसानों के प्रति सहानुभूति रखते आए हैं। उन्होंने हमेशा किसानों के हितों को सर्वोपरि रखा है और उनकी समृद्धि सुनिश्चित करने के लिए सभी निर्णय लिए हैं।

खबर संक्षेप

5 जिगरी दोस्तों की मौत गांव में मातम पसरा

गोहाना। यहां के भावड़ गांव में जहां कुछ ही देर पहले डीजे की धुनों पर खुशियां झूम रही थीं, वहीं

अचानक आई एक मनहूस खबर ने पूरे माहौल को सन्नाटे में बदल दिया। दो बेटियों की शादी का जश्न चल रहा था, एक की विदाई हो चुकी थी। दूसरी की बारात का इंतजार था। तभी सड़क हादसे में रोहतक के 5 जिगरी दोस्तों की मौत की सूचना पहुंची। मातम छा गया।

प्रेमिका की हत्या कर खुद को मारी गोली

नोएडा। वैलेंटाइन डे पर नोएडा के सेक्टर 107 से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है।

शनिवार को एक कार के अंदर प्रेमी जोड़े के शव मिले, जिससे इलाके में सनसनी फैल गई। प्रारंभिक जांच में यह प्रेम प्रसंग से जुड़ा बताया जा रहा है, जिसमें प्रेमी ने पहले प्रेमिका की गोली मारकर हत्या की और फिर खुद भी अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली।

एमसीडी ने पेश किया 175,83 करोड़ का बजट

नई दिल्ली। नगर निगम ने 2026-27 के लिए इतिहास का सबसे बड़ा बजट पेश किया है। सदन के नेता

प्रवेश वाही ने शुक्रवार को लगभग 17,583 करोड़ रुपए के बजट का अनुमोदन किया, जिसमें गलियों, मोहल्लों और ग्रामीण क्षेत्रों में विकास पर विशेष ध्यान दिया गया है। पार्षदों को अपने वार्ड में विकास कार्य के लिए 2-2 करोड़ रुपए दिए गए हैं।

बाल-बाल बचे डिप्टी सीएम प्रेमचंद बैरवा

झुंझुनूं। राजस्थान के डिप्टी सीएम डॉ. प्रेमचंद बैरवा के काफिले में एक्सीडेंट होने का मामला सामने

आ रहा है। यह घटना झुंझुनूं जिले के गुढ़ागौड़जी इलाके में उस वक्त हुई जब डिप्टी सीएम एक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए आ रहे थे। इसी दौरान कार काफिल के बीच आ गई और डिप्टी सीएम के काफिल में चल रही एक कार के साथ उसकी टक्कर हो गई।

माई बेबी... वैलेंटाइन डे पर दिया हेलिकॉप्टर

नई दिल्ली। दिल्ली की मंडोली जेल में बंद महाठग सुकेश चंद्रशेखर ने वैलेंटाइन डे पर

बॉलीवुड अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडिस को भावुक प्रेम-पत्र लिखते हुए इस बार एयरबस एच-सीरीज हेलीकॉप्टर गिफ्ट करने का दावा किया है। सुकेश ने जैकलीन को 'माई बेबी बोम्मा', 'वावा', 'एंजेल' और 'जैकी' जैसे संबोधनों से लिखा।

गृहमंत्री शाह ने पुडुचेरी में रैली में कांग्रेस पर किया हमला

झूठ बोलो, जोर से बोलो और फिर दोहराओ की नीति पर चल रहे राहुल... वे गुमराह कर रहे

लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी की तरफ से हालिया भारत-अमेरिका व्यापार समझौते और केंद्र की नीतियों पर दिए बयान के बाद सियासत गरमा गई है

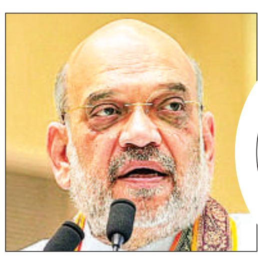

लोग विपक्षी नेता की झूठ फैक्टरी को पहचान चुके

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी की तरफ से हालिया भारत-अमेरिका व्यापार समझौते और केंद्र की नीतियों पर दिए बयान के बाद सियासत गरमा गई है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने इस मामले में राहुल गांधी को सीधे निशाने पर लिया और झूठ फैलाकर जनता को गुमराह करने का आरोप भी लगाया है। शाह ने शनिवार को कहा कि अमेरिका के साथ व्यापार समझौतों में किसानों और मछुआरों के हित पूरी तरह सुरक्षित किए गए हैं। उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर भी आरोप लगाया कि वह झूठ फैला रहे हैं और लोगों को गुमराह कर रहे हैं। भाजपा की एक रैली में शाह ने कहा कि राहुल गांधी रोजाना झूठ बोलने की नई परंपरा चला रहे हैं। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी की नीति है झूठ बोलो, जोर से बोलो और बार-बार दोहराओ। शाह ने कहा कि लेकिन लोग अब आपकी झूठ फैक्टरी को पहचान चुके हैं।

राहुल गांधी रोजाना झूठ बोलने की नई परंपरा चला रहे

पुडुचेरी में रैली को संबोधित करते केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह

पीएम ने किसानों-मछुआरों का हित 100% सुरक्षित रखा

गृहमंत्री शाह ने इस बात पर भी जोर दिया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत अमेरिका के साथ हाल ही में हुए समझौते में किसानों और मछुआरों के हितों की 100 प्रतिशत सुरक्षा सुनिश्चित की है। उन्होंने आरोप लगाया कि पहले यूपीए सरकार के दौरान किसानों के हितों की अनदेखी हुई और उनका फायदा नहीं हुआ। इसके साथ ही अमित शाह ने यह भी भरोसा जताया कि 2029 में भी पीएम मोदी के नेतृत्व में भाजपा-नेतृत्व वाली एनडीए सरकार केंद्र में सत्ता में आएगी।

नारायणसामी ने पुडुचेरी को गांधी परिवार के लिए एक एटीएम बनाया

शाह ने पुडुचेरी में रैली में तत्कालीन कांग्रेस सरकार पर भी हमला किया। उन्होंने कहा कि नारायणसामी की सरकार ने पुडुचेरी को गांधी परिवार के लिए एक एटीएम बना दिया था। उन्होंने खुलकर कहा कि पीजी और डिप्लोमा सीटों की नीलामी की गई।

शाह ने बताया पुडुचेरी को विकसित बनाने का लक्ष्य

शाह ने बताया कि पिछली पांच साल में कांग्रेस ने पुडुचेरी में भ्रष्टाचार और अव्यवस्था का माहौल बनाया था, लेकिन मोदी सरकार ने इसे बदलकर व्यवस्था और विकास की ओर ले जाया है। अब पुडुचेरी को विकसित बनाने का लक्ष्य है।

उधर, कांग्रेस पर भड़के पूनावाला

'फैमिली ट्रेड एग्रीमेंट' करने वाले 'फ्री ट्रेड एग्रीमेंट' पर सवाल उठा रहे

नई दिल्ली। भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के फ्री ट्रेड एग्रीमेंट, मालेगांव विवाद और 'सेवा तीर्थ' के उद्घाटन को लेकर प्रतिक्रिया दी।

राहुल पर निशाना साधते हुए पूनावाला ने कहा कि वे 'आधुनिक पिनोकियो' की तरह हैं और बार-बार झूठ बोलकर जनता को गुमराह करते हैं। पूनावाला ने आरोप लगाया कि यूपीए सरकार अपने कार्यकाल में एक भी प्रभावी फ्री ट्रेड एग्रीमेंट नहीं कर सकी और किसानों के हितों से समझौता किया गया। उन्होंने कहा कि आज वही कांग्रेस पार्टी फ्री ट्रेड एग्रीमेंट पर सवाल उठा रही है, जबकि वर्तमान सरकार ने किसानों के हितों की पूरी तरह रक्षा की है।

ट्रेड डील पर राहुल का फिर हमला

व्यापार समझौते ने टैक्सटाइल उद्योग को ही खत्म कर दिया

लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी केंद्र को अमेरिका के साथ हुए व्यापार समझौते पर लगाया घेर रहे हैं। सवाल दर सवाल कर रहे हैं

- राहुल बड़े आंदोलन की तैयारी कर रहे किसान नेताओं से भी मिल चुके

राहुल गांधी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी केंद्र सरकार को अमेरिका के साथ हुए व्यापार समझौते पर लगातार घेर रहे हैं। इसी के साथ वो लगातार टैरिफ का मुद्दा भी उठा रहे हैं। एक दिन पहले जहां राहुल गांधी ने किसान संघ के नेताओं से मुलाकात की।

वहीं, अब एक वीडियो साझा करते हुए आरोप लगाया कि इस व्यापार समझौते से देश का टेक्सटाइल उद्योग पूरी तरह से नष्ट हो जाएगा। अपने वीडियो में राहुल गांधी ने ट्रेड डील को लेकर पीएम मोदी और भाजपा सरकार पर देश को गुमराह करने का आरोप लगाया। इसी के साथ दावा किया कि यह समझौता भारत के कपास किसानों और टेक्सटाइल उद्योग के लिए नुकसानदायक साबित होगा।

टैरिफ पर सरकार को घेरा, बताई सच्चाई!

कपास की खेती और कपड़ा क्षेत्र से संबंधित भारत-अमेरिका व्यापार समझौते की आलोचना करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि बांग्लादेश को अमेरिका में कपड़ा निर्यात पर शून्य फीसदी टैरिफ का फायदा दिया जा रहा है। शर्त बस इतनी है कि वो अमेरिकी कपास आयात करें। भारत के गारमेंट्स पर 18 फीसदी टैरिफ की घोषणा के बाद जब मैंने संसद में बांग्लादेश को मिल रही खास रियायत पर सवाल उठाया, तब मोदी सरकार के मंत्री का जवाब आया 'अगर यही फायदा हमें भी चाहिए, तो अमेरिका से कपास मंगवानी होगी।'

केंद्र सरकार पर लगाया बड़ा आरोप

ऐसे में उन्होंने सवाल उठाते हुए पूछा कि आखिर ये बात तब तक देश से छुपाई क्यों गई? इसी के साथ राहुल गांधी ने आगे कहा कि अगर हम अमेरिकी कपास मंगवाते हैं तो हमारे अपने किसान बर्बाद हो जाएंगे। अगर नहीं मंगवाते, तो हमारा टेक्सटाइल उद्योग पिछड़कर तबाह हो जाएगा। इतना ही नहीं उन्होंने दावा किया कि अब बांग्लादेश यह संकेत दे रहा है कि वह भारत से कपास आयात भी कम या बंद कर सकता है।

वंदे मातरम विवाद पर बोले ओवैसी

भारत माता की जय से संविधान की शुरुआत नहीं होती, थोपें नहीं

एजेंसी ▶▶ हैदराबाद

तेलंगाना में हुए नगरपालिका चुनाव और फिर सामने आए नतीजों ने पूरे राज्य की राजनीति गरम है। इसी बीच

एआईएमआईएम प्रमुख और सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने एक साथ कई संसद, हिजाब, वंदे मातरम समेत कई मुद्दों पर खुलकर अपनी राय रखी। ओवैसी ने कहा कि यह वफादारी की परीक्षा नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत का संविधान 'वी द पीपल' यानी 'हम भारत के लोग' से शुरू होता है, न कि 'भारत माता की जय' से। संविधान हर नागरिक को धर्म की स्वतंत्रता का मूल अधिकार देता है। ऐसे में किसी की देशभक्ति को किसी नारे से जोड़ना सही नहीं है। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या राष्ट्रीय गान को खत्म करने की कोशिश की जा रही है? उन्हें अपनी वफादारी का कोई प्रमाणपत्र देने की जरूरत नहीं है। हर नागरिक को अपने धर्म और विचारों के अनुसार जीने की आजादी है और यही संविधान की भावना है।

महाराष्ट्र के मालेगांव का मामला

डिप्टी मेयर के दफ्तर में टीपू की फोटो आखिरकार हटानी पड़ी

एजेंसी ▶▶ मालेगांव

महाराष्ट्र के मालेगांव में डिप्टी मेयर कार्यालय में टीपू सुल्तान की तस्वीर लगाए जाने को लेकर बड़ा विवाद

खड़ा हो गया है। इस मामले ने स्थानीय राजनीति को गरमा दिया है। भाजपा और शिवसेना सांसद संजय राउत समेत कई और दलों ने इसका खुलकर विरोध किया। बढ़ते विरोध और तनाव की स्थिति को देखते हुए आखिरकार प्रशासन को हस्तक्षेप करना पड़ा और विवादित तस्वीर को कार्यालय से हटा दिया गया। मालेगांव म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के डिप्टी मेयर ऑफिस में टीपू सुल्तान की तस्वीर लगाए जाने की तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हुई थी। इसके बाद शिवसेना (उद्धव गुट) और दूसरे संगठनों के कार्यकर्ताओं ने इस पर आपत्ति जताई थी। विरोध करने वालों का कहना था कि सरकारी कार्यालयों में किसी विवादित ऐतिहासिक व्यक्तित्व की तस्वीर लगाना उचित नहीं है। इससे सामाजिक तनाव बढ़ सकता है।

भोपाल से रायपुर आ रही थी इंडिगो फ्लाइट

फ्लाइट रनवे पर टच होते ही उछली 38 मिनट बाद हो सकी 'रफ' लैंडिंग

2 झटके लगने के बाद यात्रियों में अफरा-तफरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

रायपुर एयरपोर्ट पर इंडिगो फ्लाइट

रायपुर के स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट पर शनिवार को एक बड़ा हादसा होने से टल गया। भोपाल से रायपुर आ रही इंडिगो की फ्लाइट 6ई 7302 दोपहर 2.40 में लैंड हुई, इस दौरान फ्लाइट रनवे पर टच होते ही उछल गई। हालांकि पायलट ने सूझबूझ और अनुभव से विमान की सुरक्षित और रफ लैंडिंग कराई। इस दौरान लैंडिंग में 38 मिनट का ज्यादा समय लगा। 2.40 बजे लैंड होने वाली फ्लाइट 3:18 बजे लैंड हुई। 2 झटके लगने के बाद फ्लाइट में बैठे यात्रियों के बीच कुछ देर के लिए अफरा-तफरी रही। इस घटना के बाद भोपाल जाने वाली एक अन्य फ्लाइट ने देरी से उड़ान भरी। रायपुर एयरपोर्ट डायरेक्टर किशोर कुमार लहरे ने इस तरह की घटना से इनकार कर दिया।

विमान में बम है... फ्लाइट के टॉयलेट में धमकी भरा मिला नोट

कोलकाता। कोलकाता के नेताजी सुभाष चंद्र बोस इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर इंडिगो के विमान में बम की अफवाह से हड़कंप मच गया। एयरपोर्ट के डायरेक्टर का कहना कि कोलकाता से शिलांग जा रही इंडिगो 6ई3074 में बम की अफवाह मिली, जो सुबह 9:15 बजे कोलकाता एयरपोर्ट से निकलने वाली थी। बम की अफवाह मिलते ही यात्रियों में हड़कंप मच गया। इंडिगो विमान को आइसोलेशन बे में ले जाया गया। यहां विमान की पूरी तरह से जांच की गई।

प्रधानमंत्री मोदी की अध्यक्षता में कैबिनेट की बैठक में मंजूरी

3 मल्टी-ट्रैकिंग रेलवे प्रोजेक्ट्स से नेटवर्क 389 किमी बढ़ेगा

कसारा-मनमाड, दिल्ली-अंबाला और बल्लारी-होसपेटे को किया शामिल

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

पीएम नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों पर कैबिनेट कमेटी की बैठक में 18,509 करोड़ (अनुमानित) लागत वाले 3 रेलवे प्रोजेक्ट्स को मंजूरी दी गई है। इन प्रोजेक्ट्स में कसारा–मनमाड (तीसरी और चौथी लाइन), दिल्ली–अंबाला (तीसरी और चौथी लाइन) और बल्लारी–होसपेटे (तीसरी और चौथी लाइन) शामिल हैं। इससे भारतीय रेलवे की परिचालन दक्षता और सेवा विश्वसनीयता में वृद्धि होगी। ये मल्टी-ट्रैकिंग प्रोजेक्ट्स परिचालन को सुव्यवस्थित करने और भीड़भाड़ को कम करने के लिए तैयार किए गए हैं। ये प्रोजेक्ट्स दिल्ली, हरियाणा, महाराष्ट्र और कर्नाटक के 12 जिलों से होकर गुजरेंगे। इससे भारतीय रेलवे का नेटवर्क करीब 389 किलोमीटर बढ़ेगा। इन प्रोजेक्ट्स से 3,902 गांवों तक कनेक्टिविटी मजबूत होगी।

97 लाख लोगों को फायदा होगा

11.56 किलोमीटर मेट्रो विस्तार पर लगी मुहर

उत्तर प्रदेश के नोएडा में मेट्रो विस्तार की एक बड़ी परियोजना को हरी झंडी मिल गई है। केंद्र सरकार ने नोएडा मेट्रो रेल परियोजना के तहत नोएडा सेक्टर 142 से बॉटनिकल गार्डन तक 11.56 किमी लंबे एक्सटेंशन कॉरिडोर को मंजूरी दे दी है। इस कॉरिडोर में 8 एलिवेटेड स्टेशन का निर्माण किया जाएगा। कॉरिडोर के चालू होने के बाद नोएडा और ग्रेटर नोएडा में 61.62 किमी का एक्टिव मेट्रो रेल नेटवर्क होगा। नोएडा सेक्टर 142 से बॉटनिकल गार्डन तक का एक्सटेंशन कॉरिडोर शहर के बुनियादी ढांचे को बेहतर बनाने में मदद करेगा।

शहरी विकास के लिए एक लाख करोड़ स्वीकृत

कैबिनेट ने शहरी चुनौती कोष को मंजूरी दी है। इसके तहत शहरों में उच्च गुणवत्ता वाले इन्फ्रास्ट्रक्चर निर्माण के लिए कुल एक लाख करोड़ की केंद्रीय सहायता प्रदान की जाएगी। कैबिनेट ने बताया कि यह कोष बाजार वित्त, निजी भागीदारी और नागरिक-केंद्रित सुधारों का लाभ उठाकर उच्च गुणवत्ता वाले शहरी बुनियादी ढांचे के निर्माण को प्रोत्साहित करेगा।

सीजेआई ने बताई अपनी राय

न्यायिक संस्थानों को हमेशा विकास में सक्षम होना चाहिए

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत के चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने शनिवार को कहा है कि जुडिशियल लीडरशिप को तब भुगतना पड़ता है,

जब जजों के परफेक्ट होने का दावा किया जाता है। सीजेआई ने उन्होंने इस बात पर जोर दिया है कि जजों और न्यायिक संस्थानों को हमेशा विकास करने में सक्षम होना चाहिए और सुधारों और बेहतरी के लिए तैयार रहना चाहिए।

जजों के परफेक्ट होने का दावा नहीं कर सकते

सीजेआई ने कहा कि मेरी राय में यह नजरिया संस्था की सराहना करता है, लेकिन इसे फायदा नहीं पहुंचाता। जुडिशियल लीडरशिप को इससे नुकसान नहीं होता कि जज परफेक्ट नहीं हैं, इसे तब दिक्कत होती है, जब यह मान लिया जाता है कि वे परफेक्ट हैं। इतिहास में जो सबसे सम्मानित जुडिशियल लीडरशिप हुई है, उन्होंने भी कभी परफेक्शन का दावा नहीं किया, बल्कि सीमाओं के प्रति जागरूक रहे।

बांग्लादेश चुनाव में बीएनपी की जीत के बाद तारिक रहमान का बड़ा संदेश

भारत के साथ रचनात्मक तरीके से जुड़कर संबंधों को और आगे बढ़ाएंगे

एजेंसी ▶▶ ढाका

बांग्लादेश के 13वें राष्ट्रीय संसदीय चुनाव में बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) को पूर्ण बहुमत मिलने के बाद पार्टी अध्यक्ष तारिक रहमान ने इसे जनता की जीत बताया है। उन्होंने कहा कि यह जीत लोकतंत्र के लिए बलिदान देने वाले लोगों को समर्पित है। चुनाव नतीजों के बाद ढाका के एक होटल में आयोजित प्रेस वार्ता में तारिक रहमान ने कहा कि आज से देश में आजादी और अधिकारों का असली स्वरूप फिर से बहाल हुआ है।

उन्होंने सभी दलों से राष्ट्रीय एकता बनाए रखने की अपील भी की। उन्होंने कहा कि अलग-अलग राजनीतिक विचार हो सकते हैं, लेकिन देशहित में सभी को साथ रहना होगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि राष्ट्रीय एकता ही सबसे बड़ी ताकत है और बंटवारा सबसे बड़ी कमजोरी। रहमान ने कहा कि लोगों ने तमाम बाधाओं को पार कर लोकतंत्र की राह दोबारा खोल दी है और सीधे वोट से जवाबदेह संसद और सरकार की वापसी हुई है।

अपने देश के लोगों के लिए कहा

1. अब मिली असली आजादी और अधिकार
2. जवाबदेह संसद और सरकार की वापसी हुई
3. किसी बहाने से लोगों के साथ अन्याय नहीं

बीएनपी ने पीएम मोदी का किया धन्यवाद

प्रेस वार्ता में बीएनपी के अध्यक्ष तारिक रहमान

बीएनपी और तारिक रहमान की जीत पर पीएम नरेंद्र मोदी ने सबसे पहले फोन कर बधाई दी थी। बीएनपी ने 'एक्स' पर लिखा कि बहुत-बहुत धन्यवाद, माननीय नरेंद्र मोदी। हम आपसी सम्मान, एक-दूसरे की चिंताओं के प्रति संवेदनशीलता और हमारे क्षेत्र में शांति, स्थिरता और खुशहाली के लिए एक साझा समर्पण से प्रेरित होकर, अपने संबंधों को आगे बढ़ाने के लिए भारत के साथ रचनात्मक तरीके से जुड़ने की उम्मीद करते हैं।

कानून व्यवस्था कायम रखने की अपील

बीएनपी प्रमुख ने स्पष्ट कहा कि किसी भी कीमत पर कानून व्यवस्था बनाए रखी जानी चाहिए। किसी बहाने से किसी के साथ अन्याय नहीं होना चाहिए। सुरक्षित और मानवीय बांग्लादेश बनाने के लिए सबके सहयोग की जरूरत है। अब देश के पुनर्निर्माण का समय है और हर पक्ष को जिम्मेदार भूमिका निभानी होगी।

अर्थव्यवस्था और संस्थाओं पर भी जताई चिंता

तारिक रहमान ने कहा कि नई सरकार ऐसे समय काम शुरू करेगी जब अर्थव्यवस्था कमजोर है, संविधान और संस्थाएं दबाव में हैं और कानून व्यवस्था की स्थिति भी खराब रही है। उन्होंने कहा कि पिछले दौर की शासन व्यवस्था ने ढांचे को नुकसान पहुंचाया है, जिसे अब मिलकर ठीक करना होगा। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था को संस्थागत रूप देना सरकार और विपक्ष दोनों की जिम्मेदारी है।

बीएनपी नेता हुमायूं कबीर ने की पुष्टि

बांग्लादेश, पीएम तारिक के शपथ ग्रहण समारोह में पीएम मोदी को देगा आमंत्रण

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

बांग्लादेश के आम-चुनावों में दो तिहाई बहुमत के साथ सरकार बनाने जा रहे बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के अध्यक्ष और जल्द प्रधानमंत्री की शपथ लेने वाले तारिक रहमान ने शनिवार को भारत के साथ अपने भावी संबंधों के मामले में पहली प्रतिक्रिया दी है। जीत के बाद आयोजित की गई पहली प्रेस वार्ता में पूछे गए एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि हमारे देश और उसकी आम-जनता के हितों से मुताबिक ही बांग्लादेश की विदेश नीति तय की जाएगी। हमारी सरकार की प्राथमिकताओं में देश की अर्थव्यवस्था में सुधार, कानून व्यवस्था और प्रशासन जैसे मुद्दे रहेंगे।

पीएम मोदी को भेजा जाएगा न्योता

रहमान के एक बेहद करीबी, विदेश नीति के सलाहकार और बीएनपी नेता हुमायूं कबीर ने कहा कि अपने नेता (तारिक रहमान) के शपथ ग्रहण समारोह में पार्टी द्वारा भारत के पीएम नरेंद्र मोदी को भी आमंत्रित करने की योजना है। दोनों देशों के बीच संबंधों को सामान्य बनाने की प्रक्रिया के तहत ये एक सद्भावना भरा संदेश होगा। क्षेत्र का प्रभाव बढ़ाने की तारिक रहमान की सोच रही है। इसी को ध्यान में रखते हुए आप लोगों को निमंत्रण देते हैं और यह उम्मीद करते हैं कि वो शामिल भी होंगे।

खारिज की हसीना की विदेश नीति

अपने बयान में कबीर ने पूर्व अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना पर निशाना साधते हुए उनकी विदेश नीति की आलोचना की और कहा कि नई सरकार किसी देश पर केंद्रित विदेश नीति या किसी देश विशेष पर निर्भरता वाली विदेश नीति से पूरी तरह से परहेज करेगी। चुनावी जीत के तुरंत बाद बीएनपी के स्थायी समिति सदस्य सलाउद्दीन अहमद ने कहा था कि हमारी पार्टी औपचारिक रूप से भारत से शेख हसीना के प्रत्यर्पण की मांग करेगी। जिससे यहां देश में उनके खिलाफ मुकदमा चलाया जा सकेगा।

खबर संक्षेप

यूएस में 22 वर्षीय भारतीय छात्र लापता

वॉशिंगटन। अमेरिका की कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, बर्कले में पढ़ रहे एक 22 वर्षीय भारतीय

छात्र की लापता होने की खबर सामने आई है। कर्नाटक के साकेत श्रीनिवासैया कैलिफोर्निया में रहकर पोस्ट ग्रेजुएशन की पढ़ाई कर रहे हैं। जो कि मंगलवार यानी 10 फरवरी से लापता है। साकेत का बैग, जिसमें पासपोर्ट और लैपटॉप था पार्क हिल्स इलाके में एक घर के दरवाजे पर मिला। सैन फ्रांसिस्को स्थित भारतीय दूतावास ने घटना पर गहरी चिंता व्यक्त की।

भारत-कनाडा के रिश्ते 'वापस पटरी पर'

ओटावा। कनाडा में भारत के उच्चायुक्त दिनेश पटनायक ने कहा है कि भारत और कनाडा के संबंध

अब बेहद अच्छे हो गए हैं और पूरी तरह सही दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने भरोसा जताया कि व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते (सीईपीए) को लेकर बातचीत कुछ ही हफ्तों में शुरू हो सकती है और इसे जल्दी पूरा किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि जी7 समिट के दौरान पीएम मार्क कार्नी की कनानास्किस में पीएम नरेंद्र मोदी से मुलाकात के बाद रिश्ते और मजबूत हुए। जल्द ही एक हाई-लेवल कनाडाई दौरे की उम्मीद है।

देशी बम बनाने के दौरान धमाका, 2 की मौत

ढाका। बांग्लादेश के चापाइनवाबगंज जिले में शनिवार सुबह करीब 5 बजे देशी बम बनाते

समय विस्फोट हो गया। हादसे में दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हैं। घटना चर बगडांगा यूनियन के पाथापाड़ा गांव की है। सदर पुलिस स्टेशन के प्रभारी अधिकारी नुरे आलम ने बताया कि घर के अंदर कथित तौर पर देशी बम तैयार किए जा रहे थे। इसी दौरान अचानक तेज धमाका हुआ। मृतकों की पहचान तत्काल नहीं हो सकी है। घायल पाथापाड़ा गांव के हैं।

अब उत्तर-पूर्व में नहीं चलेगी चीन की कोई टेढ़ी चाल...

डिब्रूगढ़-मोरान हाईवे पर बने आपातकालीन रनवे पर पीएम मोदी की ऐतिहासिक लैंडिंग

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

- वायुसेना के बड़े परिवहन विमान सी-130जे सुपर हरक्यूलिस से उतरे पीएम
- रनवे पर एयर शो में सुनाई दी सुखोई-30 एमकेआई, राफेल, एएन-32 और ध्रुव हेलिकॉप्टर की गर्जना

भारत-चीन के बीच एलएसी विवाद पूरी तरह से खत्म होने के बाद उत्तर-पूर्वी क्षेत्र से भारत के लिए एक खुशखबरी आई है। जिसमें यह जानकारी मिली है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को असम के डिब्रूगढ़-मोरान राष्ट्रीय राजमार्ग-127 पर बनाई गई पूर्वोत्तर की पहली आपातकालीन रनवे सुविधा (ईएलएफ) का सी-130जे सुपर हरक्यूलिस विमान के साथ अपनी ऐतिहासिक लैंडिंग के जरिए उद्घाटन किया है। इसकी कुल लंबाई 4.2 किलोमीटर है। परियोजना पर कुल 100 करोड़ रुपए की लागत आई है। समारोह में प्रधानमंत्री के अलावा असम के राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य और मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा मौजूद रहे। एक्स पर पोस्ट में पीएम ने बताया, 'उत्तर पूर्वी क्षेत्र में आपातकालीन लैंडिंग सुविधा होने पर गर्व है। यह रणनीतिक दृष्टि से और प्राकृतिक आपदाओं के दौरान अत्यंत महत्वपूर्ण है'।

पीएम मोदी मोरान बाइपास पर उतर रहे वायुसेना के विमान का अवलोकन करते हुए

ईएलएफ पहुंचने के लिए प्रधानमंत्री ने राज्य में वायुसेना के एक प्रमुख ठिकाने चाबुआ एयरबेस से सी-130 विमान में उड़ान भरी थी। वहां पहुंचने पर राज्य के राज्यपाल, मुख्यमंत्री ने उनका स्वागत किया। इस दौरान केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल, वायुसेनाप्रमुख एयरचीफ मार्शल ए.पी. सिंह और केंद्र, राज्य के अन्य वरिष्ठ सरकारी अधिकारी मौजूद थे। इसके अलावा पीएम ने ब्रह्मपुत्र नदी पर बनाए गए कुमार भास्कर वर्मा सेतु का भी अनावरण किया। इस परियोजना की कुल लागत 3 हजार 30 करोड़ रुपए है। कुल 6 लेन का ये एक्स्ट्राडोज्ड प्रीस्ट्रेस्ड कंक्रीट का यह पुल गुवाहाटी को नॉर्थ गुवाहाटी से जोड़ता है।

भास्कर वर्मा सेतु का किया लोकार्पण

हाईवे पर हुई सुखोई राफेल की गर्जना

ईएलएफ पर पीएम ने वायुसेना के 40 मिनट के एक शानदार एयर-शो का भी जायजा लिया। जिसमें सुखोई-30 एमकेआई, राफेल जैसे अत्याधुनिक लड़ाकू विमानों ने टेकऑफ और लैंडिंग के जरिए असम के सीमावर्ती आसमान को अपनी प्रचंड ध्वनि से गुंजायमान कर दिया। इसके अलावा बल के ही विशालकाय परिवहन विमानों जैसे सी-130जे सुपर हरक्यूलिस और एएन-32 ने भी अपनी सैन्य तथा मानवीय सहायता और आपदा राहत (एचएडीआर) अभियानों को लेकर बनी हुई क्षमता का बेजोड़ नजारा प्रस्तुत किया।

11 राज्यों में हैं आपातकालीन रनवे सुविधाएं

बता दें, इस तरह की सुविधाओं का निर्माण सरकार ने युद्ध व अन्य आपातकालीन परिस्थितियों में सीमा से लगे क्षेत्रों के अलावा देश के आंतरिक इलाकों से भी दुश्मन पर हमला करने के उद्देश्य से शुरू किया है। वायुसेना संभवतः 2015 से अपने जंगी विमानों को रनवे पर टेकऑफ और लैंड करने का अभ्यास कर रही है। इसी क्रम में अब तक कुल करीब 11 राज्यों में 28 ईएलएफ का निर्माण हो चुका है। जिसमें असम में 1, हरियाणा में 2, जम्मू-कश्मीर में 2, पंजाब में 1, उत्तर प्रदेश में 1, राजस्थान में 3, गुजरात में 3, पश्चिम बंगाल में 4 और तमिलनाडु में 2 ईएलएफ बनाई गई हैं।

एलएसी से कम दूरी ने बढ़ाया महत्व

सामरिक दृष्टिकोण से यहां ध्यान देने वाली एक महत्वपूर्ण बात ये है कि ऊपरी असम में बनाई गई इस ईएलएफ की इलाके में चीन से लगी हुई वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) से दूरी 300 किलोमीटर से भी कम है। अब यहां पर आवश्यकता पड़ने पर या किसी आपातकालीन परिस्थिति में वायुसेना के सुखोई, राफेल, तेजस, जगुआर जैसे तमाम अग्रणी पंक्ति के लड़ाकू विमान, हेलीकॉप्टर और परिवहन विमान आसानी से टेकऑफ और लैंड कर सकेंगे। जिससे सीमाई क्षेत्र में तैनात सेना, वायुसेना की रणनीतिक क्षमता के साथ ही प्राकृतिक आपदा के समय राहत-बचाव कार्यों की गति में भी कई गुना का इजाफा देखने को मिलेगा। इस रनवे सुविधा पर 40 टन तक के लड़ाकू विमान उतर सकते हैं। जबकि मालवाहक विमान करीब 74 टन वजन के साथ आसानी से टेकऑफ कर सकते हैं।

मादुरो पर कार्रवाई से खुश ट्रंप बोले

दुनिया भर में 'दुश्मन' हमसे डरते सीक्रेट हथियार का इस्तेमाल किया

एजेंसी ▶▶ नॉर्थ कैरोलिना

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने नॉर्थ कैरोलिना में दुनिया के सबसे बड़े सैन्य अड्डों में से एक फोर्ट ब्रैग में सैनिकों और उनके परिवारों को संबोधित किया। इस दौरान वेनेजुएला के पूर्व राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को सत्ता से हटाने वाले विशेष सैन्य अभियान में शामिल सेना के जवानों की सराहना की। ट्रंप ने कहा कि पिछले महीने (03 जनवरी) के साहसिक कार्रवाई का मतलब है कि पूरी दुनिया ने देखा कि अमेरिका की पूरी सैन्य शक्ति क्या कर सकती है। इस कार्रवाई में यह निश्चित किया कि दुनिया भर में संभावित दुश्मन हमसे डरते हैं। उन्होंने कहा कि अमेरिका ने एक सीक्रेट हथियार का इस्तेमाल किया। इस हथियार की वजह से रूस और चीन के डिफेंस सिस्टम काम नहीं कर पाए। ट्रंप ने इस हथियार को 'डिसकम्बोबुलेटर' कहा। ट्रंप ने कहा वेनेजुएलाई सैनिकों को एक भी गोली चलाने का मौका नहीं मिला। रूसी उपकरण काम नहीं किए। चीनी उपकरण काम नहीं किए।

डोनाल्ड ट्रंप

सोनिक हथियार के इस्तेमाल का आरोप

अमेरिका पर वेनेजुएला में सोनिक हथियार इस्तेमाल करने का आरोप लगा है। वेनेजुएला ऑपरेशन के दौरान अमेरिकी सेना ने एक बेहद शक्तिशाली और अब तक न देखे गए हथियार का इस्तेमाल किया, जिससे वेनेजुएला के सैनिक पूरी तरह बेबस हो गए थे। एक सुरक्षाकर्मी ने पिछले महीने बताया कि ऑपरेशन शुरू होते ही उनके सभी रडार सिस्टम अचानक बंद हो गए। इसके कुछ ही सेकेंड बाद उन्होंने आसमान में बड़ी संख्या में ड्रोन उड़ते देखे। गार्ड के मुताबिक, उन्हें समझ ही नहीं आया कि इस हालात में क्या किया जाए। गार्ड ने आगे दावा किया कि ऑपरेशन के दौरान अमेरिकी सेना ने एक सीक्रेट इक्विपमेंट का इस्तेमाल किया। यह किसी बहुत तेज आवाज या तरंग (साउंड वेव) जैसा था।

किले की तरह सुरक्षित घर में थे मादुरो

बता दें, 3 जनवरी 2026 को अमेरिकी सेना ने वेनेजुएला के तत्कालीन राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को काराकास में घुसकर गिरफ्तार किया था। उनकी पत्नी सिलिया फ्लोरेस को भी हिरासत में लिया। और वहां से अमेरिका ले जाया गया। ट्रंप ने बताया था कि मादुरो राष्ट्रपति भवन में थे, जो किसी किले की तरह सुरक्षित था। वहां एक खास सेफ रूम था, जिसकी दीवारें पूरी तरह स्टील की थीं। मादुरो उस कमरे में घुसने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन अमेरिकी सैनिक इतनी तेजी से अंदर पहुंचे कि वे दरवाजा बंद ही नहीं कर पाए।

एनसीपी विधायक पवार की मांग

अजित पवार के प्लेन क्रैश की हो जांच, शाह-नायडू को लिखा पत्र

एजेंसी ▶▶ पुणे

एनसीपी (एसपी) के विधायक रोहित पवार ने शनिवार को बताया कि उन्होंने 28 जनवरी को हुए विमान हादसे में अजित पवार की मौत के मामले में व्यापक और पारदर्शी जांच की मांग की है। इस संबंध में उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखा है। करजत-जामखेड़ से विधायक रोहित पवार ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि उन्होंने अपनी चिंताओं को दर्शाते हुए एक प्रेजेंटेशन के साथ ईमेल केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, नागरिक उड्डयन मंत्री के. राममोहन नायडू और डीजीसीए को भेजा है। उन्होंने भेजे गए पत्रों और ईमेल की तस्वीरें भी साझा कीं। रोहित पवार ने कहा कि उनकी इस मांग का उद्देश्य राजनीतिक नहीं है, बल्कि यह सुनिश्चित करना है कि दुर्घटना के पीछे की सच्चाई बिना किसी संदेह के सामने आए। उन्होंने कहा कि यह जरूरी है कि घटना की वास्तविक घटनाक्रम जनता के सामने रखा जाए, ताकि किसी तरह की अटकलों या शक की गुंजाइश न रहे। इससे पहले 10 फरवरी को आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में रोहित पवार ने कहा था कि इस दुखद विमान हादसे में तोड़फोड़ की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता और मामले में संदेह की वजह मौजूद है।

छत्तीसगढ़ के धमतरी में सड़का हादसा

बस-कार की भिड़ंत, सीआरपीएफ के 3 जवानों सहित 4 की दर्दनाक मौत

एजेंसी ▶▶ धमतरी

छत्तीसगढ़ के धमतरी जिले में खपरी बायपास के पास ट्रक और कार के बीच जबरदस्त टक्कर हो गई। हादसे में बस्तर से लौट रहे कार सवार तीन सीआरपीएफ जवान और एक ड्राइवर सहित 4 लोगों की मौत हो गई। हादसे में एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल है, जिसका उपचार जारी है। सूचना मिलते ही वरदान परमार्थ एम्बुलेंस सेवा संस्था के शिवा प्रधान, डुमन साहू और हेमंत प्रधान मौके पर पहुंचे।

उन्होंने क्षतिग्रस्त वाहन में फंसे शवों को बाहर निकालकर पोस्टमॉर्टम के लिए जिला अस्पताल पहुंचाया। सिविल सर्जन अभिषेक टोंडर के मुताबिक, टक्कर

इतनी जबरदस्त थी कि दो लोगों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया, जबकि दो अन्य की मौत अस्पताल ले जाते समय हुई। इस हादसे में एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल है, जिसका अस्पताल में इलाज जारी है। प्रशासन द्वारा मामले की जांच की जा रही है और मृतक के परिजनों को सूचित किया जा रहा है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार खपरी बायपास पर जगदलपुर बटालियन से आ रही एक डिजायर कार की ट्रक से जोरदार भिड़ंत हो गई।

निर्वासित क्राउन प्रिंस पहलवी की मांग

विश्व नेता ईरान सरकार पर बनाएं दबाव कहा- चुप्पी साधने से तानाशाही बढ़ती

एजेंसी ▶▶ म्यूनिख

ईरान के निर्वासित क्राउन प्रिंस रेजा पहलवी ने विश्व नेताओं से ईरान सरकार पर दबाव बढ़ाने की अपील की है। जर्मनी के म्यूनिख में सुरक्षा सम्मेलन के दौरान उन्होंने कहा कि अगर लोकतांत्रिक देश चुप बैठे रहे तो ईरान में और जानें जाएंगी। उन्होंने चेतावनी दी कि तेहरान के खिलाफ निष्क्रियता बुलियों और दमनकारी शासन को बढ़ावा देती है। रेजा ने 'ग्लोबल डे ऑफ एक्शन' का ऐलान किया। उन्होंने समर्थकों से म्यूनिख, लॉस एंजेलिस और टोरंटो में प्रदर्शन करने को कहा। इनका मकसद ईरानी जनता के समर्थन में ठोस और तुरंत अंतरराष्ट्रीय कदम उठाने का है।

निर्वासन के बाद भी सक्रिय पहलवी

रेजा पहलवी

रेजा पहलवी ईरान के अपदस्थ शाह के बेटे हैं, जिन्होंने 1979 में सत्ता छोड़कर देश छोड़ा था। वह करीब 50 साल से निर्वासन में हैं, लेकिन खुद को ईरान के भविष्य की राजनीति में एक विकल्प के रूप में पेश कर रहे हैं। उनका दावा है कि ईरान में जनता बदलाव चाहती है और अंतरराष्ट्रीय समर्थन से यह संभव है।

47 वर्षों से ईरान वार्ता कर रहा: ट्रंप

परमाणु समझौते पर ओमान की राजधानी मस्कट में दोनों देशों के बीच पहले दौर की वार्ता बेनतीजा रही, जिसके बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि 47 वर्षों से ईरान केवल वार्ता को टालता रहा है, जबकि कई लोगों ने अपनी जान गंवाई है। उन्होंने दो टूक कहा कि इसे हमेशा के लिए सुलझा देंगे। देखते हैं आगे क्या होता है? हम इसका सामना करेंगे।

म्यूनिख सिक्योरिटी कॉन्फ्रेंस में जर्मन चांसलर मर्ज ने अमेरिका को लताड़ा, कहा-

यूरोप-यूएस के बीच रिश्तों में गहरी दरार, नियमों से चलने वाली दुनिया अब खत्म

एजेंसी ▶▶ म्यूनिख

जर्मनी के चांसलर फ्रेडरिक मर्ज ने कहा है कि यूरोप की आजादी की अब गारंटी नहीं है। मर्ज के मुताबिक यूरोप अब यह मानकर नहीं चल सकता कि उसे अपने-आप सुरक्षा मिलती रहेगी। म्यूनिख में सिक्योरिटी कॉन्फ्रेंस (एमएससी) को संबोधित करते हुए मर्ज ने माना कि यूरोप और अमेरिका के रिश्तों में गहरी दरार आ गई है। उन्होंने कहा कि नियमों से चलने वाली दुनिया खत्म हो गई है, वैश्विक व्यवस्था अब उस रूप में मौजूद नहीं रही। मर्ज ने कहा कि दुनिया अब बड़ी शक्तियों की प्रतिस्पर्धा से चल रही है। सम्मेलन में कई यूरोपीय नेता और अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो भी मौजूद रहे। फ्रेडरिक मर्ज ने शुक्रवार को जर्मनी के म्यूनिख में 13 से 15 फरवरी तक हो रहे म्यूनिख सिक्योरिटी कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया।

फैसले ताकत और हितों के आधार पर हो रहे

ताकत के भरोसे आगे बढ़ना अब संभव नहीं

नाटो की यूरोप के साथ अमेरिका को जरूरत

जर्मन चांसलर मर्ज (बाएं) और अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो

मर्ज ने कहा कि द्वितीय विश्व युद्ध के बाद जो वैश्विक व्यवस्था बनी थी, वह अब खत्म हो गई है। उस समय देश आपसी नियमों और समझ के आधार पर काम करते थे, लेकिन अब हालात बदल गए हैं। ऐसे माहौल में यूरोप यह मानकर नहीं चल सकता कि उसकी सुरक्षा और आजादी अपने-आप बनी रहेगी। यूरोपीय देशों को अब ज्यादा जिम्मेदारी लेनी होगी। जरूरत पड़े तो त्याग भी करना होगा और अपनी रक्षा व अर्थव्यवस्था खुद मजबूत करनी होगी। मर्ज के मुताबिक, अब फैसले साझा नियमों से नहीं, बल्कि ताकत और अपने-अपने हितों के आधार पर लिए जा रहे हैं।

अमेरिका भी अकेले नहीं चल सकता

मर्ज ने कहा कि आज की दुनिया में अमेरिका भी अकेले नहीं चल सकता। अब हालात ऐसे हो गए हैं कि कोई भी बड़ी ताकत अपने दम पर हर चुनौती का सामना नहीं कर सकती। महाशक्तियों के बीच बढ़ती प्रतिस्पर्धा के इस दौर में अमेरिका को भी सहयोगियों की जरूरत है। सुरक्षा, रक्षा, तकनीक और व्यापार जैसे बड़े मुद्दों पर साझेदारी जरूरी है। सिर्फ ताकत के भरोसे आगे बढ़ना अब संभव नहीं है। मर्ज ने साफ किया कि नाटो सिर्फ यूरोप के लिए नहीं, बल्कि अमेरिका के लिए भी फायदेमंद है। यह गठबंधन दोनों पक्षों को मजबूत बनाता है। उन्होंने कहा कि यूरोप नाटो के भीतर ही एक मजबूत ताकत बनने की दिशा में कदम बढ़ा रहा है, ताकि साझेदारी बराबरी की हो।

विदेश मंत्री रुबियो का दावा

यूरोप के साथ नहीं टूटेंगे रिश्ते गलतियों को मिलकर सुधारेंगे

अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा है कि अमेरिका और यूरोप के बीच रिश्ते टूटने वाले नहीं हैं। उन्होंने साफ कहा कि दोनों पक्षों के बीच भले कुछ मतभेद बढ़े हों, लेकिन अमेरिका चाहता है कि ट्रांस-अटलांटिक संबंध (अमेरिका-यूरोप साझेदारी) मजबूत ही बने रहें। उन्होंने माना कि अमेरिका ने हाल के समय में यूरोप से बातचीत में काफी सीधी और कड़ी भाषा इस्तेमाल की है। लेकिन उनका कहना था कि इसका मकसद रिश्ते खराब करना नहीं, बल्कि उन्हें फिर से मजबूत बनाना है। उन्होंने कहा कि हमने गलतियां साथ-साथ की हैं, अब मिलकर उन्हें सुधारना होगा।

यूरोप भरोसेमंद और पुराना दोस्त

रुबियो ने कहा कि अमेरिका यूरोप को अपना सबसे पुराना और भरोसेमंद दोस्त मानता है। दोनों ने इतिहास में कई युद्ध साथ लड़े हैं और बलिदान दिए हैं। आने वाले समय में भी अमेरिका यूरोप के साथ मिलकर आगे बढ़ना चाहता है। ट्रंप सरकार यूरोप से ज्यादा जिम्मेदारी, बराबरी का सहयोग और गंभीर साझेदारी चाहती है। अमेरिका अपने सहयोगियों से अब साफ-साफ और सीधे तरीके से बात करता रहेगा। हमारा घर भले ही पश्चिमी गोलार्ध में हो, लेकिन हम हमेशा यूरोप की संतान रहेंगे।

केला उत्पादकों के लिए स्थापित होगी वैल्यू एडिशन, भंडारण एवं प्रसंस्करण इकाई

बुरहानपुर में बनेगा मिनी एयरपोर्ट, शाहपुर को बनाएंगे नगर पालिका, बुरहानपुर में लगाए जाएंगे नए उद्योग-धंधे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि मप्र का चहुंमुखी विकास ही सरकार का एकमात्र लक्ष्य है। आत्मनिर्भर और विकसित मप्र के निर्माण में हर नागरिक की सहभागिता सुनिश्चित की जा रही है। सबको साथ और विश्वास में लेकर हम ऐसे नए मप्र का निर्माण करेंगे, जहां विकास केवल अवसर नहीं, यहां के हरेक नागरिक का अधिकार होगा। उन्होंने कृषि, उद्यानिकी एवं अन्य विभागों की 2 वर्ष की उपलब्धियों और भावी विकास योजनाओं पर आधारित विकास प्रदर्शनी का शुभारंभ कर विभिन्न स्टॉल्स का अवलोकन भी किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को बुरहानपुर में विकास कार्यों के लोकार्पण एवं भूमिपूजन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने सिंगल क्लिक से 696 करोड़ 37 लाख रुपए लागत के 80 विकास कार्यों का भूमिपूजन और लोकार्पण कर बुरहानपुर जिले के समग्र विकास को नई गति दी। उन्होंने कहा कि आज जिन कार्यों की सौगातें मिली हैं, ये जिले को आधुनिक, विकसित और आत्मनिर्भर बनाने में बड़ी भूमिका निभाएंगे। मुख्यमंत्री ने बुरहानपुर में नर्मदेश्वर अखंड शिवलिंग की पूजा-अर्चना की।

बुरहानपुर में होगी एग्रीकल्चर बेस्ड रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव, वारकरी समुदाय का कीर्तन केंद्र भी बनाया जाएगा

खास बातें

- बुरहानपुर सहकारी सूत मिल श्रमिकों को होगा बकाया राशि का भुगतान
- बुरहानपुर जिले को मिली 696 .37 करोड़ रुपए के 80 विकास कार्यों की बड़ी सौगात

प्रदर्शनी का अवलोकन करते सीएम।

हमारा प्रण, विकास का प्रकाश पहुंचे प्रदेश के हर कोने-कोने तक

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मप्र को हर क्षेत्र में अग्रणी बनाने के लिए हमारी सरकार पूरी प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है। विकास का प्रकाश प्रदेश के हर कोने, हर गली-मोहल्ले तक पहुंचे, इसी मूल संकल्प के साथ हमारी सरकार सबको साथ और विश्वास में लेकर आगे बढ़ रही है। सरकार अधोसंरचनात्मक और जनकल्याणकारी कार्यों को प्राथमिकता देकर प्रदेश के विकास की गति में निरंतर तेज़ी ला रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बुरहानपुर का विकास हमारी प्राथमिकता में है। हमने इस जिले को विकसित और समृद्ध बनाने का संकल्प लिया है, जिले की जनता की भागीदारी से हम इसे सिद्ध करेंगे, आने वाला समय इसका साक्षी बनेगा।

मुख्यमंत्री ने की अनेकों प्रमुख घोषणाएं

मुख्यमंत्री ने बुरहानपुर में मिनी एयरपोर्ट बनाने की घोषणा की। उन्होंने बुरहानपुर में केला उत्पादक किसानों के हित में वैल्यू एडिशन, भण्डारण एवं प्रसंस्करण के लिए इकाई स्थापित करने, बुरहानपुर में कृषि आधारित रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव कराने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान में नगर परिषद शाहपुर को परीक्षण उपरांत नगर पालिका का दर्जा दिया जाएगा। बुरहानपुर में वारकरी समुदाय का कीर्तन केंद्र बनाया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि हॉर्टीकल्चर सब्जेक्ट अब प्रदेश के सभी महाविद्यालयों में पढ़ाया जाएगा।

बुरहानपुर का नाम ब्रह्मपुर किया जाए

विधायक बुरहानपुर एवं पूर्व मंत्री अर्चना चिटनीस ने कहा कि बुरहानपुर ऐसा स्थान है, जिसके 335 किमी के दायरे में कुल 12 में से 6 ज्योतिर्लिंग स्थापित हैं। बुरहानपुर जिले के समग्र विकास के लिए कैबिनेट में 1673 करोड़ रुपए की सिंचाई परियोजना स्वीकृत की है। बुरहानपुर को ताप्ती ग्राउंड वॉटर मेगा रीचार्ज परियोजना की सौगात मिल रही है। अमृत 2.0 योजना में ताप्ती नदी को स्वच्छ बनाने 19 नालों के प्रबंधन कार्यों का भूमि-पूजन भी हुआ। उन्होंने कहा कि बुरहानपुर प्राचीन काल का ब्रह्मपुर है ।

'बुनकरों का शहर' है बुरहानपुर

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि कृषि से लेकर कपड़ा निर्माण तक, दवा से लेकर फर्नीचर उद्योग तक, पाइप निर्माण से लेकर कृषि उपकरण निर्माण तक बुरहानपुर का जवाब नहीं। यह जिला पावरलूम उद्योग का प्रमुख केन्द्र है और कपड़ा उत्पादन के कारण 'बुनकरों के शहर' के रूप में बुरहानपुर के नाम से विख्यात है। यहां का केला उत्पादन, फसल विविधता और परिश्रमी किसान, यही हमारे कृषक कल्याण वर्ष की असली ताकत हैं।

केरल के निकाय जनप्रतिनिधि पहुंचे भोपाल, मुख्यमंत्री, विधानसभा अध्यक्ष से किया संवाद

राष्ट्र प्रथम की भावना के साथ देश की सेवा में जुटे हैं भाजपा के कार्यकर्ता: डॉ. मोहन यादव

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

भारतीय जनता पार्टी के 'भाजपा फॉर विकसित केरलम' कार्यक्रम के तहत केरल के निकायों के जनप्रतिनिधि दो दिवसीय प्रवास पर शनिवार को सुबह भोपाल और ग्वालियर पहुंचे। भोपाल और ग्वालियर रेलवे स्टेशन पर भाजपा पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया। भोपाल पहुंचे 11 सदस्यीय जनप्रतिनिधियों के प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री निवास पहुंचकर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से मुलाकात की।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जनप्रतिनिधियों से संवाद करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केरल निकाय चुनाव में भाजपा व एनडीए की सफलता जनविश्वास का सशक्त प्रमाण है। पार्टी कार्यकर्ताओं के संघर्षों से आने वाले समय में केरल में भाजपा व एनडीए का परचम लहराएगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा कार्यकर्ता राष्ट्र प्रथम की भावना के साथ देश की सेवा में जुटे हुए हैं। मुख्यमंत्री ने मध्यप्रदेश सरकार की योजनाओं व नवाचारों से जनप्रतिनिधियों को अवगत कराया। जनता की सेवा और अपने क्षेत्र के विकास को कैसे अंजाम तक पहुंचाया जाता है, इस संबंध में भी संवाद किया। इस अवसर पर प्रदेश शासन के मंत्री कैलाश विजयवर्गीय सहित अन्य उपस्थित रहे।

खास बातें

- 11 सदस्यीय जनप्रतिनिधियों के प्रतिनिधिमंडल ने सीएम से की मुलाकात
- भोपाल और ग्वालियर रेलवे स्टेशन पर पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने किया स्वागत

सीएम ने की केरल से आए प्रतिनिधियों से मुलाकात।

भाजपा प्रदेश कार्यालय पहुंचे, कहा: कार्यकर्ताओं का हौसला बढ़ा

केरल के निकायों के जनप्रतिनिधियों ने भोपाल में भाजपा प्रदेश कार्यालय में पार्टी पदाधिकारियों से संवाद किया। पार्टी संगठन की कार्यप्रणाली जानी। इसके बाद जनप्रतिनिधियों ने कार्यालयों का भ्रमण कर संगठन के कार्यों को समझा। जनप्रतिनिधियों ने मीडिया से चर्चा करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा से मध्यप्रदेश प्रवास पर आए हैं। जनप्रतिनिधियों ने कहा कि केरल के निकाय चुनावों में मिली सफलता से कार्यकर्ताओं का हौसला बढ़ा है।

आज विभिन्न स्थलों का करेंगे अवलोकन

केरल के निकायों के जनप्रतिनिधिगण भोपाल में 15 फरवरी को सुबह 9:45 बजे लोकभवन पहुंचकर राज्यपाल मंगुभाई पटेल से सौजन्य भेंट एवं संवाद करेंगा। इसके बाद सुबह 11:00 बजे एयरपोर्ट रोड स्थित महावीर गिरी पर्यटन स्थल का भ्रमण सहित अन्य स्थानों का भ्रमण करेंगे। वहीं ग्वालियर में सुबह 9:30 बजे शिंदे की छावनी स्थित पूर्व प्रधानमंत्री, भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी के निवास पहुंचकर पुष्पांजलि अर्पित कर नमन करेंगे।

कुशाभाऊ ठाकरे और राजगोपाल के विचारों व कार्यों से सीखना चाहिए : नरेन्द्र सिंह तोमर

ग्वालियर पहुंचे जनप्रतिनिधियों के 13 सदस्यीय प्रतिनिधि मंडल ने मप्र विधानसभा के अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर से मुलाकात कर संवाद किया। नरेन्द्र सिंह तोमर ने कहा कि केरल में जनसंघ के समय से विचार के लिए हमारी पार्टी के कार्यकर्ता संघर्ष कर रहे हैं। आने वाले चुनावों में भाजपा की विजय सुनिश्चित है। उन्होने कहा कि भाजपा का बहुत लंबा इतिहास है। सभी कार्यकर्ताओं को पार्टी के पितृ पुरूष श्रद्धेय कुशाभाऊ ठाकरे और ओ राजगोपाल के विचारों व कार्यों से सीखना चाहिए।

केरल के पार्षदों ने शहर की सफाई व्यवस्था देखी, कंट्रोल एंड कमांड सेंटर और रिमेडिएशन साइट का लिया जायजा

भोपाल। केरल नगरीय निकायों के जनप्रतिनिधियों के एक दल ने शनिवार को भोपाल नगर निगम द्वारा स्वच्छता की गतिविधियों व स्वच्छता के नवाचारों, सीवेज नेटवर्किंग, जलापूर्ति, झीलों के संरक्षण, सौन्दर्यीकरण सहित अन्य जनसुविधा एवं विकास कार्यों को देखा और पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से आवलोकन किया। उक्त दल ने सफाई व्यवस्था व नवाचारों की सराहना करते हुए केरल के नगरीय निकायों में भी भोपाल की तर्ज पर स्वच्छता का भोपाल मॉडल व नवाचारों सहित अन्य कार्यों को कार्य योजना में सम्मिलित करने की इच्छा जाहिर की। ''विकसित केरलम'' कार्यक्रम के तहत केरल के विभिन्न नगरीय निकायों के जनप्रतिनिधियों का दल पहुंचा है। महापौर मालती राय ने केरल के जनप्रतिनिधियों का शॉल, श्रीफल व पौधे भेंटकर स्वागत व सम्मान किया।

प्रतिनिधिमंडल के साथ महापौर।

केरल के नगरीय निकायों में भोपाल की तर्ज पर स्वच्छता मॉडल लागू करने की इच्छा जताई

महापौर सहित सांसद, परिषद अध्यक्ष सहित जनप्रतिनिधि रहे

सांसद की मौजूदगी में भानपुर खंती का किया आवलोकन

केरल के प्रतिनिधि मंडल ने सांसद आलोक शर्मा की मौजूदगी में भानपुर की पुरानी खंती क्षेत्र का भी अवलोकन किया और यहां एकत्र पुराने कचरे के वैज्ञानिक ढंग से किए गए निष्पादन तथा लैंड रिक्लेम तथा हरितिमा विकास के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी प्राप्त की।

कमांड कंट्रोल सेंटर पहुंचा दल, नया मुख्यालय भवन भी देखा

केरल के पार्षदों ने ननि के नवनिर्मित मुख्यालय, स्मार्ट सिटी कार्यालय स्थित इंटीग्रेटेड कंट्रोल एंड कमांड सेंटर का भी किया और आईसीसीसी की कार्य पद्धति व वाहनों की सतत रूप से की जा रही मॉनीटरिंग आदि की जानकारी भी प्राप्त की।

राज्यपाल मंगुभाई पटेल से प्रधानमंत्री के प्रमुख सचिव की सौजन्य भेंट

राज्यपाल का प्रधानमंत्री के प्रमुख सचिव डॉ. मिश्रा ने पुष्प गुच्छ भेंट कर अभिनंदन किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

राज्यपाल मंगुभाई पटेल से प्रधानमंत्री के प्रमुख सचिव डॉ. पीके मिश्रा ने शनिवार को लोकभवन में सौजन्य भेंट की। राज्यपाल पटेल के साथ विभिन्न विषयों पर चर्चा की। राज्यपाल का प्रधानमंत्री के प्रमुख सचिव डॉ. मिश्रा ने पुष्प गुच्छ भेंट कर अभिनंदन किया। राज्यपाल पटेल ने डॉ. मिश्रा को अंग वस्त्रम और सांची स्तूप की प्रतिकृति स्मृति स्वरूप भेंट की।

बीएचईएल में पांच विनिवेश के विरोध में हुआ प्रदर्शन

कर्मचारियों ने नारे लगाकर, प्रदर्शन करके किया विनिवेश नीति का विरोध

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

बीएचईएल में पांच शासकीय हिस्सेदारी के विनिवेश के विरोध में हेवू भारतीय मजदूर संघ, बीएचईएल द्वारा चरणबद्ध आंदोलन के द्वितीय चरण में शनिवार को बीएचईएल के फाउंड्री गेट पांच क्रांति स्थल पर विरोध प्रदर्शन कर नारेबाजी की।

प्रदर्शन के दौरान बीएचईएल बचाओ, देश बचाओ एवं सार्वजनिक क्षेत्र के निजीकरण के विरुद्ध नारों के साथ सरकार की विनिवेश नीति का विरोध किया। प्रदर्शन संगठन के कार्यकारी अध्यक्ष संजय चौधरी एवं महामंत्री कमलेश नागपुरे ने बताया कि प्रदर्शन में हेवू भारतीय मजदूर संघ के पदाधिकारी, कार्यकारिणी सदस्य एवं सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने बड़ी संख्या में भाग लेकर सरकार की विनिवेश नीति के प्रति अपना तीव्र विरोध दर्ज कराया। विनिवेश के विरोध के प्रथम चरण में भेल महासंघ-भारतीय मजदूर संघ के आह्वान पर भारतीय मजदूर संघ द्वारा बीएचईएल की विभिन्न इकाइयों से राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को पत्र प्रेषित कर प्रस्तावित पांच प्रतिशत विनिवेश (ओएफएस) के निर्णय को तत्काल वापस लेने की मांग की गई थी। 14 फरवरी शनिवार कों देशभर की बीएचईएल इकाइयों में विरोध प्रदर्शन आयोजित किए गए, जिसके अंतर्गत बीएचईएल भोपाल में भी यह विरोध प्रदर्शन हुआ।

सुनो शहर सरकार

विवादों में नए मुख्यालय भवन की शिफ्टिंग

करीब 40 करोड़ से बना निगम का नया मुख्यालय भवन इन दिनों विवादों में घिरा हुआ है। बिना लोकार्पण के ही शिफ्टिंग तो शुरू कर दी, लेकिन अभी काफी काम अधूरे बताए जा रहे हैं। कुछ चुनिंदा विभागों का कामकाज यहां से शुरू तो कर दिया, लेकिन जब कमियां सामने आईं तो यहां मीडिया के लोगों को भी भीतर जाने से मना करना शुरू कर दिया। यहां इन दिनों फीनिशिंग का काम चल रहा है। वास्तविकता यह है कि यहां अभी काम ही पूरा नहीं हुआ है। जबकि निगम के अधिकारी और कर्मचारी भी नए भवन में काम करने के इतने इच्छुक हैं कि उन्होंने अपने-अपने विभागों का सामान भी समेटना शुरू कर दिया है। जबकि जानकारों की मानें तो भवन को पूरी तरह से तैयार होने में दो से तीन माह तक लग सकते हैं। फिर निगम प्रशासन इतनी जल्दी में क्यों है!

अवकाश के दिन ड्यूटी से महिला कर्मचारी दुखी

शनिवार को अवकाश के शुक्रवार को अचानक मिले राजस्व वसूली शिविर लगाने के फरमान से वार्ड कार्यालयों में पदस्थ महिला कर्मचारी बेहद दुखी हैं। उनका तर्क है कि महिला होने के नाते अवकाश के दिन घर-परिवार में भी बहुत सारे काम होते हैं। परिवार की जिम्मेदारियों का निर्वहन भी करना होता है। राजस्व वसूली शिविर में इस बात की चर्चा करतीं महिला कर्मचारी नजर आईं। उनका एक तर्क यह भी था कि मार्च माह में भी इसी तरह के अवकाश के दिन शिविर लगेंगे और उन्हें ड्यूटी करना ही होगी तो इसके बदले में अवकाश देने की व्यवस्था भी करना चाहिए। हालांकि इसी चर्चा के बीच पुरुष कर्मचारियों ने भी इस बात का समर्थन किया। बहरहाल निर्णय तो निगम प्रशासन को करना है। आदेश का पालन तो करना ही पड़ेगा, क्योंकि राजस्व वसूली का जो मामला है।

ऐसी बहानेबाजी मत करिए साहब

अयोध्या नगर में इसरो के गेस्ट हाउस के आसपास रहने वाले परिवार निगम के बिजली विभाग के मैदानी अमले से बेहद परेशान हैं। दरअसल मामला क्षेत्र में बंद स्ट्रीट लाइटों को बदलने का है। हालांकि यह लाइटें हर तीन में ही खराब हो जाती हैं और क्षेत्र में अंधेरा पसर जाता है। बीते दिनों यहां लाइटें बदलने का काम तो हुआ, लेकिन कुछ जगह लाइटें नहीं लगवाईं। एक रहवासी ने जब मैदानी अमले के कर्मचारी को लाइट बदलने के लिए मोबाइल पर काल किया तो जवाब मिला की वाहन खराब हो गया है। शिकायतकर्ता का कहना था कि ऐसी बहानेबाजी मत करिए साहब आप तो यह बता दीजिए कि कब लगाएंगे लाइट। क्योंकि उक्त क्षेत्र में अक्सर जहरीले जीव-जंतु भी निकलते हैं। बहरहाल मामले की शिकायत निगम के उच्च अधिकारियों तक पहुंच गई है।

एमएम सिद्दीकी

बजट में डीए, सातवां वेतनमान और कैशलेस इलाज का प्रावधान हो

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मन्त्र कर्मचारी मंच ने वित्त मंत्री से 18 फरवरी को प्रस्तुत किए जा रहे बजट में प्रदेश के कर्मचारी, स्थाई कर्मियों, दैनिक वेतन भोगी, अंशकालीन कर्मचारी के लिए प्रमुखता से प्रावधान कर नियमित कर्मचारियों को तीन प्रतिशत डीए, स्थाई कर्मियों को सातवां वेतनमान का लाभ और कैशलेस इलाज की सुविधा देने के लिए मांग पत्र सौंपा। प्रदेश अध्यक्ष पांडे ने बताया कि प्रदेश कि कर्मचारी लंबे समय से कैशलेस इलाज की सुविधा, आठवें वेतन आयोग का गठन, स्थाई कर्मियों को सातवें वेतनमान का लाभ, अंशकालीन कर्मचारी कलेक्टर दर की पात्रता देने की मांग कर रहे हैं, लेकिन पूर्व मे प्रस्तुत किए गए बजट में उक्त प्रावधान नहीं किए थे इसलिए वित्त मंत्री को मांग पत्र सौंप कर बजट 2026 में कर्मचारियों की लंबित मांगों को पूरी करें।

बुजुर्ग पेंशनरों का जंतर-मंतर पर करो या मरो आंदोलन नौ मार्च से

भोपाल। ईपीएस 95 पेंशनर्स के लिए रुपए 7500 प्लस डीए तथा मेडिकल सुविधा के लिए पूरे देश मे राष्ट्रीय संघर्ष समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक राउत के नेतृत्व में धरना प्रदर्शन किया जा रहा है। सरकार द्वारा बार-बार अश्वासन दिया जा रहा है कि कार्रवाई चल रही है। राष्ट्रीय अध्यक्ष कमांडर अशोक राउत के नेतृत्व में बुजुर्ग पेंशनर्स के आत्मसम्मान एवं अपने अधिकारों के लिए 9, 10 एवं 11 मार्च को करो या मरो आंदोलन दिल्ली के जंतर-मंतर पर किया जाएगा। ईपीएस 95 राष्ट्रीय संघर्ष समिति मध्यप्रदेश के प्रदेश उपाध्यक्ष अरुण वर्मा ने बताया कि आंदोलन में मप्र के बुजुर्ग पेंशनर्स भी बड़ी संख्या में शामिल होंगे।

कार्यशाला: व्यक्ति के लिए स्वास्थ्य का अधिकार सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

शासकीय राज्य स्तरीय विधि महाविद्यालय में सस्टेनेबल लाइफ स्टाइल पर राज्य स्तरीय कार्यशाला का आयोजन सुबह 11: 30 बजे से 2 बजे तक हुआ।

इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मध्य प्रदेश रेड क्रॉस सोसाइटी के अध्यक्ष डॉ. श्याम सिंह कुमारे जी,आईएएस (सेवानिवृत्त) रहे, जिन्होंने कहा कि किस तरीके से आदिवासी लोग पर्यावरण की सुरक्षा कर रहे हैं एवं मुख्य वक्ता के रूप में आरोग्य भारती के राष्ट्रीय कार्यकारणी सदस्य मिहिर कुमार झा रहे। इनके द्वारा यह बताया गया कि व्यक्ति के लिए स्वास्थ्य का अधिकार सबसे महत्वपूर्ण है। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय की प्राचार्य प्रोफेसर रोमा मुखर्जी द्वारा की गई, जिन्होंने कहा कि महाविद्यालय में चल रहे ईको क्लब के सराहनीय कार्य कर रहा है और यह बताया कि महाविद्यालय के विद्यार्थी लगातार पर्यावरण संरक्षण का कार्यक्रम करते रहते है। कार्यक्रम का संचालन डॉ जितेंद्र कुमार गुप्ता एवं अर्चना रैकवार के द्वारा किया गया।

गोविंदपुरा में जुड़े सबसे ज्यादा 20 हजार 216, बैरसिया में 4 हजार 469 नाम

देर रात तक चलता रहा नए नाम जोड़ने और आपत्तियों पर काम

चार लाख 38 हजार नाम काटने के बाद 63 हजार नए नाम जोड़े

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

राजधानी की बैरसिया, नरेला, उत्तर, दक्षिण पश्चिम, मध्य, गोविंदपुरा और नरेला विधानसभा के 21 लाख 25 हजार 908 मतदाताओं की वोटर लिस्ट से कराए गए एसआईआर में अब तक 16 लाख 87 हजार 86 हजार 915 मतदाताओं के नाम जोड़ लिए गए हैं, जिसमें 63 हजार 133 नए मतदाता शामिल हैं। जबकि 18 हजार 629 मतदाताओं के आवेदनों की जांच की जा रही है।

चौदह फरवरी को स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) का काम पूरा कर लिया गया है, हालांकि देर रात तक बीएलओ और ईआरओ काम में जुटे रहे। एसआइआर का काम पिछले 100 दिन से चल रहा है, सबसे पहले मतदाता सूची को फ्रीज किया गया। इसके बाद 4 नवंबर से गणना पत्रक बांटे गए। लंबे समय तक चले काम में अब तक जिसके बाद सात विधानसभा क्षेत्र में जिसमें अब तक 16 लाख 87 हजार 86 हजार 915 मतदाताओं के नाम जोड़ लिए गए हैं। एसआइआर के दूसरे चरण में नो मैपिंग और तार्किक विसंगति श्रेणी के करीब तीन लाख 59 हजार मतदाताओं का वेरिफिकेशन भी किया गया, जबकि चार लाख 38 हजार एएसडीआर श्रेणी वाले मतदाताओं के नाम काटे गए हैं। एसआईआर के दौरान सबसे ज्यादा परेशानी मतदाताओं को हुई। जिसमें उन्हें वर्ष 2003 की मतदाता सूची में दर्ज स्वयं की या अपने माता पिता की जानकारी के साथ वापस जमा किया था। इस तरह गणना पत्रक डिजिटाइज करने के साथ ही 23 दिसंबर को मतदाता सूची का ड्राफ्ट रोल जारी कर दिया गया। जिसमें 16 लाख 87 हजार 33 मतदाताओं के नाम फाइनल कर लिए गए। जबकि एक लाख 16 हजार 925 नो मैपिंग और चार लाख 38 हजार 317 एएसडीआर श्रेणी वाले मतदाता चिह्नित किए गए थे।

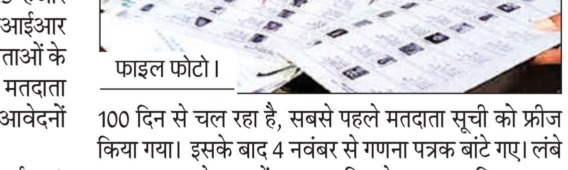

फाइल फोटो।

21 को जारी होगी फाइनल लिस्ट

मतदाता सूची के एसआईआर के दौरान मतदाताओं की सुनवाई, सत्यापन का काम पूरा हो गया है। नए मतदाताओं के फार्म छह, दावा-आपत्ति के फार्म सात और संशोधन के फार्म आठ का भी निराकरण किया जा रहा है।

भुवन गुप्ता, उपजिला निर्वाचन अधिकारी

राज्य संग्रहालय में शिव पार्वती के अथाह प्रेम, त्याग और समर्पण को दर्शाती प्राचीन प्रतिमाएं

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

महाशिवरात्रि केवल एक धार्मिक पर्व नहीं, बल्कि प्रेम, समर्पण और आध्यात्मिक एकता का पावन उत्सव है। यह दिन भगवान शिव और माता पार्वती के दिव्य मिलन का प्रतीक माना जाता है, एक ऐसा मिलन, जिसमें तप और शक्ति, विरक्ति और स्नेह, योग और भक्ति का सुंदर संतुलन दिखाई देता है। माता पार्वती ने भगवान शिव को पति रूप में पाने के लिए कठोर तपस्या की। उनकी अटूट श्रद्धा और समर्पण ने अंततः शिव को प्रसन्न किया और उनका विवाह हुआ। शिवरात्रि को सटीक अर्थों में व्यक्त करती अभिव्यक्ति को हमारी प्राचीन धरोहरों और शिव पार्वती की मूर्तियों में देखा जा सकती है। शिव और पार्वती के प्रेम के प्रतीक ऐसी ही प्राचीन धरोहरों को सहेजकर रखा है राज्य पुरातत्व संग्रहालय में। शिव पुराण और अन्य पुराणों में शिव और शक्ति को एक दूसरे का पर्याय माना जाता रहा है, राज्य संग्रहालय की मूर्तियां शिव शक्ति के इसी पर्याय पर आधारित है, जो विभिन्न कालख़ंडों में निर्मित हैं और शिव भक्तों के धार्मिक विश्वास को ओर भी प्रबल करती हैं।

महाशिवरात्रि विशेष

शिव पार्वती के प्रेम, समर्पण को दर्शाती 'उमा महेश्वर' तो पार्वती के वात्सल्य रूप को दर्शाती 'गौरा' प्रतिमा

'उमा मेहश्वर' में शिव परिवार के साथ ऋषि भृंगी और गंधर्व भी आए नजर

सातवीं और आठवीं सदी से लेकर 12 वीं शताब्दी तक की इन मूर्तियों में शिव और शक्ति के बीच अथाह प्रेम को अर्धनारीश्वर रूप में दर्शाया गया है, जिसमें खास रूप से 10वीं, 11वीं सदी की उमा महेश्वर की मूर्ति खास है। भिंड के वरहद की 11 वीं सदी की उमा मेहश्वर प्रतिमा में शिव और पार्वती को उमा रुप में दर्शाया गया है और उनके कदमों में बैठे नंदी और साथ ही गणेश कार्तिकेय भी अपने माता-पिता के श्रीचरणों में विराजे हैं, साथ ही भृंगी ऋषि और परिकर मालाधारी विद्याधर व गंधर्व के साथ अपने वाहन पर आसीन हैं।

भिंड की उमा महेश्वर

मंदसौर की अर्धनारीश्वर

'रावणानुग्रह' में कैलाश पर्वत को उठाने की चेष्टा करता दशानन

मंदसौर की रावणानुग्रह

वहीं मंदसौर के हिंगलाज गढ़ की अर्धनारीश्वर रूप इसमें भगवान शिव ओर पार्वती को संयुक्त रूप में दर्शाया गया है। तो वहीं वहीं मंदसौर के हिंगलाजगढ़ की रावणानुग्रह भी 11वीं सदी की एक खास प्रतिमा हैं, जिसमें शिव पार्वती प्रतिमा के अधोभाग में रावण दशानन दिखाकर कैलाश पर्वत को उठाने की चेष्टा को शिल्पांकित किया है।

मां के वात्सल्य स्वरूप को दर्शाती 10वीं सदी की मां 'गौरी' प्रतिमा

भानपुरा मंदसौर की गौरी

वहीं भानपुरा मंदसौर की 10वीं सदी की मां गौरी प्रतिमा में पार्वती का मां स्वरूप को दर्शाया गया है, सम्पूर्ण आभूषणों से सुसज्जित मां पार्वती के कदमों में विराजे गणेश और कार्तिकेय अपनी मां के प्रति अपार प्रेम को दर्शा रहे हैं, यह मूर्ति अति सुंदर है।

सदियों पुरानी गाथा को बयां करती शिव पार्वती प्रतिमा

सदियों पुरानी उत्खन्न से प्राप्त प्राचीन प्रतिमाएं जो बयां करती है उस समय की गाथा राज्य संग्रहालय के

क्यूरेटर बीके लोखंडे ने कहा कि शिव पार्वती की इन मूर्तियों को मप्र के मंदसौर, भिंड सहित कई स्थानों से उत्खन्न में प्राप्त कर यहां संग्रहालय में रखा गया है ताकि लोग पुरातत्व रूप में भगवान शिव और मां पार्वती के रूप को देखें और प्राचीन सदियों पुरानी परम्परा के रूप में भगवान शिव और मां पार्वती के स्वरूप को समझ सकें। उन्होंने कहा कि सदियों पुरानी उत्खन्न से प्राप्त प्राचीन प्रतिमाएं असल में उसं समय की गाथा को बयां करती है।

भारत भवन में आयोजित 44वें वर्षगांठ समारोह में हुए विभिन्न कार्यक्रम

सृजन की बहुरंगी संध्या में बिखरा रंग, रेखा और लय का उत्सव

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

भारत भवन में 44वें वर्षगांठ समारोह के दूसरे दिन हुए कई कार्यक्रम

परिसर की दीवारें चित्रों की आहट सुन रही थीं, तबला वादन ने शाम की बेला को और सुहाना बनाया

शहर की सांस्कृतिक धड़कनों के मध्य स्थित भारत भवन में 44वें वर्षगांठ समारोह का दूसरा दिन मानो सृजन का उत्सव-ऋतु बनकर उतरा। कृतज्ञता और उत्सवधर्मिता की भाव-थीम के साथ आरंभ हुए इस उत्सव में शनिवार को कला की विविध धाराओं का ऐसा संगम देखने को मिला। जिसमें रंग, रेखा, शब्द और स्वर एक-दूसरे में विलीन होते दिखाई दिए। परिसर की दीवारें चित्रों की आहट सुन रही थीं, प्रांगण की हवा में माटी की सोंधी गंध घुली थी और सभागार की निस्तब्धता लय के आगमन की प्रतीक्षा में थी। तो वहीं तबला वादन ने शाम की बेला को और सुहाना बनाया।

भारत भवन में दूसरे दिन शनिवार को नृत्य करतीं कलाकार।

भारत भवन 44वें वर्षगांठ समारोह में शिवकांत बाजपेई व्याख्यान देते हुए।

सौंदर्य की परतें खोलती 'छमिया सीरीज'

बनारस से आए सेरेमिक आर्टिस्ट विजेंद्र मेहली बताते हैं कि मिट्टी से कला गढ़ना जितना सहज दिखता है, उतना है नहीं। मिट्टी की तैयारी में ही 15 से 20 दिन लग जाते हैं। छत्तीसगढ़ से आए चिरायु कुमार सिन्हा भी सेरेमिक माध्यम में मूर्तियां गढ़ते हैं। उनकी 'छमिया सीरीज' में सौंदर्य की ऐसी परतें खुलती हैं, जो ग्रामीण स्त्री-जीवन की सहज गरिमा को सामने लाती हैं। वहीं उनके हाथों से गढ़े 'होमलेस एलिफेंट' श्रृंखला में जंगलों से बेघर होते हाथियों की व्यथा उभरती है।

परंपरा और नए प्रयोगों से सजीं कलाकृतियां

प्रदर्शनी में 44 महिला कलाकारों की कृतियां भी आकर्षण का केंद्र रहीं। माधवी पारिख की पेड़ पर बैठी चिड़िया वाला तेलचित्र प्रकृति और स्त्री-संवेदना का कोमल रूप सामने लाता है, तो ललिता लाजमी की 'ड्रीम सीरीज' में एक परिवार की कहानी स्वप्न और यथार्थ के बीच झूलती नजर आती है। वहीं सीमा कोहली की 'गोल्डन वूम्ब' 'हू एम आई' कृति सृजन, अस्तित्व और आत्म-खोज के गहरे प्रश्न उठाती है।

तबला वादन में दिखा लय का आलोक

संध्या का सांगीतिक आकर्षण रहा पुणे के सुप्रसिद्ध कलाकार विजय घाटे का एकल तबला वादन। इस प्रस्तुति की खासियत रही कि इसमें गायन, वादन और नृत्य का मिश्रण देखने को मिला। विजय घाटे की तबले की थाप पर शीतल ने कथक नृत्य और सूरतजन ने गायन के माध्यम से प्रस्तुति को प्रभावी बनाया। शिवरात्रि की पूर्व संध्या अवसर पर उन्होंने प्रस्तुति की शुरुआत शिव वंदना से की।

मिट्टी, रंग और सपनों की जीवित दुनिया

कला शिविर शनिवार से शुरू हुआ। इसमें 6 कलाकार भाग ले रहे हैं। सेरेमिक की कृतियां बनाते यह कलाकार अपनी कला के जरिए परंपरा की जड़ों से जुड़कर समकालीन संवेदनाओं से संवाद को गढ़ रहे हैं।

हृदय बैंड ने भोपाल में पहली बार दी 'भजन क्लबिंग' की मनमोहक प्रस्तुति

भजन क्लबिंग में गूंजा 'ओम नमः शिवाय', एआई विजुअल्स संग शिवमय हुआ मुक्ताकाश मंच, दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

महाशिवरात्रि की पूर्व संध्या पर शनिवार को रवीन्द्र भवन परिसर आध्यात्मिक ऊर्जा से आलोकित हो उठा। मुक्ताकाश मंच पर आयोजित भजन क्लबिंग की अद्वितीय प्रस्तुति ने भक्ति, तकनीक और संगीत का ऐसा संगम रचा, जिसने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। करुणाधाम आश्रम के मार्गदर्शन तथा मप्र शासन के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम में भोपाल के कलाकार मोहित शेवानी ने अपने 'हृदय बैंड' और 24 साथी कलाकारों के साथ ऐतिहासिक प्रस्तुति दी।

इस संगीतमयी संध्या की केंद्रीय अवधारणा भगवान शिव के 12 ज्योतिर्लिंगों की पौराणिक कथा पर आधारित थी। अत्याधुनिक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित विजुअल्स, हाई-वोल्टेज साउंड और संगीतमय स्टोरी टेलिंग के माध्यम से शिव तत्व को जीवंत किया गया।

महाशिवरात्रि की पूर्व संध्या पर शनिवार को रवीन्द्र भवन प्रस्तुति देते कलाकार।

12 ज्योतिर्लिंगों की कथा को किया प्रस्तुत

कार्यक्रम की शुरुआत बाबा महाकाल को नमन के साथ हुई, जिसके बाद 12 ज्योतिर्लिंगों की कथा क्रमशः प्रस्तुत की गई। मप्र के दो ज्योतिर्लिंगों को प्रणाम और नर्मदा मैया को स्मरण करते हुए जब 'ओम नमः शिवाय' का सामूहिक नाद गूंजा, तो लगभग पांच हजार दर्शक एक स्वर में भक्ति की लय में डूब गए।

शिव बारात और सती कथा ने किया भाव-विभोर

मंच पूरी तरह शिव थीम पर सुसज्जित था। शिव बारात इस आयोजन का प्रमुख आकर्षण रही। प्रकाश, ध्वनि और एआई विजुअल्स का ऐसा अद्भुत समन्वय देखने को मिला, जिसने मुक्ताकाश मंच को कैलाश धाम का आभास दे दिया। 45 मिनट तक चली शिव बारात और शिव-पार्वती विवाह की सतिकथा ने दर्शकों को भाव-विभोर कर दिया।

दुष्यंत संग्रहालय में काव्य संग्रह कृति 'चिलम चटकी' पुस्तक का लोकार्पण

पुस्तक में अरुणाचल प्रदेश के तवांग तक के अनुभव शामिल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

तुलसी साहित्य अकादमी की सृजन श्रृंखला-54 के अंतर्गत वरिष्ठ शिक्षाविद् डा. राजेश तिवारी के काव्य संग्रह 'चिलम चटकी' का लोकार्पण एवं साहित्यिक विमर्श दुष्यंत कुमार संग्रहालय में डा.मोहन तिवारी आनंद की अध्यक्षता में किया गया। मुख्य अतिथि डॉ. एनके तिवारी, कुलगुरु, सेम ग्लोबल विवि उपस्थित रहे। वरिष्ठ साहित्यकार, कार्यक्रम संयोजक सुरेश पटवा ने स्वागत उद्बोधन में कहा कि लेखक ने भोपाल के नजदीक एक छोटे से ग्राम से लेकर अरुणाचल प्रदेश के तवांग तक अनुभव से सिद्ध रचनाएं इस पुस्तक में प्रस्तुत की हैं। जिन्हें पढ़कर ही उनका आनंद लिया जा सकता है। उन्होंने डॉक्टर राजेश श्रीवास्तव द्वारा संदर्भित पुस्तक पर लिखी भूमिका वाचन भी किया। वहीं प्रसिद्ध गीतकार मनोज जैन मधुर ने काव्य संग्रह की रचनाओं पर विमर्श करते हुए कहा कि इस कृति की रचनाओं में समसामयिक विषयों पर गहन विचार मंथन कर सृजन किया गया।

डॉ. भावसार का देवलोकगमन

भोपाल। मध्यप्रदेश और देश की कला–परंपरा को अपनी सृजनशीलता से समृद्ध करने वाले सुप्रतिष्ठित एवं वरिष्ठ चित्रकार डॉ. लक्ष्मी नारायण भावसार का 14 फरवरी, शनिवार को निधन हो गया।

उनके अवसान से प्रदेश की सांस्कृतिक जगत में गहरा शोक व्याप्त है। इस अवसर पर संचालक, संस्कृति एन.पी. नामदेव ने गहन पीड़ा व्यक्त करते हुए उन्हें आत्मीय श्रद्धांजलि अर्पित की और कहा कि डॉ. भावसार का जाना प्रदेश की कला-संवेदना की अपूरणीय क्षति है। 1 सितम्बर, 1939 को मध्यप्रदेश के शाजापुर में जन्मे डॉ. भावसार ने कला-साधना को जीवन का ध्येय बनाया।

वर्ल्ड साउंड हीलिंग-डे पर आरुषि के विशेष बच्चों के लिए आयोजित किया सत्र

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

आरुषि संस्था में वर्ल्ड साउंड हीलिंग डे के अवसर पर एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें सेंट्रल इंडिया की पहली महिला साउंड हीलर डॉ. आरती सिन्हा ने बच्चों को साउंड हीलिंग के उद्देश्य बताए साथ ही आरुषि के स्पेशल बच्चों और उनके माता-पिता के साथ एक गहन पोषणकारी ध्वनि चिकित्सा अनुभव के माध्यम से इस विशेष दिन को मनाया।

सत्र के दौरान, बच्चे और माता-पिता को हृदय चक्र ध्यान में एकाग्रता स्थापित करने की तकनीकि के साथ साथ करुणा, भावनात्मक संतुलन और सार्वभौमिक प्रेम के प्रतीक के रूप में साउंड हीलिंग को महूसस कराया।

एलएनसीटी यूनिवर्सिटी में गाम्बिया देश का 61वां स्वतंत्रता दिवस मनाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

शनिवार को एलएनसीटी यूनिवर्सिटी में गाम्बिया देश का 61वां स्वतंत्रता दिवस भव्य रूप से मनाया गया। यूनिवर्सिटी कैंपस में गाम्बिया और भारत का राष्ट्रीय ध्वज फहराया, जिसके बाद दोनों देशों का राष्ट्रगान हुआ। एलएनसीटी यूनिवर्सिटी के सभागार में रंगारंग कल्चरल प्रोग्राम आयोजित किए गए। कार्यक्रम में अजी फॉतुमाता जूफ, फर्स्ट सेक्रेटरी गाम्बिया दूतावास,और इंद्राणी मूले, सलाहकार, अफ्रीकन स्टूडेंट असोसिएशन, गाम्बिया दूतावास, एलएनसीटी यूनिवर्सिटी के चांसलर जय नारायण चौकसे आदि अतिथि उपस्थित थे।

महिलाओं के कानूनी अधिकारों पर कार्यशाला आयोजित

कार्यशाला में 65 छात्राओं ने लिया भाग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

रंगक्षितिज थियेटर एंड वेलफेयर सोसाइटी द्वारा शनिवार को संदीपनी हायर सेकंडरी स्कूल में महिलाओं के कानूनी अधिकार विषय पर जागरुकता कार्यशाला आयोजित हुई।

कार्यशाला का उद्देश्य छात्राओं को महिला संबंधित कानूनों के प्रति जागरूक करना और उन्हें अपने अधिकारों की जानकारी प्रदान करना था। कार्यक्रम में अधिवक्ता तरुण सिंगारे ने महिलाओं के कानूनी अधिकारों पर विस्तृत जानकारी देते हुए विभिन्न कानूनों और उनके संरक्षण प्रावधानों के बारे में बताया। छात्राओं को किसी भी अनहोनी स्थिति में कानूनी सहायता लेने के तरीकों से भी अवगत कराया। कार्यशाला में कुल 65 छात्राओं ने सहभागिता की।

भोपाल में सर्वसमाज सामुदायिक मध्यस्थता केंद्र का उद्घाटन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

सर्वसमाज सामुदायिक मध्यस्था केन्द्र का (मप्र राज्य विविक सेवा प्राधिकरण जबलपुर द्वारा प्राधिकृत) का पत्रकार कॉलोनी में उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति विवेक मध्यप्रदेश न्यायालय उच्च जबलपुर (बर्चुअली) विशिष्ट अतिथि राजश्री श्रीवास्तव, विशेष न्यायाधीश (अनु.जजा अधिनियम भोपाल) एवं भारत सिंह रघुवंशी न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी भोपाल, मनोज कुमार श्रीवास्तव प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अघनेन्द्र द्विवेदी, मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, सुमन श्रीवास्तव, सचिव मप्र राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर, सुनित अग्रवाल सचिव भोपाल, मध्यस्थकर्ता डॉ. पवन गुरू, फादर डॉ. आनन्द मुद्गल, मो. हबीब, कल्पना एवं ज्योति अग्रवाल आदि उपस्थित थे।

क्षेत्रीय प्राकृतिक विज्ञान संग्रहालय परिसर में पक्षी गणना कार्यक्रम का आयोजन

ओरिएंटल व्हाइट आई, पर्पल सन बर्ड, बूटेड वार्बलर सहित 34 प्रजाति के पक्षियों की परिषर में हुई गणना

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

क्षेत्रीय प्राकृतिक विज्ञान संग्रहालय एवं भोपाल बर्ड्स संस्था द्वारा शनिवार को परिसर पक्षी गणना कार्यक्रम आयोजित हुआ, जिसमें लगभग 34 प्रजाति के पक्षियों को परिसर में देखा गया, जिनमें से ग्रे हार्नबिल, रोज रिंग्ड पैराकीट, ओरिएंटल व्हाइट आई, पर्पल सन बर्ड, बूटेड वार्बलर, जंगल बैबलर, रेड वेंटेड बुलबुल, लाफिंग डव, स्मॉल मिनीवेट, कॉमन आयोरा, ग्रेटर कोकल, शिकरा, कामन काइट, रिवर टर्न, इण्डियन रॉबिन, पाइड मैना, हाउस क्रो, लॉर्ज बिल्ड क्रो, कॉपर स्मिथ बार्बेट, ब्लैक ड्रोंगो, ऐशी प्रीनिया, टेलर बर्ड, डस्टी क्रेग मार्टिन, ग्रे हेडेड कैनरी फ्लाई कैचर, रेड वैटल्ड लैपविंग आदि पक्षी प्रमुखता से दिखाई दिए।

प्रवासी पक्षियों में एशियन ब्राउन फ्लाईकैचर, एशियन कोयल, ब्लैक रेड स्टार्ट, स्पॉट बिल्ड डक, कोरमोरेंट मुख्य रूप से दिखायी दिए। पक्षी गणना के दौरान संग्रहालय की कार्यालय अध्यक्ष एवं वैज्ञानिक डी डॉ. बीनिश रफत, कार्यक्रम की समन्वयक अस्मिता चौधरी, संग्रहालय के कर्मचारी गण के साथ-साथ भोपाल बर्ड्स संस्था से डॉ. संगीता राजगीर, मो खालिक, गौरा जोशी सहित बड़ी संख्या में गणमान्यजन मौजूद थे।

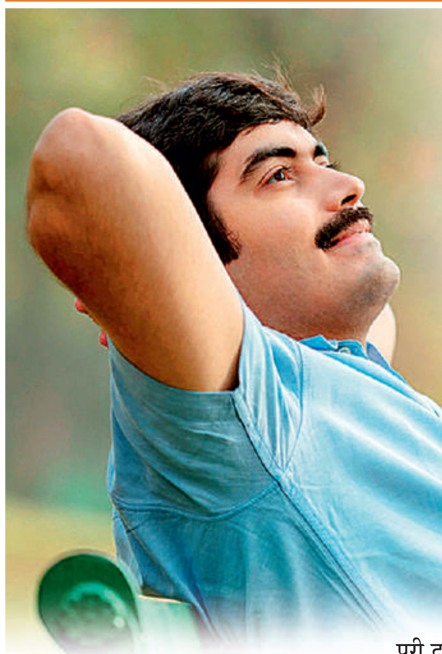

तेज रफ्तार से थका मन
चाहे सुकून भरी स्लो लाइफ

पिछली एक सदी में तकनीकी विकास में क्रांति के साथ ही लोगों की जीवनशैली भी बहुत तेज रफ्तार वाली हो गई थी। लेकिन कोविड के बाद से लोगों की सोच बदलने लगी और जल्दी से सब कुछ पा लेने के बजाय जीवन में सुकून को तरजीह देने लगे हैं। यही वजह है कि पूरी दुनिया में अब लोग तेज रफ्तार से ऊबकर स्लो लाइफ की तरफ धीरे-धीरे बढ़ रहे हैं।

कवर स्टोरी
लोकमित्र गौतम

एक समय तक 'तेज रफ्तार' होना, रोमांच का सबब माना जाता था, कामयाबी की निशानी थी। इसलिए अधिकांश लोग तेज-तेज और तेज की तरफ पिछली लगभग एक सदी से दौड़ते रहे हैं। इस भागम-भाग में वाकई इंसान ने अपनी जिंदगी की रफ्तार बहुत तेज कर ली। फास्ट इंटरनेट, बुलेट ट्रेन, आवाज की गति से उड़ते हवाई जहाज, इंस्टेंट अपडेट और कुछ महीने या साल में ही करियर की बुलंदी छूना, ये सब इसी तेज रफ्तार के उदाहरण हैं। लेकिन बीते कुछ समय से अब अधिकतर इंसान इस तेज रफ्तार जिंदगी को रोमांच की बजाय आफत का सबब मानने लगे हैं। यही कारण है कि अब दुनिया, तेज रफ्तारी से रोमांचित नहीं है बल्कि स्लो लाइफ की तरकीबें खोज रही है। अमेरिका से लेकर अफ्रीका तक आज स्लो लाइफ न्यू लाइफस्टाइल बन रही है, क्योंकि लोग मशीन बनने से थक चुके हैं, अब वे थोड़ा ठहरकर जीना चाहते हैं।

क्यों लौट रहे हैं धीमे की ओर: पूरी दुनिया में लोग स्लो लाइफ की तरफ लौट रहे हैं, तो इसकी वजह है कि पिछले कई दशकों के भागम-भाग के कारण परिवार की संरचना कमजोर होती जा रही है। फोन आपको किसी क्षण बेफिक्र नहीं होने देता, फुर्सत में नहीं रहने देता। नए-नए रेडीमेड पकवानों की कुछ मिनटों में सप्लाई ऐसे होने लगी है कि लोग अपने स्वाद का स्थाई सुख ही भूल गए हैं। नींद अब दुनिया की सबसे बड़ी नियामत बन चुकी है और सबसे बड़ी बात यह है कि इंसान खुद को ही भूलने लगा है। यही वजह है कि अब अमेरिका हो या एशिया, अफ्रीका और यूरोपीय देश के लोग परिवार के साथ समय बिताना चाहते हैं। कुछ घंटे या हफ्ते में एक दिन कम से कम बिना फोन के रहना चाहते हैं। कभी आराम से धीरे-धीरे पकाकर अपनी मनपसंद डिश खाना चाहते हैं और चाहते हैं कि कम से कम हफ्ते का एक दिन तो ऐसा हो, जब सोकर जगने का टाइमर सेट न हो। इस सबके बीच लोग अब अपने साथ भी कुछ घंटे, कुछ दिन बिताना चाहते हैं, इसलिए लोग तेज रफ्तार को छोड़कर धीमी और सुकून भरी जिंदगी की तरफ लौटना चाहते हैं।

स्लो लाइफ का सही मतलब: भले ही एक दौर में धीमी रफ्तार, आलस्य का पर्याय मानी जाती रही हो, लेकिन आज जब फास्ट लाइफ को विश्व स्वास्थ्य संगठन बर्नआउट और डिप्रेशन का सबसे बड़ा कारण बता रहा है, तब पूरी दुनिया में स्लो लाइफ या धीमे जीवन की ओर बढ़ने को आलस्य की निशानी नहीं बल्कि नई चेतना का पर्याय माना जा रहा है। वास्तव में स्लो लाइफ का मतलब काम को अधूरा छोड़ देना नहीं है। जीवनशैली से समझौता नहीं है और न ही स्लो लाइफ का मतलब घर में पड़े रहना है बल्कि स्लो लाइफ का मतलब है कम

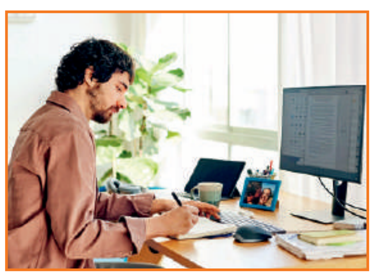

लेकिन अर्थपूर्ण काम करना। स्लो लाइफ का मतलब है डिजिटल डिवाइसेस से घिरे न रहना। बीच-बीच में पूरी तरह से डिजिटल डिटॉक्स होना। स्लो लाइफ का मतलब है स्थानीय जीवन का आनंद लेना और पारिवारिक जीवनशैली का लुत्फ उठाना। स्लो लाइफ का मतलब है, अपने पीढ़ियों पुराने व्यंजनों का आनंद लेना और प्रकृति से भरपूर जुड़ाव रखना। स्लो लाइफ का मतलब है रिश्तों की गुणवत्ता बढ़ाना, न कि उनकी संख्या बढ़ाना। और स्लो लाइफ का एक अंतिम मतलब है हर पल उपलब्ध होने की मजबूरी से मुक्त होना।

दुनिया इसलिए थकी रफ्तार से: द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद से लगातार दुनिया तेज रफ्तार जीवनशैली को कामयाबी और स्टेटस सिंबल की तरह पेश करती रही है, तो सवाल है फिर आखिर 21वीं सदी के दो दशक बाद आकर दुनिया का तेज रफ्तारी से मोहभंग क्यों हो गया? इसके पीछे कई महत्वपूर्ण कारण हैं। कोविड के बाद लोगों को जिंदगी की असलियत का एहसास हो गया है कि चाहे जितनी बड़ी कामयाबी हो, चाहे जितनी सुख-सुविधाएं हों और चाहे जितनी संपन्नता हो, लेकिन अगर प्रकृति खफा हो गई, तो जिंदगी की कोई कीमत नहीं रहती। पल भर में सारी कामयाबी, सारी तेज रफ्तारी धरी की धरी रह जाती है। कोविड ने एहसास कराया कि जीवन अस्थायी है। लोग पहली बार जीवन के अस्थायीपन और नश्वरता से दो-चार हुए। यही वह समय था, जब बिना दफ्तर गए भी नौकरी कर सकने का विकल्प हासिल हुआ। जी हां, वर्क फ्रॉम होम ने लोगों को बताया कि अगर दफ्तर न जाना पड़े तो भले एक घंटे ज्यादा भी काम करना पड़े, लेकिन दफ्तर के रास्ते के जोखिम, तनाव और अनुपयोगी समय से बच सकते हैं। कोविड ने लोगों को डिजिटली ओवरलोड कर दिया। लगातार मीटिंग्स, सोशल मीडिया की इंगेजमेंट और नोटिफिकेशंस का सिरदर्द लगातार पेशंस की परीक्षाएं लेती रही और अंततः लोग इस तेज

रफ्तार से आजीज आ गए।

शहरों से गांव की तरफ वापसी: पूरी 20वीं सदी में और 21वीं सदी के पहले लगभग दो दशकों तक पलायन का मतलब गांव से शहर की ओर जाना ही होता रहा है। लेकिन कोविड के बाद यूरोप में 16 प्रतिशत और अमेरिका में 6 प्रतिशत लोग शहर छोड़कर गांवों में बस गए। भारत में भी उच्च आयवर्ग के 2 प्रतिशत लोग न सिर्फ बड़े शहरों को छोड़कर अपनी जड़ों की ओर रहने के लिए लौटे बल्कि जो पारंपरिक रूप से अपने गांवों या पैतृक स्थानों में नहीं गए, वे भी तेज रफ्तार महानगरों को छोड़कर स्लो मोशन की जिंदगी वाले जंगलों, पहाड़ों के बीच में गांव या गांवनुमा कस्बों की ओर रुख कर गए। मेट्रो शहरों में डेढ़ से दो फीसदी लोग छोटे शहरों या कस्बों की तरफ लौटे। हालांकि भारत में शहरों से गांव की ओर वापसी का आंकड़ा लगभग न के बराबर रहा, क्योंकि भारत के गांव सामान्य सुख-सुविधा वाली जिंदगी के अनुकूल नहीं हैं। इसलिए भारत में बड़े लोग या तो पहाड़ों में बसे छोटे शहरों या कम औद्योगिक और धुर खेतिहर इलाकों के कस्बों की तरफ लौटे। कोविड के बाद ही लोगों ने अपनी छतों पर बागवानी का रोमांच महसूस करना शुरू किया। स्थानीय बाजारों की वापसी हुई, पारंपरिक जीवनशैली में योग और ध्यान की हिस्सेदारी बढ़ी और मानसिक स्वास्थ्य को भी महत्वपूर्ण माना जाने लगा। इससे लोगों ने नींद का सुख महसूस किया, खुद उगाकर सब्जियां खाईं तो स्वाद के साथ आत्मसंतोष महसूस किया, रिश्तों में स्थायित्व और हार्मोनल हेल्थ में बेहतरी का एहसास किया। इसलिए स्लो लाइफ की रेटिंग जो हमेशा फास्ट लाइफ से नीचे रहती थी, पहली बार उससे ऊपर हुई।

कुछ भ्रम भी टूटे: दूसरे विश्वयुद्ध के बाद से ही पूरी दुनिया में यह मान लिया गया था कि स्लो लाइफ का मतलब है- धीमा उत्पादन, धीमा पूंजी निर्माण, मतलब गरीबी और बदहाली। लेकिन कोविड के दौरान और उसके बाद स्लो लाइफ का मतलब यह नहीं रहा। लोगों की सोच में बदलाव आया। कोविड के बाद की स्लो लाइफ ने दुनिया को दिखाया कि धीमे होने का मतलब नाकारा होना नहीं है। धीमे होने का मतलब अर्थव्यवस्था का नुकसान नहीं है और न ही धीमा होने का मतलब उत्पादनहीनता है। स्लो जीवनशैली ने ज्यादा संतुष्टि दी और बेचैन उपभोगवाद पर लगाम लगाया। सबसे बड़ी दौलत रिश्तों में आई गर्मजोशी से मिली। लब्बोलुआब यह कि लोगों को, मजबूरी और उदासीनता में शुरू की गई स्लो लाइफ रास आ गई और अब धीरे-धीरे इससे मोहब्बत बढ़ती ही जा रही है। *

स्लो लाइफ की तरफ धीरे-धीरे बढ़ने के तरीके

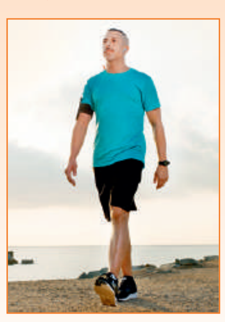

- हर दिन 30 मिनट किसी भी तरह की स्क्रीन से दूर रहें। चाहे टीवी की स्क्रीन हो, मोबाइल की या लैपटॉप की। इस दौरान फोन से नहीं, आस-पास की दुनिया से जुड़ें।
- सप्ताह में कम से कम एक दिन ऐसा रखें, जिसकी पहले से कोई प्लानिंग न हो। एक तरह से इस दिन को कुछ न करने की मस्ती का दिन बनाएं यानी नो प्लान डे।
- पैदल चलना सीखें। एक जमाने में आम आदमी हर दिन कम से कम 5-7 किलोमीटर पैदल चलता था। अब कई लोग ऐसे हैं, जो घर से बाहर सौ मीटर भी हर दिन पैदल नहीं चलते। अगर स्लो लाइफ का लुत्फ उठाना चाहते हैं तो फिर से पैदल चलने की तरफ लौटें। पैदल चलने से मन भी प्रसन्न रहता है और तन भी स्वस्थ रहता है।
- काम की सीमाएं तय करें। दिन में निश्चित घंटों तक ही काम करें और हर दिन के काम की एक मात्रा तय कर लें। यह नहीं कि जब तक जग रहे हैं, काम करते रहें।
- धीमी जिंदगी का रोमांच महसूस करने के लिए दुनिया से भले कम जुड़ें, पर अपने आपसे दोस्ती जरूर करें। खुद से दोस्ती करना भी एक अव्यक्त सुख की स्थिति में रहना है।

ह्यूमन नेचर
शैलेंद्र सिंह

आमतौर पर माना जाता है कि इंट्रोवर्ट स्वभाव के लोगों में आत्मविश्वास और योग्यता की कमी होती है। जबकि यह केवल अलग तरह की एक पर्सनालिटी होती है। इस पर्सनालिटी के कुछ फायदे हैं तो वहीं कुछ नुकसान भी हैं।

न तो वीकनेस-न ही बीमारी
अलग होती है इंट्रोवर्ट पर्सनालिटी

आधुनिक मुखर और सोशल मीडिया प्रधान समाज में अंतर्मुखी यानी इंट्रोवर्ट होना अकसर गलतफहमियों का विषय बन जाता है। जबकि अनेक वैज्ञानिक शोध यह साबित करते हैं कि अंतर्मुखी होना न तो किसी तरह की कोई कमजोरी है और न ही बीमारी। हांस आइजेंक के व्यक्तित्व सिद्धांत के मुताबिक अंतर्मुखी और बहिर्मुखी होना व्यक्तियों में मस्तिष्क की उत्तेजना के अलग-अलग स्तरों का होना है। अंतर्मुखी लोगों का बेसलाइन पहले से अधिक होता है, इसलिए वे शोर, भीड़ और अत्यधिक सामाजिक उत्तेजना से जल्द थक जाते हैं। इसलिए वह बहिर्मुखी लोगों के विपरीत

ऐसी तमाम स्थितियों में शांत और खुद तक सीमित रहते हैं। यह उनकी मात्र जैविक वास्तविकता होती है।

मुखर दौर में शांत लोग: आज के तेज आवाजों या शोरगुल से भरे दौर में कई बार अंतर्मुखी लोग खुद को हाशिए पर महसूस करने लगते हैं। लेकिन अगर अंतरराष्ट्रीय मनोवैज्ञानिक शोधों की नजर से देखें तो अंतर्मुखी लोगों का यह हाशियाकरण उनकी अक्षमता नहीं बल्कि समाज की अपेक्षाओं का नतीजा है। इसलिए जेरोम कगन और हांस आइजेंक जैसे वैज्ञानिकों ने अपने शोध के जरिए साबित किया था कि अंतर्मुखी होना कोई ऐसा व्यवहार नहीं होता, जिसे लोग सीखें या उनमें वह परवरिश के कारण आए। इनके मुताबिक वास्तव में अंतर्मुखी होना एक किस्म की जैविक संरचना से जुड़ा तथ्य है, क्योंकि अंतर्मुखी लोगों का नर्वस सिस्टम दूसरे सामान्य लोगों के मुकाबले कहीं अधिक संवेदनशील होता है। लेकिन आधुनिक दौर में एक्स्ट्रोवर्ट यानी बहिर्मुखी लोगों को ही आदर्श मान लिया जाता है। इसके विपरीत इंट्रोवर्ट लोगों को महत्व और मान्यता नहीं दी जाती, जो महत्व और मान्यता बहिर्मुखी लोगों के खाते में आती है और इसकी शुरूआत बचपन से ही पहले घर में और फिर स्कूल में हो जाती है। वहां शांत रहने वाले बच्चों को उपेक्षित किया जाता है, भले ही वह कितना भी योग्य क्यों न हो। इसके बाद कॉर्पोरेट दफ्तरों में भी लीडर वही माना जाता है, जो ज्यादा बोलता हो और किसी भी तरह के मामले में त्वरित प्रतिक्रिया करता हो। जबकि कई बार संकट के समय अंतर्मुखी लोग ज्यादा बेहतर निर्णय लेते हैं। खासकर अगर वैज्ञानिकों, लेखकों आदि से जुड़ा कार्य हो। अडम ग्रांट ने अपने शोध से साबित किया कि प्रो-एक्टिव टीमों में अकसर ऐसे लीडर ज्यादा सफल होते हैं।

इंट्रोवर्ट होने के फायदे: इंट्रोवर्ट पर्सनालिटी होने के कई फायदे होते हैं। जैसे-अंतर्मुखी लोगों में गहन सोच और निर्णय क्षमता होती है। ये किसी भी विषय पर अकसर जानकारियों को बहुत गहराई तक प्रोसेस करते हैं और जल्दी में निर्णय लेने से बचते हैं। इसलिए उनके निर्णय अधिकतर सफल, सुरक्षित और सुलझे हुए होते हैं। यही कारण है कि रचनात्मक और जटिल कामों में उनकी गुणवत्ता उच्च स्तर की होती है। ऐसे लोगों में सुनने और सहानुभूति की क्षमता बहिर्मुखी लोगों से ज्यादा होती है। अंतर्मुखी लोग बेहतर श्रोता होते हैं, जिससे रिश्तों में विश्वास और गहराई बनती है। टीम लीडरशिप में यह गुण सहकर्मियों के हुनर को बाहर निकालने में मदद करता है। अंतर्मुखी लोगों में अकेले में लंबे समय तक काम करने की क्षमता और फोकस में बने रहने की प्रवृत्ति होती है। इस कारण ऐसे लोग अनुसंधान, लेखन, डिजाइन जैसे रचनात्मक क्षेत्रों में काफी सफल होते हैं।

इंट्रोवर्ट होने के नुकसान: इस स्वाभाव के कारण इन लोगों में कुछ खामियां भी देखी जाती हैं। मसलन- अकसर ऐसे लोग वर्बल नेटवर्किंग, पब्लिक फेसिंग जॉब्स, सेल्स या राजनीतिक भूमिकाओं में फिट नहीं बैठते। ऐसी जगहों में अव्वल तो ये आते ही नहीं और आते हैं तो सफल नहीं होते हैं। दुनिया में कई काम और कई गतिविधियां ऐसी होती हैं, जो खुले रूप से बातचीत और आत्मप्रचार को तरजीह देती हैं। इस मामले में ये कमजोर पड़ते हैं। कई अध्ययनों में यह सामने आया है कि ऐसे लोगों में

अवसाद या अकेलेपन से घिरने का जोखिम बना रहता है। लेकिन यह सभी अंतर्मुखी लोगों के लिए सच नहीं होता। आज के मुखर युग में शांत या गंभीर रहना अकसर आत्मविश्वास की कमी समझ लिया जाता है। इसलिए आज के दौर में ऐसे लोग कई बार प्रमोशन पाने, मान्यता हासिल करने और सार्वजनिक मंचों पर अपनी कामयाब उपस्थिति बनाने में नाकाम रहते हैं। *

वासंती दोहे
घमंडीलाल अग्रवाल

टेसू की सरगम छिड़ी

धरती ने सज-धज किया, दुलहन-सा शृंगार।
पीत-वसन से झांकता, मानो पहला प्यार।।
जगा रही है कोकिला, मन में मीठी हूक।
गोरी पी की बाट में, बैठी बन कर मूक।।
भ्रमर सभी हैं पी रहे, फूलों का मकरंद।
पंचम सुर में गूंजते, खुशियों वाले छंद।।
धीमे-धीमे नशे में, पवन चले है खूब।
प्राणी-प्राणी जा रहा, अजब नशे में डूब।।
उर में जागी आग-सी, अंग-अंग उन्माद।
संग उन्हें भी आज लाए जा री सौतन याद।।
कण-कण से गायब हुआ, सर्दी का आतंक।
मुस्कानों ने पा लिए, सबसे ज्यादा अंक।।
धूप कुनमुनी डोलती, गरमाया परिवेश।।
मधुर गंध का बांटता, हर उपवन संदेश।।
सरसों रानी पर चढ़ा, यों यौवन का रंग।
ठुमक-ठुमक कर बोलती, चली पिया के संग।।
बैरागी मन पूछता, किसका है यह खेल।
मौसम का जादू चला, फली प्रीति की बेल।।
टेसू की सरगम छिड़ी, महुआ के हैं ठाठ।
जरा देखिए खुल गई, फगुनाहट की हाट।।

व्यंग्य / अजय अनुरागी

अफसर की टांग

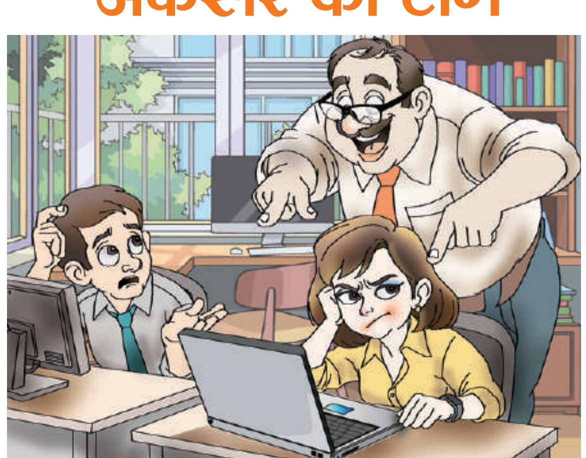

सुना था कानून के हाथ बहुत लंबे होते हैं, लेकिन देखा यह भी गया है कि कुछ अफसरों की टांग भी बहुत लंबी होती है। ऐसे ही एक अफसर की टांग दूर तक पसरी रहती थी। वह बैठता इस कक्ष में था, और टांग उस कक्ष तक फैलाए रखता था। कार्यालय के जिस कक्ष में जाओ वहीं अफसर की टांग घूमती नजर आती थी। अफसर जहां नहीं पहुंच पाता था, वहां भी उसकी टांग पहुंच जाती थी। कई बार अफसर से पहले उसकी टांग उपस्थित रहा करती थी। लोग अफसर से कम उसकी टांग से ज्यादा परेशान रहा करते थे। अब अफसर की टांगों में घंटी कौन बांधे भला!

टांग अफसर से भी ज्यादा चालाक थी। किसी को पास फटकने नहीं देती थी। अफसर की अनुपस्थिति में अफसर की टांग शासन किया करती थी। लोग चाहते थे कि अफसर टांग को थोड़ा लूज करें, तो चैन की सांस आ सके। हालांकि अफसर छोटा-मोटा था, लेकिन उसकी टांग बहुत बड़ी थी। उसकी टांग भरोसे लायक तो थी ही नहीं, फिर भी उस पर भरोसा करना पड़ता था। वह चालाक था और दूसरों की टांग को अपने हित में इस्तेमाल करना जानता था। इसलिए लोग अफसर की टांगों से अपनी टांगें बचाते फिरते थे, क्योंकि उन्हें डर था कि अफसर उनकी टांगों को अपनी टांगों में ना बदल डाले। अफसर टांग का बहुत कच्चा था, इसलिए अपनी टांग को हर जगह टांग कर ले जाता था। टांग के बिना कहीं जाता भी नहीं था। टांग ने इतना प्रभाव जमा लिया था कि अफसर प्रभावहीन होने लगा था। अफसर की दोनों टांगों की दो अलग-अलग परंपराएं थीं। मगर अफसर दोनों को साध लेता था। अकसर लोग अफसर की पहली टांग के भरोसे दूसरी टांग से धोखा खा बैठते थे।

अफसर की टांगों को लेकर लोगों में बड़ा कंफ्यूजन था। पता नहीं पड़ता था कि पहली कौन सी है और दूसरी कौन सी है? लोग जिसे पहली समझते थे, वह दूसरी निकलती थी। जिसे दूसरी समझते थे, वहां टांग होती ही नहीं थी। चालाक अफसर हर मुद्दे पर एक टांग को फंसा कर रखता था तथा दूसरी टांग को बचाकर रखता था। टांग विहीन अफसर नख-दंत विहीन शेर की तरह होता है, जो गुर्रा तो सकता है मगर दबोच नहीं सकता। वह अफसर ही क्या जिसके पास टांग न हो! वह टांग ही क्या जो अड़ना न जाने। अफसर की टांगों की करामात यह थी, कि पहली उठ जाती थी तो दूसरी बैठी रहती थी, और दूसरी उठ जाती थी तो पहली लेट जाती थी। अफसर चाहता था एक साथ, एक टांग, दो काम करती रहे, ताकि टांग की स्ट्रेटेजी कोई पकड़ ना पाए। टांग से परेशान लोग, टांग को उखाड़ फेंकने के लिए, एकजुट हुए। अंत में हुआ यह कि अफसर उखड़ गया, मगर उसकी टांगें नहीं उखड़ पाईं। *

लघुकथा / गोविंद भारद्वाज

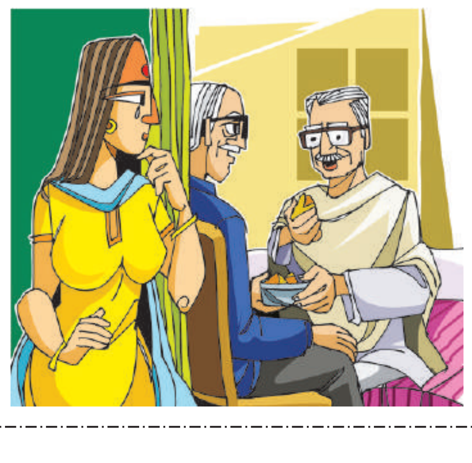

शक

शाम को ऑफिस से घर लौटते ही पति हरीश से उपासना ने कहा, 'देखिए, रोज शाम को पता नहीं पिताजी कहां जाते हैं और देर तक लौटते हैं।' 'कहां जाएंगे पार्क के अलावा। वहां इनके हम उम्र लोग मिलते होंगे। बस उनके साथ ही गपशप करते होंगे।' हरीश ने जवाब दिया।

'नहीं मुझे ऐसा नहीं लगता पिताजी कहीं और ही जाते हैं और मुझसे रोज अलग-अलग तरह का नाश्ता बनवाते हैं।' उपासना ने बताया। 'तुम भी बेवजह पिताजी पर शक कर रही हो। जो उनकी इच्छा है उन्हें करने दो। मां के चले जाने के बाद उनकी इच्छाओं का ख्याल हम नहीं रखेंगे तो भला कौन रखेगा?' हरीश ने समझाया। उसी समय पिताजी कमरे के अंदर आए और बोले, 'बहू आज गर्मा-गर्म समोसे बनाकर पैक कर दो, मुझे जाना है।' 'जी पिताजी।' उपासना ने धीरे से कहा। समोसे लेकर जैसे ही पिताजी घर से निकले, उपासना भी छुपते हुए उनके पीछे-पीछे चल दी। एक-डेढ़ किलोमीटर चलने के बाद पिताजी एक वृद्धाश्रम के भीतर चले गए। 'अच्छा तो यह बात है। अपने किसी यार-दोस्त को खिलाने लाते हैं पकवान।' उपासना मन ही मन बुदबुदाई। फिर दावाजे की ओट लेकर खड़ी हो गई। पिताजी किसी के साथ बैठकर समोसे खाते हुए ठहाके लगाने लगे। 'अरे, यह आवाज तो बहुत जानी-पहचानी लग रही है। कौन हैं वो, जिसके लिए पिताजी रोज नाश्ता बनवाकर लाते हैं?' मन ही मन बुदबुदाते हुए उपासना ने कमरे के भीतर झांका। 'अरे यह क्या!' वह अवाक रह गई। उसके पैरों तले की जमीन खिसक गई। 'मेरे बाबूजी वृद्धाश्रम में!' खुद से कहकर वह रोने लगी। दरअसल, उपासना के बाबूजी पिछले एक महीने से वृद्धाश्रम में रह रहे थे, जिसकी खबर केवल हरीश के पिताजी को ही थी। इसलिए वे रोज उपासना और हरीश से बताए बिना अपने समधी से मिलने यहां आया करते थे। *

पुस्तक चर्चा / सरस्वती रमेश

स्त्री के आंतरिक द्वंद्व की कहानियां

यह सही है कि बदलते समय के साथ परिवार और घर से बाहर भी स्त्री की भूमिका में बड़ा बदलाव आया है। मगर कमोबेश उसकी पीड़ा, घुटन और त्रासदियां अब तक नहीं बदलीं। हां, उसके रूप जरूर बदले हैं। वरिष्ठ लेखिका कल्पना मनोरमा ने अपने कहानी संग्रह 'एक दिन का सफर' में स्त्री के इसी बहुआयामी द्वंद्व को बड़ी बारीकी और मार्मिकता से उकेरा है।

इन कहानियों में उन्होंने बेशुमार दबावों, तनावों से आहत स्त्री की पीड़ा को स्वर दिया है। संग्रह की कहानियां सशक्त होने के साथ ही समकालीन संदर्भों में प्रासंगिक भी हैं। इसमें आज के दौर की महिलाओं के संघर्ष को भी देखा जा सकता है।

इस संग्रह की पहली कहानी 'कितनी कैदें' के किरदार की घुटन, जैसे आत्मा को निर्ममता से छील कर लहूलुहान कर देती है। मर्यादा, इज्जत के नाम पर किस तरह बेटियां बिना अपराध के बलि पर चढ़ा दी जाती हैं, इस कटु सत्य को कहानी बड़े मार्मिक तरीके से बयां करती है। शीर्षक कहानी 'एक दिन का सफर' में नायिका के भीतर का द्वंद्व उसका अपना नहीं है। यह स्त्री का सामूहिक द्वंद्व है। वही द्वंद्व, जिसका सामना उसे बाहर-भीतर हर कहीं करना होता है। 'आखिरी सिगरेट' दांपत्य जीवन में प्रेम की लालसा में घुटती एक स्त्री मन की कहानी है तो 'गुनिता की गुड़िया' कैद से बाहर निकलने की एक स्त्री की छटपटाहट को बयां करती है। 'दुख का बोनसाई' मायके से लड़की के अटूट रिश्ते की कहानी है। ये कहानियां ऐसी हैं, जिनसे सहज ही हर स्त्री जुड़ाव महसूस करेगी। सटीक-जीवंत रूपकों के प्रयोग से भाषा जीवंत हो उठी है। कहानियों की भाषा ही नहीं कहन का शिल्प भी बेहतरीन है। *

पुस्तक: एक दिन का सफर, **लेखिका:** कल्पना मनोरमा, **मूल्य:** 195 रुपए, **प्रकाशक:** अनन्य प्रकाशन, दिल्ली

'एक दिन' का एक नया पोस्टर आया सामने ...

मुंबई। वैलेंटाइन डे के मौके पर जुनैद खान और साई पल्लवी अभिनीत फिल्म 'एक दिन' के निर्माताओं ने फिल्म का एक प्यारा सा पोस्टर जारी किया। पोस्टर में साई पल्लवी को एक मफिन पकड़े हुए देखा जा सकता है, मानो वह जुनैद को वैलेंटाइन डे की शुभकामनाएं दे रही हों। दोनों एक दूसरे को प्यार भरी निगाहों से देख रहे हैं, जिनमें स्नेह और मिठास झलक रही है। एक गर्मजोशी भरे, रोमांटिक सर्दियों के माहौल में फिल्माए गए इस पोस्टर में जुनैद और साई के किरदार बर्फ से ढकी सड़क पर कंधे से कंधा मिलाकर चलते हुए, हल्की मुस्कान बिखेरते नजर आ रहे हैं। दोनों ने आरामदायक सर्दियों के कपड़े पहने हैं, जिससे पोस्टर में ऐसा लग रहा है मानो वे अपनी ही दुनिया में खोए हुए हों।

लाइफ Style

मृणाल

'सिंगल' होने का दिया अपडेट

एजेंसी ▶▶ मुंबई

अभिनेत्री मृणाल ठाकुर और अभिनेता सिद्धांत चतुर्वेदी जल्द ही रोमांटिक ड्रामा फिल्म 'दो दीवाने शहर में' में नजर आएंगे। यह फिल्म दो ऐसे लोगों की कहानी है, जो यह सिखाती है कि हर वक्त परफेक्ट होना जरूरी नहीं है।

फिल्म की टीम इन दिनों प्रमोशन के लिए कर रही है। अक्षय कुमार के गेम शो 'व्हील ऑफ फॉर्च्यून' के आने वाले एपिसोड में फिल्म की टीम नजर आएगी, जिसमें मृणाल ठाकुर, सिद्धांत चतुर्वेदी और डायरेक्टर रवि उदयावर नजर आएंगे। इस एपिसोड में अभिनेत्री ने खुलासा किया कि वह फिलहाल किसी रिलेशनशिप में नहीं है। अक्षय कुमार इस एपिसोड में मृणाल की टांग खींचते हुए पूछते हैं, मृणाल, सोशल मीडिया पर आपके बारे में काफी चर्चा चल रही है। आपका अभी रिलेशनशिप स्टेट्स क्या है?" यह सवाल सुनकर मृणाल ने बिना झिझक के जवाब दिया, मैं अभी सिंगल हूं और मिंगल होने के लिए तैयार हूं। बता दें कि कुछ समय से सोशल मीडिया पर मृणाल और साउथ एक्टर धनुष के रिश्ते और शादी के बारे में काफी अफवाहें उड़ी थीं। हालांकि, अभिनेत्री ने अपने इस जवाब से अफवाहों पर विराम लगा दिया है।

रवि उदयावर की ओर से निर्देशित, यह एक आधुनिक, यथार्थवादी प्रेम कहानी है। इस फिल्म में सिद्धांत चतुर्वेदी और मृणाल ठाकुर मुख्य भूमिकाओं में हैं। इन दोनों के अलावा फिल्म में ईला अरुण, जॉय सेनगुप्ता, आयशा रजा, विराज गेहलानी, संदीपा धर, दीपराज राणा, मोना अम्बेगांवकर, अचिंत कौर और नवीन कौशिक भी नजर आएंगे।

हॉलीवुड मसाला

तलाक के बाद निकोल का पहला पोस्ट

लॉस एंजेलिस। वैलेंटाइन डे' प्यार का दिन माना जाता है। लेकिन ऐसा कोई नियम नहीं है कि वैलेंटाइन डे मनाने के लिए आपका रिलेशनशिप में होना जरूरी हो। अगर आप सिंगल हैं, तो भी आप खुद के लिए कुछ खास करके भी इसे मना सकते हैं। इसी का उदाहरण दिया मशहूर एक्ट्रेस निकोल किडमैन। ऑस्कर जीत चुकीं निकोल ने इस्टाग्राम पर अपनी एक फोटो शेयर की, जिसमें वह बेड पर आराम करती नजर आ रही हैं। फोटो में उन्होंने गुलाबी और सफेद धारियों वाली शर्ट पहनी हुई है। खिड़की से आती धूप उनके चेहरे पर पड़ रही है और वह काफी शांत और खुश नजर आ रही हैं।

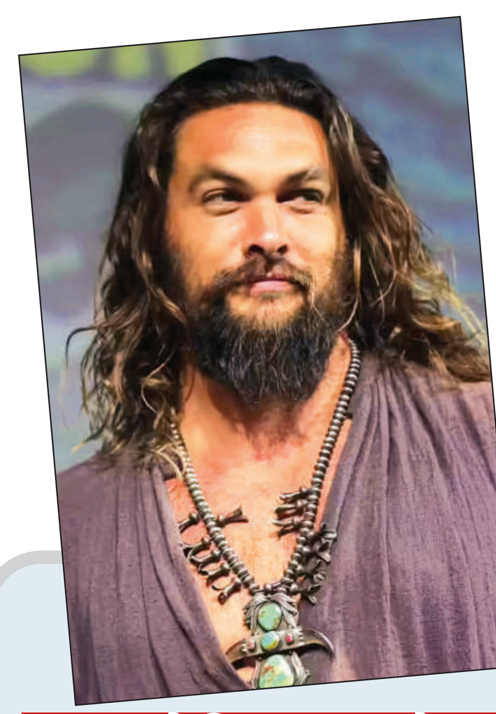

'द रेकिंग क्रू' के प्रमोशन में जुटे जेसन

लॉस एंजेलिस। अपनी आगामी फिल्म 'द रेकिंग क्रू' के प्रमोशन में जुटे हॉलीवुड स्टार जेसन मोमोआ ने शाहरुख की तारीफ की है। शाहरुख से अपनी मुलाकात के बारे में बात करते हुए जेसन ने कहा कि हां, वह बहुत हैंडसम हैं। जब जेसन से पूछा गया कि पहली मुलाकात में दोनों ने किस बारे में बात की, तो उन्होंने कहा कि हम दोनों आपसी दोस्त और एक-दूसरे के काम के प्रशंसक हैं। वह बहुत ही प्यारे इंसान हैं। वह बेहद विनम्र थे। वह मुझसे बेहतर अभिनेता और कलाकार हैं। इसलिए यह आपसी सम्मान की बात थी। जेसन मोमोआ के करियर की बात करें तो 1999 में टीवी शो बेवॉचः हवाई से अपने करियर की शुरुआत करने के बाद उन्होंने 2011 में गेम ऑफ थ्रोन्स के पहले सीजन में खाल ड्रोगो का किरदार निभाया।

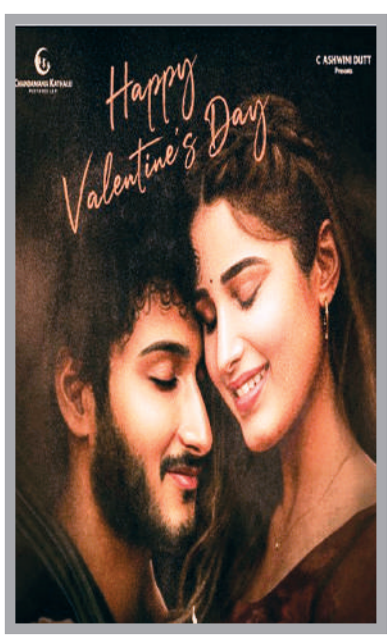

राशा की तेलुगु फिल्म का पोस्टर आउट

मुंबई। अभिनेत्री राशा थडानी हिंदी सिनेमा में अपनी अदाकारी का जलवा बिखेरने के बाद तेलुगु सिनेमा में एंट्री करने जा रही हैं। अभिनेत्री जल्द ही निर्देशक अजय भूपति की आगामी तेलुगु फिल्म 'श्रीनिवासा मंगापुरम' में नजर आएंगी। इस एक्शन-रोमांस फिल्म में वह महेश बाबू के भतीजे जया कृष्ण घट्टामनेनी के साथ मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। फिल्म का पहला पोस्टर जारी कर दिया गया है। इसमें राशा और जया कृष्ण घट्टामनेनी दोनों एक-दूसरे के करीब नजर आ रहे हैं। पोस्टर में राशा ने एक खूबसूरत लैवेंडर कलर की साड़ी पहनी हुई है। उनके बाल खुले हैं। वहीं, पोस्टर में लिखा है, "हैप्पी वेलेंटाइन डे।" राशा ने पोस्ट कर लिखा, "बस एक बार अपनी आंखें खोलकर देखो... मैं यहीं रहूंगी, इतनी पास कि तुम्हारी सांसों को महसूस कर सकूं।"

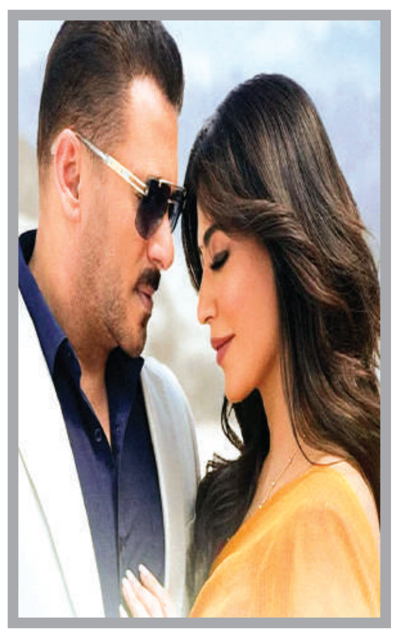

बैटल ऑफ गलवान का गाना रिलीज...

मुंबई। वैलेंटाइन डे के मौके पर फिल्म "बैटल ऑफ़ गलवान" का रोमांटिक गाना "मैं हूं" रिलीज हुआ। सलमान खान और चित्रांगदा सिंह के इस गाने में उनकी लविंग केमिस्ट्री दिखाई गई है। सलमान खान फिल्म्स ने इस गाने को अपने ऑफिशियल प्लेटफॉर्म पर रिलीज किया। इससे पहले "मातृभूमि" गाना रिलीज़ हुआ था, जिसे 50 मिलियन से ज़्यादा व्यूज़ मिले थे। मेकर्स ने स्पेशल ट्रैक "मैं हूं" 14 फरवरी को रिलीज़ किया था। यह गाना एक सैनिक और उसके परिवार के रिश्ते की इमोशनल कहानी दिखाता है। मेकर्स ने गाने को सोशल मीडिया पर शेयर किया और इसका ऑफिशियल लिंक भी रिलीज किया। यह ट्रैक परिवार के साथ बिताए खुशी के पलों से लेकर ड्यूटी की वजह से अलग होने तक की एक इमोशनल जर्नी दिखाता है।

टीवी मसाला

रश्मि देसाई को दो बार बदलना पड़ा अपना नाम

मुंबई। टीवी और ओटीटी की दुनिया में अपनी अलग पहचान बना चुकीं रश्मि देसाई आज किसी परिचय की मोहताज नहीं हैं, लेकिन बहुत कम लोग जानते हैं कि जिस नाम से देश उन्हें जानता है, वह उनका असली नाम नहीं है। उनकी पहचान के पीछे एक दिलचस्प किस्सा है, जो दो बार बदले गए नाम से जुड़ा हुआ है। रश्मि देसाई का जन्म 13 फरवरी 1986 को असम के नागांव में हुआ था। उनका जन्म एक गुजराती परिवार में हुआ। इंडस्ट्री में कदम रखने से पहले रश्मि का असली नाम शिवानी था। जब उन्होंने एक्टिंग की दुनिया में आने का फैसला किया, तब उन्हें नाम बदलने की सलाह दी गई, ताकि नया नाम किस्मत के लिए शुभ साबित हो। इसके बाद शिवानी ने अपना नाम बदलकर दिव्या रख लिया। इसी नाम से उन्होंने अपने करियर की शुरुआती कोशिशें शुरू कीं। दिव्या नाम से उन्होंने शुरुआत में कई प्रोजेक्ट्स किए, लेकिन उन्हें वह पहचान नहीं मिल पा रही थी, जिसकी उन्हें तलाश थी। उनके पास काम आने भी बंद हो गए थे। उसी समय एक ज्योतिष मित्र की सलाह पर उन्होंने एक बार फिर नाम बदलने का फैसला लिया। इसके बाद दिव्या से वह रश्मि देसाई बनीं। यही नाम उनके जीवन का सबसे बड़ा टर्निंग पॉइंट साबित हुआ। नाम बदलने के बाद न सिर्फ काम मिलने लगा, बल्कि उनकी पहचान भी बनने लगी।

बचपन की तस्वीरों में छुपा श्रुति का मिजाज

मुंबई। अभिनेत्री श्रुति हासन अपने शानदार अभिनय से न सिर्फ साउथ सिनेमा, बल्कि बॉलीवुड में भी राज करती हैं। उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक मजेदार और नॉस्टेल्जिक वीडियो पोस्ट किया। इस वीडियो में उनके बचपन से लेकर अब तक की तस्वीरें शामिल हैं। वहीं, श्रुति ने वीडियो में लिखा, "किसी लड़की के बचपन की तस्वीरों से उसके स्वभाव और व्यक्तित्व की झलक साफ दिखाई देती है।" अभिनेत्री ने पोस्ट कर लिखा, "मैं तो हमेशा से ही बहुत मूडी रही हूं, हाहा।" श्रुति अभिनेत्री होने के साथ-साथ गायिका और संगीतकार भी हैं, जिन्होंने तमिल, तेलुगु और हिंदी सिनेमा में अपनी मजबूत मौजूदगी दर्ज करवाई। इस बात से बहुत कम लोग वाकिफ हैं, लेकिन श्रुति ने अपने करियर की शुरुआत अभिनेत्री के रूप में नहीं, बल्कि गायिका और संगीतकार के रूप में की थी। उन्होंने महज छह साल की उम्र में ही अपने पिता की फिल्म थेवर मगन (1992) में पहला गाना गाया था। इसके बाद उन्होंने हिंदी फिल्म 'चाची 420' (1997) में भी गायन किया। साल 2000 में कमल हासन के निर्देशन में बनी फिल्म 'हे राम' में उन्होंने बाल कलाकार के रूप में अतिथि भूमिका निभाई और उसी फिल्म के लिए हिंदी और तमिल में टाइटल थीम 'रामा रामा' भी गाया था। अभिनेत्री जल्द ही फिल्म निर्देशक पवन सादिनेनी की फिल्म 'आकासमलो ओका तारा' में नजर आएंगी। फिल्म में अभिनेत्री के साथ दुलकर सलमान और सत्विका वीरवल्ली अहम भूमिका में नजर आएंगी।

महाशिवरात्रि पर हंसराज रघुवंशी ने रिलीज किया 'महादेव की शादी' भक्ति गीत...

मुंबई । महाशिवरात्रि के पावन पर्व से पहले म्यूजिक इंडस्ट्री भी हर-हर महादेव के जयकारों से गूंज उठी है। भोजपुरी सिनेमा से लेकर हिंदी सिनेमा तक रोज नए शिव भक्ति गीत रिलीज हो रहे हैं, लेकिन अब शिव भक्ति से सराबोर गीत गाने वाले सिंगर हंसराज रघुवंशी ने महादेव की शादी से जुड़ी रस्मों का नया गीत रिलीज किया है, जिसमें देवताओं से लेकर असुर बाबा की बारात में मस्तमौला अंदाज में नाच रहे हैं। हंसराज रघुवंशी का नया भक्ति गीत 'महादेव की शादी' रिलीज हो चुका है, और गीत को सिंगर ने अपने आधिकारिक चैनल पर रिलीज किया है। गीत में शिव बारात का वर्णन किया गया है कि कैसे भस्म और नागों से बाबा श्रृंगार कर मां पार्वती को ब्याहने ले जा रहे हैं। गीत के बोल और बीट दोनों ही शानदार हैं, जो पूरी तरह डांसिंग वाइब दे रही है। गीत के सिंगर और कंपोजर खुद हंसराज हैं, जबकि गीत के बोल दीप फतेह ने लिखे हैं। 'महादेव की शादी' के बोल मिस्ता बाज़ ने लिखे हैं और प्रोड्यूस कोमल सकलानी ने किया है, जो सिंगर की पत्नी हैं।

पैपराजी पर भड़कीं धुरंधर की आयशा

मुंबई। एक्ट्रेस आयशा खान का करियर इन दिनों ऊपर चढ़ रहा है। उन्होंने फिल्म 'धुरंधर' के गाने 'शरारत' पर अपने डांस से सबका दिल जीत लिया है और खूब तारीफें बटोर रही हैं। हाल ही में एक्ट्रेस शनाया कपूर और आदर्श गौरव की फिल्म 'तू या मैं' की स्क्रीनिंग में पहुंचीं और पैपराजी को डांट लगाई। दरअसल, जब आयशा खान पैपराजी को पोज दे रही थीं, तो एक ने उनसे पीछे मुड़ने को कहा। इसी बीच, एक और पैपराजी ने ऐसा कमेंट किया, जिससे एक्ट्रेस नाराज हो गईं। आयशा ने पैपराजी को डांटते हुए कहा, तुम अपनी इज्जत खुद कमाते हो और खुद ही खो देते हो। प्लीज ऐसा मत करो। अच्छा नहीं लगता। इसके बाद आयशा गुस्से में वहां से चली गईं। आयशा खान के इस वायरल वीडियो के बाद फैंस उनके सपोर्ट में आगे आ रहे हैं और पैपराजी को गलत फोटो खींचने के लिए डांट रहे हैं। वहीं, कुछ लोग आयशा को ट्रोल कर रहे हैं। उनका कहना है कि आयशा ओवरएक्टिंग कर रही हैं। आयशा सबसे पहले बिग बॉस 17 में आई थीं। उन्होंने शो में वाइल्ड कार्ड के तौर पर एंट्री की थी, लेकिन मुनव्वर फारूकी के साथ उनके लव-हेट रिलेशनशिप ने खूब ध्यान खींचा।

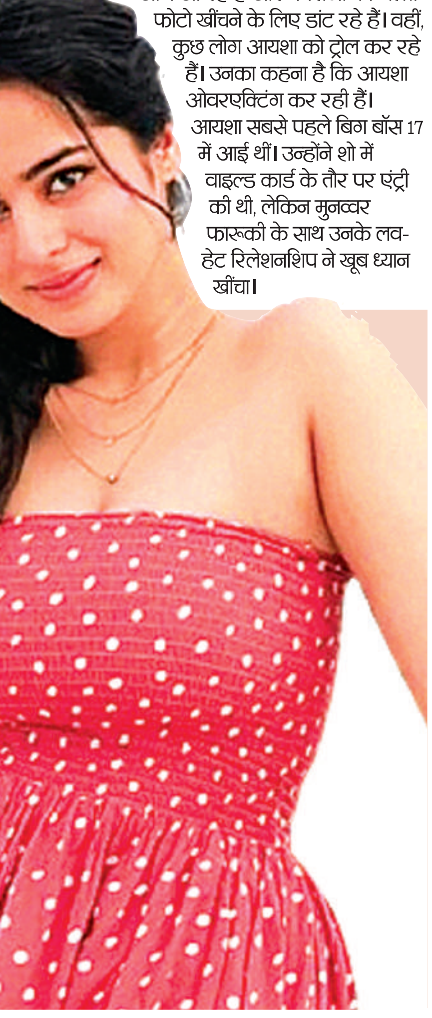

बॉलीवुड अपनी खूबसूरत लव स्टोरीज और म्यूजिक के लिए मशहूर

इश्क की परतें खोलती बॉलीवुड की सदाबहार प्रेम कहानियां

मुंबई। बॉलीवुड फिल्में अपनी खूबसूरत लव स्टोरीज और म्यूजिक के लिए मशहूर हैं। हालाँकि, हिंदी सिनेमा ने कुछ ऐसी फ़िल्में भी बनाई हैं, जो हमेशा खुश नहीं होतीं, लेकिन आखिर में हमें सच्चा प्यार करना सिखाती हैं। ये ऐसी फ़िल्में नहीं हैं,जो दिल टूटने को कुछ समय के लिए दिखाती हैं। बल्कि, ये दिखाती हैं कि हर लव स्टोरी का अंत अच्छा नहीं होता। खामोशी, जुदाई और इमोशनल संघर्ष से भरी ये फ़िल्में कुछ वाकई खूबसूरत लेकिन दिल तोड़ने वाली कहानियां पेश करती हैं, फिर भी ये इमोशन का एक डोज भी देती हैं जो दिल को सुकून देता है।

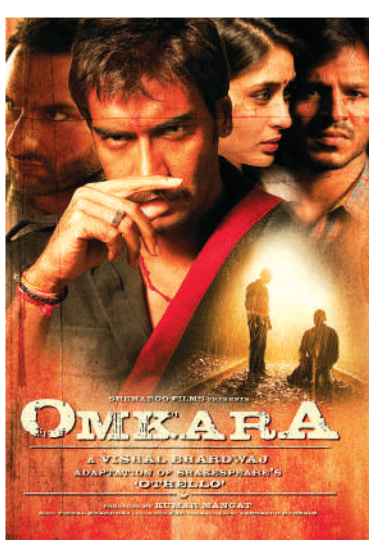

ओमकारा (2006) : ओथेलो का यह अडैप्टेशन दिल टूटने को धोखे और भरोसे के तौर पर दिखाता है। प्यार धोखे और धोखे की वजह से खत्म होता है, जिससे तबाही होती है। विशाल भारद्वाज के डायरेक्शन में बनी इस फिल्म में सैफ अली खान,करीना कपूर और अजय देवगन हैं।

रॉकस्टार (2011) : रॉकस्टार प्यार के बारे में है, लेकिन दर्द लंबे समय तक रहता है। रणबीर कपूर लीड रोल में हैं। जॉर्डन के तौर पर, उसका दिल टूटने का असर उसकी पर्सनैलिटी और कामों पर पड़ता है, यहाँ तक कि उस लड़की को खोने के बाद भी, जिससे वह प्यार करता है। हालाँकि, हीर (नरगिस फाखरी) जॉर्डन की ज़िंदगी में वापस आती है, लेकिन उसे पाने के बाद उसे फिर से खोया हुआ देखना एक दिल तोड़ने वाला अनुभव है।

आशिकी 2 (2013) : श्रद्धा कपूर और आदित्य रॉय कपूर स्टारर, आशिकी 2 रोमांस से ज़्यादा ट्रेजेडी के बारे में है। यह म्यूज़िकल लव स्टोरी दिखाती है कि कैसे नशा और सेल्फ-इमेज प्यार पर हावी हो सकते हैं।

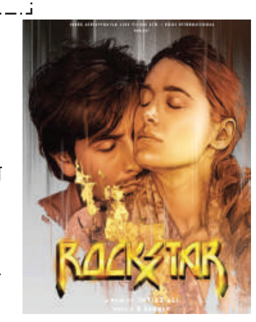

सनम तेरी कसम (2016) : जो एक खूबसूरत लव स्टोरी के तौर पर शुरू होती है, वह धीरे-धीरे एक दिल तोड़ने वाली कहानी में बदल जाती है। हर्षवर्धन राणे और मावरा होकेन स्टारिंग, यह सनम तेरी कसम एक ऐसी फिल्म है जो दिल टूटने को एक हालत के तौर पर दिखाती है, न कि कुछ समय के लिए।

लुटेरा : 2013 में रिलीज़ हुई लुटेरा, ओ. हेनरी की शॉर्ट स्टोरी "द लास्ट लीफ" से इंस्पायर्ड है, जो जुदाई और कुर्बानी के जरिए दिल टूटने की कहानी दिखाती है। यह दिल टूटने के दर्द को शांत और सधे हुए तरीके से दिखाती है। विक्रम आदित्य मोटवानी के डायरेक्शन में बनी इस फिल्म में रणवीर सिंह और सोनाक्षी सिन्हा लीड रोल में हैं।

लैला मजनू (2018) : लैला मजनू का यह नया वर्जन जुनून और तड़प का जश्न मनाता है। इंतजार, दिल टूटने और खोए हुए भरोसे की इसकी कहानी किसी की भी आंखों में आंसू ला देगी। तृप्ति डिमरी और अविनाश तिवारी की यह फिल्म दुख को ऐसे तरीके से दिखाती है जैसा पहले कभी नहीं देखा गया।

मैच-अप : बुमराह-फरहान और हार्दिक-तारिक की भिड़ंत बनेगी हाइलाइट

एजेंसी ▶▶| कोलंबो

आधुनिक टी20 क्रिकेट में डेटा की भूमिका काफी अहम होती है और इसी वजह से मैच-अप (एक टीम के खिलाड़ी विशेष का दूसरे टीम के खिलाड़ी विशेष से मुकाबला) को शीर्ष अंतरराष्ट्रीय टीमों के कोचिंग स्टाफ की चर्चा में अहम स्थान प्राप्त होता है। गौतम गंभीर और माइक हेसन दोनों के लिए उपलब्ध आंकड़ों के आधार पर 'मैच-अप' पर फोकस करना बहुत महत्वपूर्ण होगा। भारत-पाक मुकाबलों की कमी के कारण ज्यादा डेटा नहीं है। प्रशंसकों के लिए पांच संभावित रोमांचक मैच-अप पेश कर रहे हैं। मैच में अगर बारिश ने खलल नहीं डाला तो यह काफी दिलचस्प होगा।

साहिबजादा फरहान बनाम जसप्रीत बुमराह

पिछली बार जब ये दोनों आमने-सामने आए थे तब फरहान दो छक्के लगाकर बुमराह पर भारी पड़े थे और ऐसे चुनिंदा अंतरराष्ट्रीय बल्लेबाजों में शामिल हो गए, जिन्होंने एक ही टी20 अंतरराष्ट्रीय में बुमराह को दो छक्के मारें। फरहान ने इस प्रदर्शन का जिक्र एक विज्ञापन वृत्तचित्र में भी किया था। नामीबिया के खिलाफ बुमराह को पावरप्ले में नहीं गेंदबाजी करने का मौका मिला, लेकिन पाकिस्तान के खिलाफ गंभीर की रणनीति देखने में रोचक होगी। आंकड़े बताते हैं कि फरहान ने तीन मैचों में बुमराह की 34 गेंदों का सामना किया और बिना आउट हुए 51 रन बनाए।

बाबर आजम बनाम कुलदीप यादव

कुलदीप यादव ने टी20 अंतरराष्ट्रीय में बाबर आजम को कभी गेंदबाजी नहीं की है, लेकिन वनडे में उन्होंने पाकिस्तान के इस बल्लेबाज को तीन मैचों में आउट किया। बाबर ने कुलदीप के खिलाफ 52 गेंदों में सिर्फ 28 रन बनाए है। कुलदीप का पाकिस्तान के खिलाफ रिकॉर्ड शानदार रहा है। एशिया कप टी20 में भी जब बाबर टीम में नहीं थे। उन्होंने तीन मैचों में पाकिस्तान के आठ विकेट लिए, जिनमें फाइनल में चार विकेट शामिल थे। कुलदीप बनाम बाबर मुकाबला देखने के लिए गंभीर को अर्शदीप सिंह की जगह इस कलाई के खब्बू स्पिनर को एकादश में शामिल करना होगा।

हार्दिक पंड्या बनाम उस्मान तारिक

अगर किसी भारतीय बल्लेबाज के पास उस्मान तारिक की 'स्टॉप एंड स्लिंग एक्शन' की रहस्य को तोड़ने का सबसे अच्छा मौका है, तो वह हार्दिक पंड्या हैं। यह देखने में मजा आएगा कि सलमान अली आगा तारिक का उपयोग कैसे करते हैं, खासकर सातवें से 16वें ओवर में जब इस मैच-अप के मुकाबले के अवसर ज्यादा होंगे। तारिक का क्रीज पर रुकना बल्लेबाज की योजना बिगाड़ सकता है, लेकिन पंड्या की बैक-लिफ्ट, मजबूत कोर और बड़े शॉट के लिए समान बल्ले की गति बनाने की क्षमता उन्हें फायदा देती है।पंड्या आम तौर पर गेंद फेंके जाने के बाद ही प्रतिक्रिया देते है।

शिवम दुबे बनाम अबरार अहमद, शादाब अहमद

स्पिनरों और खासकर कलाई के स्पिनरों के खिलाफ शिवम दुबे का रिकॉर्ड शानदार रहा है। बाएं हाथ के इस लंबे कद के बल्लेबाज का स्पिनरों के खिलाफ स्ट्राइक रेट 193 से अधिक का रहा है। ईश सोढ़ी जैसे दायें हाथ के लेग स्पिनर के खिलाफ भी दुबे ने हाल ही में टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला में कड़ा प्रहार किया है। पाकिस्तान के अबरार अहमद और शादाब अहमद के खिलाफ दुबे अपने बड़े शॉट को आजमाने से पीछे नहीं हटेंगे।

ईशान किशन बनाम अफरीदी

अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में ईशान किशन शाहीन शाह अफरीदी के खिलाफ अपने स्ट्रोक की रेंज के साथ धावा बोल सकते हैं। वहीं, यह देखना रोमांचक होगा कि अफरीदी शॉर्ट-बॉल का प्रभावी इस्तेमाल कैसे करते हैं, क्योंकि किशन बहुत लंबे नहीं हैं। किशन का उसका जवाब देना काफी रोचक होगा।

खबर संक्षेप

प्रमोद ने रिकॉर्ड छठा विश्व खिताब किया अपने नाम

मनामा। भारत के प्रमोद भगत ने शनिवार को बीडब्ल्यूएफ पैरा विश्व चैंपियनशिप में इंडोनेशिया के मोहम्मद अल इमरान पर सीधे गेम में शानदार जीत दर्ज करते हुए पुरुषों के एसएल3 वर्ग का स्वर्ण पदक अपने नाम किया। सैंतीस वर्षीय भगत ने फाइनल में अपने प्रतिद्वंद्वी को 21-12, 21-18 से हराकर विश्व चैंपियनशिप में लगातार चौथा एकल स्वर्ण और इस वर्ग में कुल मिलाकर छठा विश्व खिताब जीता। यह जीत एसएल3 वर्ग में भगत के दबदबे को दर्शाती है। एसएल3 वर्ग में वे खिलाड़ी हिस्सा लेते हैं, जिनके निचले अंगों में गंभीर विकलांगता होती है। भगत को पाच साल की उम्र में पोलियो हो गया था। उन्होंने 2009, 2015, 2019, 2022 और 2024 में विश्व चैंपियनशिप एकल स्वर्ण पदक जीते थे।

कनाडा को एक्सपोजर की जरूरत : बाजवा

नई दिल्ली। कनाडा के कप्तान दिलप्रीत बाजवा का मानना है कि उनके जैसे एसोसिएट देश को क्रिकेट जगत से हमदर्दी की नहीं बल्कि फ्रेंचाइजी लीग और द्विपक्षीय क्रिकेट के जरिए एक्सपोजर की जरूरत है।

बाजवा ने कनाडा में फ्रेंचाइजी क्रिकेट के प्रचार को खिलाड़ियों के लिए मनोबल बढाने वाला बताया क्योंकि उसके बिना उन्हें लगातार मैच अभ्यास नहीं मिल रहा था। उन्होंने कहा ,' मैं युवराज सिंह को धन्यवाद देना चाहता हूं, जो कनाडा सुपर 60 लेकर आए। हमें इसी की कमी खल रही थी। ग्लोबल टी20 कनाडा पिछले साल नहीं हुआ था लेकिन युवराज और अभिषेक शाह को धन्यवाद , जो उत्तरी अमेरिका में फ्रेंचाइजी क्रिकेट लेकर आए।' उन्होंने कहा ,'इससे काफी मदद हुई क्योंकि हमें लगातार क्रिकेट खेलने को नहीं मिलता था। पहली बार हमने इंडोर फ्रेंचाइजी क्रिकेट देखा। अब बर्फ गिरे या बारिश हो, हम क्रिकेट खेल रहे हैं। यह काफी गर्व का पल है कि कनाडा में इंडोर स्टेडियम है।'

सोनी पिक्चर्स पर देख सकेंगे आईएसएल

नई दिल्ली। सोनी पिक्चर्स नेटवर्क्स इंडिया (एसपीएनआई) इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) के 2025-26 सत्र का प्रसारण करेगा क्योंकि लीग के मीडिया अधिकार धारी 'फैनकोड' ने ब्रॉडकास्टर को 'लीनियर टेलीविजन' अधिकार का सबलाइसेंस दिया है। एसपीएनआई के पास भारत में आईएसएल 2025-26 सत्र के लिए एक्सक्लूसिव टीवी प्रसारण अधिकार होंगे जबकि अफगानिस्तान, भूटान बांग्लादेश, मालदीव, नेपाल और श्रीलंका में गैर एक्सक्लूसिव अधिकार होंगे। एआईएफएफके उप महासचिव सत्यनारायण ने कहा, यह विस्तार की प्रतिबद्धता दिखाती है।

ओमान के 8 बल्लेबाज नहीं पहुंच सके दोहरे अंक तक

आयरलैंड ने बनाया 235 रन का बड़ा स्कोर, ओमान को हराया, लोरकान टकर ने खेली नाबाद पारी

एजेंसी ▶▶| कोलंबो

कप्तान लोरकान टकर के 51 गेंद में 94 रन की मदद से आयरलैंड ने टी20 विश्व कप के ग्रुप बी के एकतरफा मैच में शनिवार को ओमान को 96 रन से हराया। पहले बल्लेबाजी के लिए भेजे जाने पर आयरलैंड ने 5 विकेट पर 235 रन बनाए। टकर ने अपनी पारी में दस चौके और चार छक्के लगाए और उनकी पारी के दम पर आयरलैंड ने 3 विकेट पर 47 से उबरते हुए इस टूर्नामेंट का अब तक का सबसे बड़ा स्कोर बनाया।

जवाब में ओमान की टीम 18 ओवर में 139 रन पर आउट हो गई। आमिर कलीम ने 50 और हमाद मिर्जा ने 46 रन बनाए। ओमान के 8 बल्लेबाज दोहरे अंक तक भी नहीं पहुंच सके। आयरलैंड के लिए जोश लिटिल ने चार ओवर में 16 रन देकर तीन विकेट लिए। मैथ्यू हंफ्रेस और बैरी मैकार्थी को दो-दो विकेट मिले। इस जीत के बावजूद आयरलैंड चौथे स्थान पर है जबकि श्रीलंका, जिम्बाब्वे और आस्ट्रेलिया शीर्ष तीन स्थानों पर हैं।

ओमान ने पावरप्ले के पांच ओवर स्पिनरों से कराए

इससे पहले गेंदबाजी चुनते हुए ओमान ने पावरप्ले के छह में से पांच ओवर स्पिनरों से कराए । इसका फायदा भी मिला जब 38 वर्ष के शकील ने तीन ओवरों में तीन विकेट लेकर आयरलैंड का स्कोर तीन विकेट पर 47 रन कर दिया। उन्होंने पहले ओवर में टिम टेक्टर को आउट किया, जिसके बाद रोस एडेयर का विकेट लिया। एडेयर ने शाह फैसल को तीन चौके लगाकर अच्छी शुरुआत की थी लेकिन टिक नहीं सके। पांचवें ओवर में शकील ने हैरी टेक्टर को भी पवेलियन भेजा। टूर्नामेंट में सबसे उम्रदराज खिलाड़ी 44 वर्ष के अनुभवी आमिर कलीम ने कुर्टिस कैम्फर का विकेट लिया। इसके बाद हालांकि टकर ने एक छोर संभालकर आयरलैंड की पारी को संभाला । आयरलैंड के कप्तान ने जेरेथ डेलानी (56) के साथ 56 गेंद में 101 रन की साझेदारी की। इसके बाद जॉर्ज डॉकरेल (35) के साथ 19 गेंद में 70 रन जोड़े। डॉकरेल ने नौ गेंद की पारी में पांच छक्के जड़े। आयरलैंड ने आखिरी चार ओवरों में 86 रन बनाए।

आमिर ने लगाया 44 साल 86 दिन की उम्र में अर्धशतक

ओमान के अनुभवी ऑलराउंडर आमिर कलीम टी20 वर्ल्ड कप में अर्धशतक लगाने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने शनिवार को सिंहली स्पोर्ट्स क्लब में आयरलैंड के विरुद्ध 44 साल 86 दिन की उम्र में अर्धशतक लगाया। 28 गेंदों में अर्धशतक लगाते हुए आमिर कलीम ने अपनी ही टीम के साथी मोहम्मद नदीम के रिकॉर्ड को तोड़ दिया, जिन्होंने इसी विश्व कप में श्रीलंका के विरुद्ध 43 साल और 161 दिन की उम्र में अर्धशतकीय पारी खेली थी। इस लिस्ट में श्रीलंकाई दिग्गज सनथ जयसूर्या तीसरे पायदान पर हैं, जिन्होंने टी20 वर्ल्ड कप 2009 में वेस्टइंडीज के खिलाफ 39 साल 345 दिन की उम्र में अर्धशतक लगाया था।

आमिर सबसे उम्रदराज खिलाड़ी

आमिर हाल ही में टी20 वर्ल्ड कप में हिस्सा लेने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बने थे, उन्होंने 2016 एडिशन में हांगकांग के पूर्व कप्तान रयान कैंपबेल (44 साल और 30 दिन) का रिकॉर्ड तोड़ा था। कलीम 2016 में ओमान की पहली टी20 वर्ल्ड कप टीम का हिस्सा थे और उन्होंने कई एशिया कप क्वालिफायर और वर्ल्ड कप क्वालिफिकेशन कैंपेन में हिस्सा लिया है। उन्होंने 54 टी20 मुकाबलों में 718 रन बनाने के अलावा 48 विकेट भी हासिल किए हैं।

बयान

पाकिस्तान के खिलाफ खेलेंगे अभिषेक, सूर्या ने कहा- विपक्षी टीम जैसा चाहती हैं वैसा ही होगा

एजेंसी ▶▶| कोलंबो

पाकिस्तान के खिलाफ मैच से पहले टीम इंडिया के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने कन्फर्म किया है कि अभिषेक शर्मा ठीक हो गए हैं और 15 फरवरी को कोलंबो के आर प्रेमदासा स्टेडियम में पाकिस्तान के खिलाफ होने वाले मुकाबले के लिए पूरी तरह से तैयार हैं।

सूर्यकुमार यादव ने मैच के पहले प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि अगर अगर पाकिस्तान चाहता है कि हम अभिषेक को खिलाएं तो ठीक है वो रविवार को होने वाले मुकाबले में खेलेंगे। आपको बता दें कि सूर्यकुमार का ये बयान तब आया जब पाकिस्तान के कप्तान सलमान आगा ने कहा था कि उन्हें उम्मीद है कि अभिषेक ठीक हो रहे हैं क्योंकि उनकी टीम सबसे अच्छी भारतीय टीम के खिलाफ खेलना चाहती है।

भारत और पाकिस्तान के खिलाड़ी एशिया कप 2025 से एक-दूसरे से हाथ नहीं मिलाते। सूर्यकुमार यादव से पूछा गया कि क्या इस मुकाबले में भारतीय टीम के खिलाड़ी पाकिस्तानी खिलाड़ी से हाथ मिलाएंगे या नहीं। इस सवाल पर भारतीय कप्तान ने कुछ साफ जवाब नहीं दिया और उन्होंने कहा कि आप इंतजार करो, हम अच्छा क्रिकेट खेलेंगे और फिर फैसला करेंगे। अच्छी नींद लो और अच्छा खाओ और इंतजार करो।

'खेल भावना' को बनाए रखा जाना चाहिएः आगा

पाकिस्तान के कप्तान सलमान अली आगा ने कहा, क्रिकेट (सही) भावना के साथ खेला जाना चाहिए। मेरी व्यक्तिगत राय शायद मायने नहीं रखती। लेकिन क्रिकेट उसी तरीके से खेला जाना चाहिए, जिस तरह से इसे हमेशा खेला जाना चाहिए था। क्या करना है, यह तय करना उन पर निर्भर है।

टॉम बैंटन का तूफानी अर्धशतक

इंग्लैंड ने स्कॉटलैंड को पांच विकेट से हराया

एजेंसी ▶▶| कोलकाता

इंग्लैंड ने स्कॉटलैंड को टी20 वर्ल्ड कप 2026 के 23वें मुकाबले में 5 विकेट से मात दी। यह टूर्नामेंट में इंग्लैंड की दूसरी जीत रही, जिसके साथ टीम ने ग्रुप-सी की प्वाइंट्स टेबल में दूसरा स्थान हासिल कर लिया है।ईडन गार्डन्स में टॉस गंवाकर बल्लेबाजी के लिए उतरी स्कॉटलैंड की टीम 19.4 ओवरों में महज 152 रन पर सिमट गई। इस टीम को 18 के स्कोर तक 2 झटके लग चुके थे, जिसके बाद कप्तान रिची बेरिंगटन ने माइकल जोन्स के साथ तीसरे विकेट के लिए 24 रन की साझेदारी की। जोन्स 20 गेंदों में 6 बाउंड्री के साथ 33 रन बनाकर आउट हुए, जिसके बाद बेरिंगटन ने टॉम ब्रूस के साथ चौथे विकेट के लिए 41 गेंदों में 71 रन जोड़ते हुए टीम को 113 के स्कोर तक पहुंचाया।

रशीद ने हासिल किए 3 विकेट

रिची बेरिंगटन ने 32 गेंदों में 2 छक्कों और 5 चौकों के साथ 49 रन बनाए, जबकि टॉम ब्रूस 24 रन बनाकर पवेलियन लौटे। इनके अलावा, ओलिवर डेविडसन ने नाबाद 20 रन का योगदान दिया। विपक्षी खेमे से आदिल रशीद ने सर्वाधिक 3 विकेट हासिल किए, जबकि जोफ्रा आर्चर और लियाम डॉसन ने 2-2 विकेट निकाले। एक-एक विकेट जेमी ओवरटन और सैम करन ने हासिल किया।

इंग्लैंड ने 18.2 ओवरों में दर्ज की जीत

इसके जवाब में इंग्लैंड ने 18.2 ओवरों में जीत दर्ज कर ली। इस टीम ने 13 के स्कोर तक अपने 2 विकेट खो दिए थे। यहां से जैकब बेथेल ने टॉम बैंटन के साथ तीसरे विकेट के लिए 45 गेंदों में 66 रन की साझेदारी की। बेथेल ने 28 गेंदों में 32 रन की पारी खेली। कुछ देर बाद कप्तान हैरी ब्रूक (4) भी पवेलियन लौट गए। इस टीम ने 86 के स्कोर तक अपने 4 विकेट खो दिए थे, जहां से सैम करन ने टॉम बैंटन के साथ 33 गेंदों में 46 रन जुटाकर टीम को चुनौतीपूर्ण स्कोर तक पहुंचाया।

डब्ल्यूटीटी : फाइनल में हरमीत और यशस्विनी

चेन्नई। हरमीत देसाई और यशस्विनी घोरपडे की चौथी वरीयता प्राप्त जोड़ी ने डब्ल्यूटीटी स्टार कंटेंडर चेन्नई के मिश्रित युगल फाइनल में जगह बनाई जबकि जी साथियान पुरुष एकल क्वार्टरफाइनल में पहुंचे। देसाई और घोरपडे ने मिश्रित युगल सेमीफाइनल में पायस जैन और सिंड्रेला दास की भारत की वाइल्डकार्ड जोड़ी को 3-0 (11-9, 11-6, 11-9) से हराया। अब उनका सामना एडुआर्ड आयोनेस्कु और बर्नाडेटे जोक्स की दूसरी वरीयता प्राप्त रोमानियाई जोड़ी से होगा। इससे पहले साथियान ने पुरुष एकल में भारत की उम्मीदों को जीवंत रखते हुए 1-2 से पिछड़ने के बाद शानदार वापसी की और आयोनेस्कु को 3-2 (9-11, 11-3, 10-12, 11-7, 11-5) से हराकर क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया। अब उनका सामना चेक गणराज्य के लुबोमीर जानकारिक से होगा, जिन्होंने भारत के मानुष शाह को 3-1 (11-4, 13-11, 5-11, 13-11) से हराया। महिला एकल में भारत की चुनौती समाप्त हो गई जब क्वालीफायर नित्या मणि प्री-क्वार्टरफाइनल में हार गईं।

करन और धामने को मिला एकल वाइल्ड कार्ड

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

डेविस कप खिलाड़ी करन सिंह और मानस धामने को सोमवार से डीएलटीए परिसर में शुरू हो रहे एटीपी दिल्ली ओपन के मुख्य ड्रॉ एकल मुकाबलों के लिए वाइल्ड कार्ड प्रदान किए गए हैं। दिल्ली लॉन टेनिस संघ (डीएलटीए) ने हाल ही में नीदरलैंड के खिलाफ खेले गए डेविस कप मुकाबले में भारतीय टीम के रिजर्व सदस्य रहे दिग्विजय प्रताप सिंह को भी मुख्य ड्रॉ वाइल्ड कार्ड देने की पुष्टि की है। इसके साथ ही चार क्वालीफाइंग वाइल्ड कार्ड भी घोषित किए गए हैं। करन को यह मौका बेंगलुरु में डेविस कप टाई में भारत की जीत में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका के बाद मिला है, जबकि

दिल्ली ओपन

18 वर्षीय मानस को भारतीय टेनिस की सबसे उज्ज्वल युवा प्रतिभाओं में से एक माना जाता है।

रोमांचक युवा प्रतिभाओं में से एक धामने

डीएलटीए अध्यक्ष रोहित राजपाल ने कहा, /"करन सिंह और दिग्विजय प्रताप सिंह ने हालिया डेविस कप अभियान में अहम भूमिका निभाई थी और यह वाइल्ड कार्ड टीम की सफलता में उनके योगदान की मान्यता है।/" उन्होंने कहा, मानस धामने आज देश के सबसे रोमांचक युवा प्रतिभाओं में से एक हैं। यह जरूरी है कि हम उन्हें दिल्ली ओपन जैसे टूर्नामेंट में अवसर प्रदान करें। इससे उन्हें उच्च स्तर पर अनुभव हासिल कर अपने खेल में सुधार करने का मौका मिलेगा।"डीएलटीए ने क्वालीफाइंग एकल मुकाबलों के लिए नितिन कुमार सिन्हा, इशाक इकबाल, उदित कंबोज और डेनिस येवसेयेव को भी वाइल्ड कार्ड प्रदान किए हैं।

आज से शुरू होगा रणजी ट्रॉफी का सेमीफाइनल

दिग्गजों को हराने पर जम्मू कश्मीर और उत्तराखंड की नजरें

एजेंसी ▶▶| कोलकाता

पहली बार सेमीफाइनल में पहुंचे जम्मू कश्मीर और उत्तराखंड की नजरें रविवार से शुरू हो रहे रणजी ट्रॉफी सेमीफाइनल में अपनी लय कायम रखते हुए बंगाल और कर्नाटक जैसे दिग्गजों को हराने पर लगी होंगी। जम्मू कश्मीर ने इंदौर में मध्यप्रदेश को 56 रन से हराकर पहली बार सेमीफाइनल में जगह बनाई। रणजी ट्रॉफी में 1959-60 में पदार्पण करने के बाद से यह उसका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। तेज गेंदबाज आकिब नबी ने 110 रन देकर 12 विकेट चटकाते हुए जीत की नींव रखी।

अब बंगाल की चुनौती

बल्लेबाजी में अब्दुल समद 543 रन बना चुके हैं जबकि अनुभवी कप्तान पारस डोगरा ने 484 रन का योगदान दिया है। अब उनके पास बंगाल की चुनौती है। कल्याणी में अपने मैदान पर खेलने का उसे फायदा भी मिलेगा।

उत्तराखंड का सामना कर्नाटक से

दूसरा सेमीफाइनल लखनऊ के इकाना स्टेडियम पर खेला जाएगा, जिसमें उत्तराखंड का सामना आठ बार की चैंपियन कर्नाटक से होगा। उत्तराखंड ने जमशेदपुर में झारखंड को एक पारी और छह रन से हराया जबकि कर्नाटक ने रिकॉर्ड 42 बार की विजेता मुंबई को मात दी। उत्तराखंड के लिए स्पिनर मयंक मिश्रा ने आठ विकेट लिए और टूर्नामेंट में अब तक सर्वाधिक 52 विकेट ले चुके हैं। हरफनमौला जगदीश सुचित ने 25 विकेट लिए और 414 रन बनाए हैं। कप्तान कुणाल चंदेला 709 रन बना चुके हैं।

कर्नाटक की नजरें नौवें खिताब पर

कर्नाटक की नजरें नौवें खिताब पर है। बल्लेबाजी में मयंक अग्रवाल (492) , देवदत्त पडिक्कल (300), स्मरण रविचंद्रन (688) और करुण नायर (631) का अच्छा प्रदर्शन रहा है । केएल राहुल ने क्वार्टर फाइनल में 138 रन बनाए ।

मैडम पर मेहबान विभाग, दबी जुबां से विरोध

राजधानी के एक सरकारी स्कूल में बतौर अतिरिक्त प्रभार पर भेजी गई एक प्रभारी प्राचार्य की इन दिनों स्कूल शिक्षा विभाग के गलियारों में खूब चर्चा है। इनकी मूल पदस्थापना बैरसिया ब्लॉक स्थित एक सरकारी स्कूल में है, जिसकी दूरी करीब 50 किमी है। फिर भी मैडम के पास दोनों स्कूलों का प्रभार है। बताया जाता है कि वहां विवादित स्थिति बनने पर यह व्यवस्था की गई थी। अब ऐसे में दोनों स्कूलों की जिम्मेदारी वह कैसे संभाल रही हैं और किसकी मेहरबानी से यह दोनों स्कूलों की बागडोर मैडम को थमाई गई है, यह चर्चा का विषय बना हुआ है। हालांकि दोनों स्कूलों में दबी जुबां से इनका विरोध भी हो रहा है।

नए भवन की बेसब्री, बिना लोकार्पण ही शिफ्टिंग

स्कूल शिक्षा विभाग का राजधानी के तुलसी नगर स्थित जेडी-डीईओ कार्यालय का नया भवन बनकर तैयार हो गया है। यहां तक कि जेडी कार्यालय की यहां शिफ्टिंग कर काम भी शुरू कर दिया गया है। अब यह शिफ्टिंग चर्चा का विषय बनी हुई है। विभागीय गलियारों में चर्चा है कि जेडी साहब की नए भवन में जाने की बेसब्री ऐसी थी कि बिना लोकार्पण के ही यहां शिफ्टिंग कराकर काम शुरू कर दिया। विभागीय सूत्रों की माने तो यह ताबड़तोड़ शिफ्टिंग एक निजी कार्यक्रम के चलते कराई गई है, लेकिन अब इससे कुछ आला अधिकारी नाराज नजर आ रहे हैं, क्योंकि इस नए भवन का लोकार्पण बड़े धूम-धाम से कराने की तैयारी थी।

चहेते बाबू को न डिगा पाया कोई

भोपाल जिले की स्कूली शिक्षा की बागडोर संभालने वाले जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय में वर्षों से एक बाबू सुर्खियों में हैं। आला अधिकारियों से लेकर मंत्रियों के बंगलो तक दौड़ लगाने वाले बाबू यहां बीते कई वर्षों से यहां पदस्थ हैं। इस दौरान कई शिकायतें आईं, कई अधिकारी बदले, लेकिन बाबू को कोई नहीं हटा पाया। जांच फाइलों में दबी रह गईं, शिकायतकर्ता अधिकारियों के चक्कर लगाते रहे, लेकिन बाबू वहीं के वहीं।

सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बाद भी लापरवाही, अब तक जगह तक चिन्हित नहीं

शहर में सवा लाख स्ट्रीट डॉग, प्लान केवल तीन शेल्टर होम बनाने का ही

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

स्ट्रीट डॉग से लगातार हादसों के बाद सुप्रीम कोर्ट के सख्त निर्देशों के बाद नगर निगम ने शेल्टर होम तो नहीं बनाए, लेकिन एक अनुमान के अनुसार शहर में सवा लाख स्ट्रीट डॉग के लिए तीन शेल्टर होम बनाने की प्लानिंग की है। इसके लिए जगह चिन्हित करने की कवायद की जा रही है। जबकि निगम के पास तीन एबीसी सेंटर हैं।

स्ट्रीट डॉग की संख्या पर नजर डालें तो इनकी संख्या के अनुपात में संख्या 9 होना चाहिए।

निगम प्रशासन के अनुसार जल्द ही शेल्टर होम के लिए जगह चिन्हित हो जाएगी और एबीसी सेंटर भी बढाए जाएंगे।

तीन एबीसी सेंटर संचालित हो रहे हैं, तीन नए बनाने पर भी हो रहा विचार

शेल्टर होम की कोई व्यवस्था नहीं

वर्तमान में निगम के पास स्ट्रीट डॉग की आबादी नियंत्रित करने के लिए तीन एबीसी सेंटर का ही सहारा है। शेल्टर होम की कोई व्यवस्था नहीं है। सुप्रीम कोर्ट की सख्ती के बाद इसकी प्रकिया शुरू तो हुई है, लेकिन इसकी कोई समय-सीमा निर्धारित नहीं है। अब तक निगम के दावे केवल कागजों में ही चल रहे हैं, धरातल पर कुछ नहीं। पहले की तरह ही निगम का डॉग स्कवायड अमला कार्य कर रहा है।

राजधानी में 9 संवेदनशील स्थान किए गए हैं चिन्हित

शहर में नगर निगम ने 9 संवेदनशील स्थान जरूर चिन्हित किए हैं। इसके अलावा 102 फीडिंग स्पॉट बनाए हैं, लेकिन इसके लिए भी कोई स्थान तय नहीं है। यह भी कागजों से बाहर नही निकले। संवेदनशील स्थानों से स्ट्रीट डॉग पकड़कर शेल्टर होम भेजे जाने थे, लेकिन इनका तो अस्त्वि ही नहीं है। निगम के दावों पर नजर डालें तो बीते 11 माह में नसबंदी में 30 फीसदी की वृद्धि हुई है, जिससे डाग बाइट की घटनाओं में 10 फीसदी की कमी आई है।

आबादी के अनुपात में 9 एबीसी सेंटर की जरूरत

शहर करीब 1.25 लाख स्ट्रीट डॉग की मौजूदगी के अनुपात में 9 एबीसी सेंटर की जरूरत है, जबकि वर्तमान में तीन संचालित हो रहे हैं और तीन नए खोलने की प्लानिंग चल रही है।

नगर निगम से मिल गई है मंजूरी

50 साल पुराने रविशंकर शुक्ल मार्केट की जगह बनेगा हाईराइज कॉम्प्लेक्स

फाइल फोटो

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

पांच नंबर स्टाप स्थित रविशंकर शुक्ल (आरएसएस) मार्केट की तस्वीर जल्द ही बदल जाएगी। मध्य प्रदेश री-डेवलपमेंट पालिसी-2023 के तहत चुने गए इस पहले प्रोजेक्ट पर मप्र हाउसिंग बोर्ड करीब 650 करोड़ इस प्रोजेक्ट पर खर्च करेगा।

50 साल पुराने और जर्जर हो चुके इस परिसर को तोड़कर अब यहां आधुनिक काम्प्लेक्स बनेगा। हाउसिंग बोर्ड ने प्रोजेक्ट के लिए टेंडर जारी कर दिए हैं। आगामी दो महीनों में काम शुरू जाएगा। नगर निगम से बिल्डिंग परमिशन मिल चुकी है। निर्माण एजेंसी नियुक्त कर 42 महीनों के भीतर इस प्रोजेक्ट को पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। मार्केट की पुरानी 65 दुकानों को खाली कराने की प्रक्रिया भी तेज हो गई है। बोर्ड ने दुकानदारों के व्यवसाय को प्रभावित होने से बचाने के लिए मार्केट के ठीक सामने अस्थायी शेड बनाकर दुकानें तैयार की है। भविष्य में यहां 125 नई दुकानों का निर्माण होगा, जिससे यह क्षेत्र एमपी नगर और न्यू मार्केट की तर्ज पर एक प्रमुख कमर्शियल हब बनकर उभरेगा।

प्रोजेक्ट में यह रहेगा खास

हाउसिंग बोर्ड के पीआरओ प्रशांत मिश्रा ने बताया कि 8 भव्य टावर 20-20 मंजिला होंगे। स्विमिंग पूल, योगा-मेडिटेशन सेंटर और बच्चों के लिए प्ले एरिया, पार्किंग व सुरक्षा रहवासियों और ग्राहकों के लिए अलग-अलग पार्किंग व्यवस्था और भूकंप रोधी आरसीसी स्ट्रक्चर होंगे। इसमें कुल 380 फ्लैट्स में से 165 पुराने आवंटियों को देंगे, जबकि 215 फ्लैट्स नए खरीदारों के लिए रहेंगे।

अखिल भारतीय अधिवक्ता परिषद भोपाल इकाई ने किया स्टडी सर्कल का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

अखिल भारतीय अधिवक्ता परिषद की जिला इकाई भोपाल द्वारा जिला न्यायालय परिसर में स्टडी सर्किल का आयोजन प्रोफेशनल एथिक्स फॉर एडवोकेसी विषय पर किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय की इंदौर खंडपीठ के प्रशासनिक न्यायमूर्ति विजय कुमार शुक्ला थे। न्यायमूर्ति शुक्ला ने कहा कि एक महान अधिवक्ता वह नहीं, जो हर मामला जीत जाए, बल्कि वह है, जिसकी वजह से न्याय हारने न पाए। कार्यक्रम में जिला एवं सत्र न्यायाधीश मनोज कुमार श्रीवास्तव, अधिवक्ता परिषद के जिला अध्यक्ष राकेश गिरी ने न्यायमूर्ति शुक्ला का शाल-श्रीफल व स्मृति-चिन्ह भेंट कर सम्मान किया। कार्यक्रम का संचालन स्टडी सर्किल प्रमुख निलेश खरे तथा आभार जिला महामंत्री मनीष नेमा ने किया।

कार्यक्रम में उपस्थित अतिथि।

रायपुर उड़ान कैंसिल होने से यात्री हुए परेशान

संतनगर। इंडिगो एयरवेज़ की रायपुर उड़ान को शनिवार को अचानक कैंसिल कर दिया गया। हालांकि ये उड़ान राजा भोज एयरपोर्ट भोपाल से रायपुर के लिए रवाना तो हो गई, लेकिन वहां से वापस नहीं लौटी, जिसके कारण यात्रियों को कई प्रकार की परेशानियों का सामना करना पड़ा। मालूम हो कि इंडिगो एयरवेज़ की रायपुर अपने निर्धारित समय पर आ गई थी और रायपुर उड़ान भरने के बाद वहां से वापस नहीं लौटी। यह उड़ान रायपुर से भोपाल आकर और हैदराबाद जाती है, लेकिन उक्त उड़ान कैंसल होने से यात्रियों को कई प्रकार की परेशानियों का सामना करना पड़ा।

शुरूआती एक्स-शोरूम कीमत	GST लाभ	कॉर्पोरेट ऑफ़र्स/किसान योजना	डाउन पेमेंट	EMI पर इंस्टेंट कैश बैक
₹79 826 ₹73 839#	₹5 887	₹2 200~ तक	₹7 999$ से शुरू	₹10 000^ तक

HDFC BANK | SBI card क्रेडिट कार्ड — Powered by pine labs

INDIA'S FIRST 5 YEAR WARRANTY *Conditions apply

Hero GoodLife Stand a chance to win Gold and Silver Coins and many more assured benefits*

Hero MotoCorp Ltd. Regd. Office: The Grand Plaza, Plot No.2, Nelson Mandela Road, Vasant Kunj Phase - II, New Delhi - 110070, India. | CIN:L35911DL1984PLC017354 | For further information, contact your nearest Hero MotoCorp authorized outlet or visit us on www.HeroMotoCorp.com. Accessories and features shown may not be a part of standard fitment. Always wear a helmet while riding a two-wheeler. ~Offer amount and combination of offer may vary for model/variant and states and it is applicable on select models only, for a limited time period or till stock lasts. $Finance offer is at the sole discretion of the Financier, subject to its respective T&Cs, Available at select dealerships. ^T&C apply, Offer available only on limited stores. *Limited period offer, T&C apply. As per cumulative dispatch numbers till August 2025. #Ex-showroom price of Splendor+ Drum Brake Variant in Madhya Pradesh.

TOLL FREE 1800 266 0018

अधिकृत डीलरः जबलपुर: सुपर हीरो (साउथ सिविल लाईन्स) 9289922350, सुदर्शन हीरो (नेपियर टॉउन 9289922353, मदन महल 9111100352, दमोह नाका 9111100344), बालाघाट: जायसवाल हीरो 9289922572, छतरपुर: आनंद हीरो (झाँसी रोड 9289922374, पन्ना रोड 7389238472), छिन्दवाड़ा: सत्कार हीरो 9289922805, मण्डला: शुभा हीरो 9289922600, नरसिंहपुर: रचना हीरो 9289922377, रीवा: बद्रिका हीरो (टी.पी. नगर 9752263333, इलाहाबाद रोड 9171705391), सतना: स्टार हीरो 9289922356, बद्रिका हीरो 9289923108, शहडोल: विभोर हीरो 9289923109, गुप्ता हीरो 9289922370, कटनी: हर्ष हीरो 9289923166, वैढ़न: कुन्दन हीरो 9289922743, बजरंग मोटर्स 7354559000, सीधी: राजेन्द्र मोटर्स 9289923113, टीकमगढ़: आनंद हीरो 9289923112, सिवनी: सुदर्शन हीरो 9821745435, चौरई: श्रीजी ऑटोमोबाईल्स, 9821749342, एसोशिएट डीलरः पथरिया: एसएस ऑटोमोबाइल्स, 9691147568, सेमरिया: आकाश मोटर्स 9893918358, अमरवाड़ा: अर्पित ऑटोमोबाईल्स 7428595943, ब्यौहारी: श्री राम ऑटोमोबाईल्स 9424683246, बुढ़हार: श्री ऑटोमोबाईल्स 9425181937, डिंडोरी: अवधिया ऑटो 8959777333, नैनपुर: स्वास्तिक मोटर्स 9893746172, गाडरवाड़ा: शेखर व्हीकल्स 9425467409, जुन्नारदेव: लक्ष्मी नारायण मोटर्स 8109164000, कोतमा: सिटी ऑटोमोबाईल्स 7987519546, मैहर: वैशाली ऑटोमोबाईल्स 9424741022, मउगंज: सेंगर मोटर्स 9425185568, लांझी: श्रीखण्ड ऑटोमोबाईल्स 7428390262, पांढुरना: जय भवानी ऑटोमोबाईल्स 7428390263, परासिया: श्री महावीर ऑटोमोबाईल्स 7354460008, रामपुर बघेलान: साँई ऑटोमोबाईल्स 9993224296, रांझी: गुरुकृपा ऑटो 9424728007, सिहोरा: बाईक प्वांट 9826802730, उमरिया: गुप्ता ऑटो एजेन्सी 9285505630, वारासिवनी: रूसिया मोटर्स 9425822392, जतारा: शारदा माँ ऑटोमोबाईल 9111231539, टीकमगढ़: एस.एस. इन्टरप्राइज़ेज 7000242371, पृथ्वीपुर: महावीर एजेंसीज 7000375943, मुलताई: शारदा श्री मोटर्स 9522870001, चितरंगी: ओम मोटर्स 9685416118, बरगवां: बजरंग मोटर्स 9926183734, बहरी: श्याम एजेंसी 9981238133, बरही: अजीत ऑटोमोबाइल्स 7566217410, 9131739086, अनूपपुर: बाल गोविंद ऑटोव्हील्स 9770531138, 9770744844, नागोद: चौरसिया ऑटोमोबाइल्स 9926365074, देवसर: श्री राम मोटर्स 9425086868 अमरपाटन: रिशु ऑटोमोबाइल्स 9893829195, स्लीमनाबाद: अनिल मोटर्स 9425466101, रामनगर: विजय ऑटोमोबाईल्स 9893252517, धनोरा: भवानी व्हीकल्स 9424950703, सरई: यश मोटर्स, 9981718853, सालीचौका: अभिषेक इंटरप्राइजेज 8989434793, Hero Sure (Buy, Sell, Exchange Any Used Two Wheeler) छिन्दवाड़ा: सत्कार हीरो 9289922805, नरसिंहपुर: रचना हीरो 8815396340, दमोह: इंडिया ऑटो सेंटर 8839230079

हरिभूमि कम्यूनिकेशन प्राइवेट लिमिटेड के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक अचिंत महेश्वरी द्वारा प्लॉट नं.160 न्यू एच-सेक्टर इंडस्ट्रियल एस्टेट, गोविंदपुरा, भोपाल (म.प्र.) 462023 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, पीबी-2, चतुर्थ तल, मानसरोवर कॉम्प्लैक्स, वार्ड नं. 50, शिवाजी नगर, निकट रानी कमलापति रेलवे स्टेशन, होशंगाबाद रोड, भोपाल, (म.प्र.) 462016 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी। स्थानीय संपादकः प्रमोद भारद्वाज। RNI No. MPHIN/2014/55906, फोन 0755-4049930